THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 222 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **कार्तिक कृ.3 2080 मंगलवार, 31 अक्टूबर-2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

दो विधायकों के घर जलाए

एनसीपी दफ्तर में भी आग लगाई, मराठा आरक्षण आंदोलन समर्थकों ने कई गाड़ियां भी फूंकी

बीड, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को बीड में दो विधायकों के घरों में आग लगा दी, वहीं शदर पवार गुट के एनसीपी का दफ्तर भी जला दिया।

प्रदर्शनकारियों ने बीड के माजलगांव में विधायक प्रकाश सोलंके के घर और दफ्तर पर पथवराव किया। सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने यहां दर्जनों बाइक और कार को भी फूंक दिया। वहीं, देर शाम बीड में ही एक और एनसीपी विधायक संदीप क्षीरसागर का घर भी जला दिया गया। मराठा आरक्षण आंदोलन इस साल अगस्त से ही चल रहा है। आरक्षण की मांग को लेकर 11 दिनों में 13 लोग सुसाइड कर चुके हैं।

एनसीपी विधायक प्रकाश सोलंके ने घटना को लेकर कहा, जब हमला हुआ तब मैं अपने घर के अंदर ही था। हालांकि मेरे परिवार का कोई भी सदस्य या

जलता हुए विधायक का घर ।

मनोज जरांगे

कर्मचारी घायल नहीं हुआ। हम सभी सुरक्षित हैं, लेकिन आग के कारण संपत्ति को भारी नुकसान हुआ। घटना के बाद इलाके में पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

इधर, मराठा आंदोलन को लीड कर रहे मनोज जरांगे ने मराठा समाज से अपील की है कि कोई भी मराठा आज रात और कल तक कोई भी आगजनी ना करे। मुझे लगता है कि कोई और इस आंदोलन का फायदा लेकर आग लगा रहा है।

माजलगांव में प्रदर्शकारियों ने नगर परिषद कार्यालय में तोड़फोड़ की और आग लगा दी। इसमें काफी नुकसान की बात कही जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने जालना के बदनापुर तहसीलदार दफ्तर को जबरन ताला लगाया और महिला तहसीलदार को बाहर निकाला। यही नहीं, लैंड रिकॉर्ड्स, नगर पंचायत, पंचायत समिति कार्यालय में भी तालाबंदी कर दी।

सोलंके के घर पर क्यों हुआ हमला

प्रकाश सोलंके के नाम से वायरल हो रही एक ऑडियो क्लिप को हमले के लिए जिम्मेदार बताया जा रहा है। इस ऑडियो क्लिप में प्रकाश सोलंके कथित तौर पर मनोज जारांगे पर टिप्पणी करते सुनाई देते हैं। मराठा आरक्षण के लिए मनोज जरांगे ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की थी। उस वक्त महाराष्ट्र सरकार ने जरांगे से मामला सुलझाने के लिए 30 दिन का समय मांगा था। जरांगे ने वादा किया था कि वह अगले 40 दिनों तक विरोध प्रदर्शन नहीं करेंगे।

विधायक प्रकाश सोलंके ने कहा कि प्रदर्शनकारियों से बात नहीं हो सकी। उन्होंने सीधे घर पर पथराव शुरू कर दिया। वह बात करने के मूड में नहीं थे। उन्होंने मेरा घर घेर लिया। मैं मराठा हूं, आरक्षण का समर्थन करता हूं। कुछ लोग मेरी एडिटेड ऑडियो क्लिप वायरल कर गलतफहमी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरा अनुरोध है कि प्रदर्शनकारियों के साथ हाथ मिलाएं। उनके बल और प्यार से मैं विधायक बना। यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। राजनीतिक शरारत के कारण ऐसा हुआ है।

मनीष सिसोदिया को जमानत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, शराब घोटाले में 338 करोड़ का लेन-देन हुआ, एजेंसियां 8 महीने में जांच पूरी करें

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 247 दिन से जेल में बंद दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया। आप नेता सिसोदिया पर दिल्ली शराब नीति में भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। उन्हें 26 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए कहा, घोटाले से जुड़े कई सवालों के जवाब अभी नहीं मिले हैं। इनमें 338 करोड़ का लेन-देन हुआ है, जिसमें सिसोदिया की भूमिका संदिग्ध लग रही है। इसलिए याचिका खारिज की जाती है। कोर्ट ने जांच एजेंसियों को भी निर्देश दिया कि ट्रायल 6 से 8 महीने में पूरा करें। अगर ट्रायल में देर होती है तो सिसोदिया जमानत के लिए 3 महीने के अंदर दोबारा अपील कर सकते हैं। इससे पहले 17 अक्टूबर को कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 30 अक्टूबर तक के लिए फैसला सुरक्षित रख लिया था।

नवंबर 2021 को नई शराब नीति लागू हुई :

दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने 22 मार्च 2021 को नई शराब नीति का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इस नीति से शराब की दुकानें निजी हाथों में चली जाएंगी। सिसोदिया से जब नई नीति लाने का मकसद पूछा गया तो उन्होंने दो तर्क दिए। पहला- माफिया राज खत्म होगा। दूसरा- सरकारी खजाना बढ़ेगा।

17 नवंबर 2021 को नई शराब नीति 2021-22 लागू कर दी गई। इससे शराब कारोबार से सरकार से बाहर हो गई और ये बिजनेस निजी हाथों में चला गया। कई बड़े डिस्काउंट देने से शराब की जमकर बिक्री हुई। इससे सरकारी खजाना तो बढ़ा, लेकिन इस नई नीति का विरोध होने लगा।

जुलाई 2022 में शराब नीति में घोटाले का आरोप लगा :

8 जुलाई 2022 को दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार ने नई शराब नीति में घोटाला होने का आरोप लगाया। उन्होंने इससे जुड़ी एक रिपोर्ट एलजी वीके सक्सेना को रिपोर्ट सौंपी। इसमें बताया गया कि सिसोदिया ने लाइसेंसधारी शराब कारोबारियों को अनुचित लाभ पहुंचाया। उधर, एलजी ने भी कहा है कि उनकी और कैबिनेट की मंजूरी के बिना ही शराब नीति में बदलाव कर दिए।

अगस्त 2022 को सीबीआई और ईडी ने केस दर्ज किया :

एलजी सक्सेना ने मुख्य सचिव की रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई जांच की मांग की। 17 अगस्त 2022 को जांच एजेंसी ने केस दर्ज किया। इसमें मनीष सिसोदिया, तीन रिटायर्ड सरकारी अफसर, 9 बिजनेसमैन और दो कंपनियों को आरोपी बनाया गया।

ब्लास्ट की जांच 20 सदस्यीय टीम करेगी

हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पर यूएपीए का केस

एर्नाकुलम, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के एर्नाकुलम में रविवार को कन्वेंशन सेंटर में हुए सीरियल ब्लास्ट की जांच 20 सदस्यीय टीम करेगी। इस हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 3 हो गई है। इसमें एक 12 साल की लड़की भी शामिल है, जिसने देर रात अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं 41 घायल हैं, जबकि पांच की हालत गंभीर है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज के मुताबिक, 17 लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें 12 आईसीयू में हैं और 3 वेंटिलेटर पर हैं। 4 की हालत गंभीर है, जो करीब 50 से 60 प्रतिशत तक झुलस गए हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने बताया, एडीजीपी कानून एवं व्यवस्था के नेतृत्व में एक विशेष टीम इस घटना की जांच करेगी। जांच दल में 20 सदस्य होंगे। हादसे को लेकर मुख्यमंत्री आज सर्वदलीय बैठक भी की। वहीं, राज्य के एडीजीपी (लॉ एंड ऑर्डर) अजित कुमार ने बताया कि एक शख्स ने कोडकारा पुलिस स्टेशन में सरेंडर किया है। उसका दावा है कि उसने ही कन्वेंशन सेंटर में बम रखा था। आरोपी का नाम डोमिनिक मार्टिन है। उस पर यूएपीए के तहत केस दर्ज किया गया है।

केरल पुलिस ने मार्टिन द्वारा बम लगाने की पुष्टि की है। पुलिस को उसके फोन से आईईडी ब्लास्ट करने के लिए इस्तेमाल किए गए रिमोट कंट्रोल के विजुअल मिले हैं। पुलिस ने बताया कि डोमिनिक ने सरेंडर करने से पहले फेसबुक लाइव किया था। उसमें उसने ब्लास्ट की बात कबूली है।

डोमिनिक ने ऐसा करने की वजह भी बताई है। उसने फेसबुक पर लाइव आकर कहा है कि वो भी ईसाई धर्म के यहोवा के साक्षी समूह से संबंधित है, लेकिन उसको उनकी विचारधारा पसंद नहीं है। उन्हें वो देश के लिए खतरा मानता है, क्योंकि वे लोग देश के युवाओं के दिमाग में जहर घोल रहे हैं।

विधायकों की अयोग्यता पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

सीजेआई बोले, स्पीकर शिवसेना पर 31 दिसंबर और एनसीपी की याचिका पर 31 जनवरी तक फैसला करें

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधायकों की अयोग्यता के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने विधानसभा सत्र और छुट्टियों के बीच स्पीकर राहुल नार्वेकर को अयोग्यता पर फैसला लेने के लिए कहा है। मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2024 के पहले हफ्ते में होगी।

सीजेआई ने महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर की अपील पर नाराजगी जताई कि उन्हें अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने के लिए 29 फरवरी 2024 तक का समय चाहिए। सीजेआई बोले, हम चाहते हैं कि वे शिवसेना पर 31 दिसंबर तक और एनसीपी पर 31 जनवरी 2024 तक फैसला कर लें। सुप्रीम कोर्ट की बेंच शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सुनील प्रभु और एनसीपी (शरद पवार गुट) के जयंत पाटिल की

याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें शिंदे-अजित पवार गुटों के विधायकों की अयोग्यता पर स्पीकर के जल्द फैसला करने की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने 17 अक्टूबर को विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर को अंतिम मौका देने की बात कही थी। शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि विरोधी धड़े (उद्धव ठाकरे) की तरफ से जो याचिकाएं दायर की गई हैं, उस पर फैसला लेने के लिए स्पीकर वास्तविक समयसीमा निर्धारित करें। अयोग्यता की याचिकाओं को जल्द निर्णय लिए जाने की जरूरत है।

29 अक्टूबर को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधायकों की अयोग्यता मामले पर बयान दिया। उन्होंने मराठी मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अयोग्य नहीं ठहराया जाएगा। उनका केस मजबूत है। अगर ऐसा हुआ भी तो वो अपना कार्यकाल बतौर मुख्यमंत्री ही पूरा करेंगे। हम उनका पद बरकरार रखने के लिए उन्हें एमएलसी के रूप में चुन लेंगे। वहीं, विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर अयोग्यता मामले पर चर्चा के लिए रविवार 29 अक्टूबर को ही दिल्ली पहुंच गए थे।

शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने जून 2022 में पार्टी से बगावत की थी। इसके बाद शिंदे ने भाजपा के साथ मिलकर राज्य में सरकार बनाई और खुद मुख्यमंत्री बन गए। इसके बाद शिंदे ने शिवसेना पर अपना दावा कर दिया।

बीआरएस उम्मीदवार कोथा प्रभाकर रेड्डी पर जानलेवा हमला

दुब्बाका रैली के दौरान बाल-बाल बचे

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेलंगाना की मेडक लोकसभा सीट से निर्वाचित बीआरएस सांसद कोथा प्रभाकर रेड्डी पर जानलेवा हमला हुआ है। आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनावों में पार्टी ने रेड्डी को दुब्बाका विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। सोमवार को दौलताबाद मंडल के सुरमपल्ली गांव में चुनाव प्रचार के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने रेड्डी पर हमला किया। शुरूआती जानकारी के मुताबिक अपराधी ने रेड्डी के पेट में चाकू मारा है।

रैली के दौरान हमला

आनन-फानन में प्रभाकर रेड्डी को गजवेल अस्पताल ले जाया गया। खबरों के अनुसार, उनकी नाजुक सेहत को देखते हुए उन्हें हैदराबाद के अस्पताल में शिफ्ट किए गया है। हमले के बाद रेड्डी के समर्थकों ने आरोपी हमलावर को जमकर पीटा।

रेड्डी पर हमला करने वाले हमलावर को भीड़ ने जमकर पीटा और पुलिस को सौंप दिया। आरोपी की पहचान चेप्पयाला विला के राजू के रूप में हुई। आरोपी पहले एक स्थानीय समाचार ऐप के लिए काम करता था। अब एक यूट्यूब चैनल के लिए काम कर रहा था।

चुनावी रैलियों के दौरान खूब जुबानी हमले भी हो रहे हैं। पिछले दिनों विपक्षी दलों पर हमले की कमान खुद मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने संभाली, जब उन्होंने अलग-अलग चुनावी जनसभाओं के दौरान भाजपा के स्टार प्रचारक सीएम योगी आदित्यनाथ और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

5941 करोड़ के विकास परियोजनाओं की सौगात

पीएम मोदी ने कहा, पूर्ण बहुमत में होने के चलते सरकार बड़े-बड़े फैसले ले रही

अहमदाबाद, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। सोमवार सुबह अंबाजी मंदिर में पावड़ी पूजा के बाद उन्होंने मेहसाणा जिले के खेरालू में करीब 5941 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम सोमवार सुबह 9.30 बजे अहमदाबाद पहुंचे थे।

अहमदाबाद एयरपोर्ट से ही वे बनासकांठा के अंबाजी मंदिर के लिए रवाना हो गए थे। उनके आगमन के लिए अंबाजी के पास चिखला गांव में चार हेलीपैड बनाए गए थे। यहां से उनका काफिला मंदिर के लिए रवाना हुआ। इस दौरान उनके स्वागत के लिए सड़कों पर भारी संख्या में लोग मौजूद थे, जिन्होंने फूल बरसाकर उनका स्वागत किया।

देश हित में लिए जा रहे हैं बड़े-बड़े फैसले पीएम ने दाभोदा गांव में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, गुजरात और देश के विकास के लिए गुजरातियों का बहुत आभार मानता हूं। भारत के चांद पर पहुंचने और जी-20 समिट के चलते आज दुनिया भर में भारत के विकास की चर्चा हो रही है।

जी-20 समिट के दौरान दुनिया के बड़े-बड़े नेता भारत के कोने-कोने में गए और भारतीयों की संकल्प शक्ति देखकर चकित रह गए। आज पूरे देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर हो रहा, जिसका कई साल पहले तक नामो-निशान नहीं था। आज देश में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट आकार ले रहे हैं। पूर्ण बहुमत में सरकार होने के चलते आज देश हित में बड़े-बड़े फैसले लिए जा रहे हैं।

उत्तर गुजरात के विकास की बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा, एक समय उत्तर गुजरात में सूखा था। यहां की माता-बहनों को दिन-दिन भर पीने के पानी के लिए भी मीलों तक का सफर तय करना पड़ता था। लेकिन आज यहां घर-घर में नल है।

राघव चड्ढा के निलंबन पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इसके गंभीर परिणाम होंगे

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को टिप्पणी की कि किसी सांसद को निलंबित करने से उसके द्वारा प्रतिनिधित्व किए जा रहे मतदाताओं के अधिकार पर गंभीर असर पड़ता है। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की खंडपीठ आम आदमी पार्टी (आप) नेता राघव चड्ढा द्वारा राज्यसभा से निलंबन के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। चड्ढा को इस साल अगस्त में चयन समिति में नाम शामिल करने से पहले पांच राज्यसभा सांसदों की सहमति नहीं लेने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। पीठ ने कहा कि चड्ढा के खिलाफ लगाए गए आरोपों में उन सदस्यों के फर्जी हस्ताक्षर नहीं हैं, जिन्होंने संसदीय पैनल में अपने नाम शामिल करने के लिए सहमति नहीं दी थी। शीर्ष अदालत इस मामले पर तीन नवंबर को सुनवाई जारी रखेगी।

छुड़ाने की हरसंभव कोशिश करेंगे

कतर में बंद भारतीयों के परिवार से मिलकर बोले जयशंकर

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कतर में मौत की सजा पाने वाले आठ भारतीयों के परिवारवालों से मुलाकात की। गौरतलब है कि नौसेना के आठ पूर्व कर्मी लंबे समय से कतर की जेल में बंद हैं। हाल ही में कतर की एक अदालत ने उन्हें मौत की सजा सुनाई है।

जयशंकर ने पूर्व नौसैनिकों के परिवार से मुलाकात के दौरान कहा कि उनकी सरकार भारतीयों को वापस लाने की हरसंभव कोशिश कर रही है। विदेश मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज सुबह ही कतर में बंद आठ भारतीयों के परिवारवालों से मुलाकात की। उन्हें बताया कि सरकार इस मामले को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दे रही है। हम उनके परिवारों की चिंता और दर्द साझा करते हैं।

जयशंकर ने आगे कहा, हमने स्पष्ट किया कि सरकार उन्हें छुड़ाने के लिए सबकुछ कर रही है। हम इस मामले में परिवारों से संपर्क में रहना जारी रखेंगे।

निजी कंपनी अल दहरा के साथ काम करने वाले इन भारतीय नागरिकों को कथित तौर पर जासूसी के एक मामले में पिछले साल अगस्त में गिरफ्तार किया गया था। कतर की तरफ से अब तक उन पर लगे आरोपों का खुलासा नहीं किया गया है। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में दावा हुआ है कि इन लोगों को जासूसी करने के आरोप में पकड़ा गया। कतर कोर्ट के इस फैसले पर भारत ने नाराजगी जताते हुए इसे गहरा झटका बताया था और मामले में सभी कानूनी तरीके आजमाने की बात कही थी।

लगातार हो रही ट्रेन दुर्घटनाओं पर लालू प्रसाद यादव ने की केंद्र की आलोचना

पटना, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में हुए भीषण ट्रेन हादसे के बाद राजद प्रमुख और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुये इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है। यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पूछा कि देश में लगातार हो रहे ट्रेन हादसों की जिम्मेदारी कौन लेगा?

राजद प्रमुख ने कहा, रविवार को आंध्र प्रदेश में दो यात्री ट्रेनें दुर्घटनाग्रस्त हो गईं जिसमें 14 लोगों की जान चली गई और 50 से अधिक घायल हो गए। मैं मृतकों के परिवार के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायल यात्रियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

देश में लगातार हो रही रेल दुर्घटनाओं की जिम्मेदारी कौन लेगा? हेडलाइन मैनेजमेंट के जरिए वे कितने दिनों तक हताहतों की संख्या छिपाएंगे? सीएजी की रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे भारी घाटे में है। उन्होंने निजीकरण के माध्यम से भारतीय रेलवे का सब कुछ नष्ट कर दिया है।

नागरिकों को पार्टियों का इनकम सोर्स जानने का अधिकार नहीं

इलेक्टोरल बॉन्ड केस पर बोले अटॉर्नी जनरल ये एससी के दायरे में नहीं आना चाहिए

संविधान पीठ 31 अक्टूबर को इलेक्टॉरल बॉन्ड स्कीम मामले की सुनवाई करेगी।

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलेक्टोरल बॉन्ड के तहत राजनीतिक पार्टियों को मिलने वाले चंदे को सार्वजनिक बनाने की मांग करने वाली याचिका पर अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने रविवार को अपने विचार रखे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि संविधान ने नागरिकों को इन फंड्स का सोर्स जानने का मौलिक अधिकार नहीं दिया है। उन्होंने कोर्ट को चेतावनी दी कि इलेक्टोरल बॉन्ड को रेगुलेट करने के लिए पॉलिसी डोमेन में न आए। रविवार को उन्होंने कहा कि नागरिकों को ये अधिकार तो है कि वे उम्मीदवारों की क्रिमिनल हिस्ट्री जानें, लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि उन्हें पार्टियों की इनकम और पैसों के सोर्स जानने का अधिकार है।

दरअसल, 31 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ इलेक्टोरल बॉन्ड मामले की सुनवाई करेगी। इसमें जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बी आर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल हैं।

वेंकटरमनी ने कहा कि ये स्कीम किसी भी व्यक्ति के मौजूदा अधिकारों का उल्लंघन नहीं करती है। साथ ही यह स्कीम डोनर्स को पहचान उजागर न करने की सुविधा भी देती है। ये क्लीन मनी के डोनेशन को बढ़ावा देता है। इससे डोनर अपने टैक्स देने के दायित्व जानेगा।

उन्होंने कहा कि ये स्कीम किसी भी प्रकार के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करती है। अटॉर्नी ने कहा कि कोर्ट राज्य की कार्रवाई की समीक्षा केवल तब ही करता है जब मौजूदा अधिकारों का टकराव हो। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने इस केस में 16 अक्टूबर को सुनवाई की थी। तब उन्होंने कहा था कि इस याचिका की अहमियत समझते हुए इस मामले को कम से कम पांच जजों की बेंच के सामने रखा जाना चाहिए। मामले की सुनवाई के लिए 31 अक्टूबर की तारीख तय की गई। साथ ही 5 जजों की संविधान बेंच का गठन किया गया।

याचिकाकर्ताओं के वकील की मांग

याचिका दाखिल करने वाली संस्था एडीआर(एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स) की तरफ से एडवोकेट प्रशांत भूषण ने दलील दी कि इस प्रकार की चुनावी फंडिंग भ्रष्टाचार को बढ़ावा देगी। कुछ कंपनियां उन पार्टियों में अज्ञात तरीकों से फंडिंग करेंगी, जिन पार्टियों की सरकार से उन्हें फायदा होता है। पहले भी एडवोकेट भूषण ने एससी को बताया था कि 2024 के आम चुनावों के लिए चुनावी बॉन्ड योजना शुरू होने से पहले इस मामले पर फैसला किया जाना जरूरी है, जिसके बाद कोर्ट ने इस पर अंतिम सुनवाई करने का फैसला किया था।

इस मामले पर चार जनहित याचिकाएं लंबित हैं। इनमें से एक याचिकाकर्ता ने मार्च में सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि चुनावी बॉन्ड से पार्टियों को अब तक 12 हजार करोड़ की फंडिंग हुई है और इसका दो-तिहाई हिस्सा एक खास पार्टी को मिला है।

क्या है पूरा मामला

इस योजना को 2017 में ही चुनौती दी गई थी, लेकिन सुनवाई 2019 में शुरू हुई। 12 अप्रैल, 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी पॉलिटिकल पार्टियों को निर्देश दिया कि वे 30 मई, 2019 तक में एक लिफाफे में चुनावी बॉन्ड से जुड़ी सभी जानकारी चुनाव आयोग को दें। हालांकि, कोर्ट ने इस योजना पर रोक नहीं लगाई।

बाद में दिसंबर, 2019 में याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रटिक रिफॉर्म्स ने इस योजना पर रोक लगाने के लिए एक आवेदन दिया। इसमें मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया गया कि किस तरह चुनावी बॉन्ड योजना पर चुनाव आयोग और रिजर्व बैंक की चिंताओं को केंद्र सरकार ने दरकिनार किया था।

इस पर सुनवाई के दौरान पूर्व सीजेआई एसए बोबडे ने कहा कि मामले की सुनवाई जनवरी 2020 में होगी। चुनाव आयोग की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए सुनवाई को फिर से स्थगित कर दिया गया। इसके बाद से अभी तक इस मामले को कोई सुनवाई नहीं हुई है।

चुनावी बॉन्ड क्या है?

2017 के बजट में उस वक्त के वित्त मंत्री अरुण जेटली ने चुनावी या इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को पेश किया था। 29 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने इसे नोटिफाई किया। ये एक तरह का प्रोमिसरी नोट होता है। जिसे बैंक नोट भी कहते हैं। इसे कोई भी भारतीय नागरिक या कंपनी खरीद सकती है। अगर आप इसे खरीदना चाहते हैं तो आपको ये स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की चुनी हुई ब्रांच में मिल जाएगा। इसे खरीदने वाला इस बॉन्ड को अपनी पसंद की पार्टी को डोनेट कर सकता है। बस वो पार्टी इसके लिए एलिजिबल होनी चाहिए।

सभ्य दुनिया में हिंसा के लिए जगह नहीं: सोनिया गांधी

इजराइली नाकेबंदी ने गाजा को खुली जेल बनाया

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग के बीच पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अंग्रेजी अखबार द हिंदू के लिए एक लेख लिखा है। इसमें कहा है कि कांग्रेस का विश्वास है कि सभ्य दुनिया में हिंसा की कोई जगह नहीं है। उन्होंने 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले को क्रूर बताया है। उन्होंने कहा- इसमें एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए। इनमें ज्यादातर आम नागरिक थे। यह हमला इजराइल के लिए विनाशकारी था। हमने हमले के अगले ही दिन इसकी स्पष्ट रूप से निंदा की। उन्होंने एक लेख में लिखा है कि इजराइल-हमास का मामला गाजा में इजराइली सेना के अंधाधुंध अभियानों के चलते और गंभीर हो गया है। इसकी वजह से बड़ी संख्या में निर्दोष बच्चों, महिलाओं और पुरुषों सहित हजारों लोगों की मौत हो गई है। इजराइल अब पूरी ताकत से उस आबादी से बदला लेने पर उतारू है जो काफी हद तक असहाय होने के साथ-साथ निर्दोष भी है। दुनिया के सबसे शक्तिशाली हथियारों का इस्तेमाल बच्चों, महिलाओं और पुरुषों पर किया जा रहा है। जिनका हमास के हमले में कोई वास्ता नहीं था।

फिलिस्तीनियों को लेकर इजराइल की भाषा अमानवीय जंग में पूरे के पूरे परिवारों का सफाया हो गया है। गाजा मलबे में तब्दील हो रहा है। अस्पताल गाजा के लोगों पर आए मानवीय संकट का सामना करने में असमर्थ हैं। पानी, भोजन और बिजली से इनकार फिलिस्तीनी लोगों के लिए किसी सामूहिक सजा से कम नहीं है। बाहरी दुनिया, विशेष रूप से जो लोग मदद करना चाहते हैं, उन्हें गाजा जाने से काफी हद तक रोक दिया गया है, जरूरतमंदों तक राहत और सहायता बहुत कम मात्रा में पहुंच रही है।

यह न सिर्फ अमानवीय है बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन भी है। बहुत कम गाजावासी हिंसा से अछूते हैं। एक छोटे से इलाके में कैद गाजा की बड़ी आबादी के पास फिर से खड़े होने के लिए कुछ नहीं बचा है। अब, तो वेस्ट बैंक में भी संघर्ष बढ़ रहा है।

भविष्य को लेकर लगाई जा रही अटकलें भी अच्छी नहीं हैं। सीनियर इजराइली अधिकारियों ने गाजा के बड़े हिस्से को नष्ट करने और आबादी खत्म करने की बात कही है। इजराइली रक्षा मंत्री ने फिलिस्तीनियों को ₹मानव के भेष में जानवर₹ कहा है। यह अमानवीय भाषा चौंकाने वाली है जो उन लोगों के वंशजों से आ रही है जो स्वयं नरसंहार के शिकार थे।

गाजा में मानवता की परीक्षा ली जा रही है। इजराइल पर हुए क्रूर हमलों से इंसानियत कमजोर पड़ी थी। अब इजराइल की असंगत और समान रूप से क्रूर प्रतिक्रिया से हम और कमजोर हो गए हैं। हमारी सामूहिक चेतना के जागने से पहले न जानें कितनी जानें जाएंगी। इजराइली सरकार हमास के कामों की तुलना फिलिस्तीनी लोगों से करके बड़ी गलती कर रही है। हमास को नष्ट करने के अपने दृढ़ संकल्प में, इसने गाजा के आम लोगों के खिलाफ अंधाधुंध मौत और विनाश को अंजाम दिया है। यदि फिलिस्तीनियों की पीड़ा के लंबे इतिहास को नजरअंदाज भी कर दिया जाए, तो किस तर्क से कुछ लोगों के काम के लिए पूरी आबादी को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है?

पुलवामा में यूपी के मजदूर की टारगेट किलिंग

24 घंटे में घाटी में दूसरा टैरर अटैक; रविवार को श्रीनगर में पुलिस इंस्पेक्टर को गोली मारी थी

श्रीनगर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। साउथ कश्मीर के पुलवामा में आतंकियों ने उत्तर प्रदेश के एक मजदूर की हत्या कर दी। घटना नौपोरा जिले की है। मजदूर की पहचान मुकेश कुमार के तौर पर हुई है। पुलिस ने जानकारी दी कि मुकेश को सोमवार दोपहर 12:45 बजे में आतंकियों ने गोली मार दी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कश्मीर घाटी में ये 24 घंटे के अंदर दूसरा आतंकी हमला है। बीती रात श्रीनगर के ईदगाह इलाके में एक आतंकी ने पुलिस इंस्पेक्टर को तीन गोलियां मार दी थी। गोलियां उनकी पेट, गर्दन और आंख में लगी। फिलहाल वे अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं, हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन टीआरएफ ने ली है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इंस्पेक्टर मसरूर वानी पर रविवार को हमला उस समय हुआ, जब वे स्थानीय लड़कों के साथ क्रिकेट खेल रहे थे।

गुरु रामदास जी के प्रकाश पर्व की धूम

गोल्डन टेंपल में सजाए गए जलो; 20 टन फूलों से सजाया गया, 2 लाख श्रद्धालु पहुंचे

अमृतसर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में गुरु नगरी अमृतसर को बसाने वाले श्री गुरु रामदास जी का आज प्रकाश पर्व है। गुरु रामदास जी के प्रकाश पर्व पर गोल्डन टेंपल को फूलों व सुंदर लाइटों से सजाया गया है। गोल्डन टेंपल के साथ-साथ अमृतसर को भी लाइटों से सजाया गया। रात 12 बजे श्रद्धालुओं ने गोल्डन टेंपल में आतिशबाजी कर गुरु पर्व की शुरुआत की। इसके साथ ही दोपहर सुंदर व ऐतिहासिक जलो सजाए गए हैं। गुरु रामदास जी के प्रकाश पर्व को मनाने के लिए पूरे विश्व से 2 लाख श्रद्धालु अमृतसर पहुंचे हैं। गोल्डन टेंपल में पैर रखने की भी जगह नहीं है। दो दिन पहले ही मुंबई से भाई इकबाल सिंह व उनके साथ संगत अमृतसर पहुंच गई थी। जिन्होंने 20 टन देसी- विदेशी फूलों के साथ गोल्डन टेंपल को सजाया है। श्री अकाल तख्त साहिब को मनमोहक ढंग से सजाया गया है।

फूलों के साथ मोर बनाए गए हैं और खंडा साहिब व एक ओंकार तैयार किए गए हैं। गोल्डन टेंपल के मुख्य गर्भगृह को जाने वाले रास्ते को सुंदर फूलों से सजाया गया है। पूरी रात संगतें गुरुघर में बैठी रहीं और पाठ जपती रहीं। आज गुरुघर में सुंदर जलो सजाए जाएंगे। ये सुंदर जलो वे सुंदर उपहार व पुरातन हीरे-जवाहरात हैं, जो कई साल पहले गुरुघर को सौंपे गए थे। जिन्हें सिर्फ खास मौकों व गुरुपर्व पर ही संगत के लिए सजाया जाता है। इसके अलावा आज पूरा दिन कीर्तन दरबार सजाया जाएगा। वहीं, मंजी साहिब हाल में बीती शाम से कीर्तन दरबार सजाए गए हैं।

आज गुरु घर में पहुंचने वाली संगत के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। लंगर हाल में कई स्वादिष्ट पकवान पकाए गए हैं। खासतौर पर खीर, जलेबियां आदि संगत के लिए तैयार की गई हैं। संगत भी लड्डू, बेसन बरफी व खोया बरफी संगत में वितरित कर रहे हैं।

रात होते ही गोल्डन टेंपल में आतिशबाजी की जाएगी। एसजीपीसी की तरफ से ग्रीन पटाखों के साथ ये सुंदर आतिशबाजी की जाएगी। गुरुघर में दर्शनों के अलावा इस आतिशबाजी को देखने के लिए दूर-दराज से संगतें अमृतसर पहुंचती हैं।

पंजाब में डीजीपी की कुर्सी को लेकर लड़ाई

भावरा बोले- मैं सीनियर, गौरव यादव के पास चार्ज; 6 नवंबर तक टली कैट में सुनवाई

अमृतसर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब में स्थायी डीजीपी पद पर नियुक्ति के लिए एक बार फिर से लड़ाई शुरू हो चुकी है। पंजाब हाउसिंग कॉर्पोरेशन के चेयरमैन वीके भावरा की ओर से सेंटर एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (कैट) में दायर एप्लिकेशन पर आज सुनवाई हुई, जिसे 6 नवंबर तक टाल दिया गया है। इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय व पंजाब सरकार को पार्टी बनाया गया है।

आईपीएस वीके भावरा ने एप्लिकेशन में कहा कि वे 1987 बैच के अधिकारी हैं। सरकार की और से डीजीपी नियुक्ति करने के लिए यूपीएससी के नियमों का उल्लंघन किया गया। कैट में मामले की सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों में बहस हुई। दोनों के पक्ष सुने गए, जिसके बाद ट्रिब्यूनल ने मामले को 6 नवंबर तक टाल दिया है।

इससे पहले कांग्रेस सरकार के समय पूर्व आईपीएस अधिकारी मोहम्मद मुस्तफा और पूर्व सुरेश अरोड़ा का मामला कैट में पहुंचा था। इस दौरान कैट ने मोहम्मद मुस्तफा के हक में फैसला सुनाया, लेकिन हाईकोर्ट ने फैसले को बदल दिया था।

दो महीने की छुट्टी पर गए थे भावरा

बीते डेढ़ साल से पंजाब के पास स्थायी डीजीपी नहीं है और न ही पंजाब सरकार की तरफ से यूपीएससी में अभी तक नाम भेजे गए हैं। भावरा का कहना है कि वे 1987 बैच के सबसे सीनियर अधिकारी हैं और इस समय 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी गौरव यादव के पास कार्यकारी डीजीपी का चार्ज है। बीते साल पैदा हुए हालातों के बाद डीजीपी वीके भावरा 2 महीने की छुट्टी पर चले गए थे। हालांकि गृह विभाग को लिखे पत्र में भावरा ने छुट्टी लेने का कारण निजी बताया था।

आम आदमी पार्टी के सत्ता में आते ही पंजाब की लॉ एंड ऑर्डर स्थिति बिगड़ती जा रही थी। पहले नंगल अंबिया की हत्या हुई तो उसके बाद कम की गई सुरक्षा के बाद सिद्धू मूसेवाला को गैंगस्टरों ने प्लानिंग कर मार दिया था। बिगड़ती लॉ एंड ऑर्डर स्थिति के बीच वीके भावरा छुट्टी पर चले गए। उनके छुट्टी पर जाते ही गौरव यादव को डीजीपी नियुक्त किया गया। लेकिन जब वीके भावरा छुट्टी से लौटे तो उन्हें पंजाब हाउसिंग कॉर्पोरेशन का चेयरमैन नियुक्त कर दिया गया।

गवर्नर के खिलाफ फिर एसजी पहुंची पंजाब सरकार

एसवायएल मुद्दे पर बुलाए विधानसभा के स्पेशल सेशन को राज्यपाल बता चुके अवैध

जालंधर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी की सरकार गवर्नर बीएल पुरोहित के खिलाफ एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। सरकार ने गवर्नर के उस लैटर को चुनौती दी है जिसमें उन्होंने हाल ही में बुलाए गए पंजाब विधानसभा के स्पेशल सेशन को अवैध और असंवैधानिक बताया था। सतलुज-यमुना लिंक मुद्दे पर पिछले दिनों पंजाब के खिलाफ आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सरकार ने यह स्पेशल सेशन बुलाया था। सुप्रीम कोर्ट में पंजाब सरकार की पिटीशन पर सोमवार को सुनवाई हो सकती है।

सालभर के अंदर यह दूसरा मौका है जब पंजाब सरकार गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित के खिलाफ एससी पहुंची है। इससे पहले गवर्नर की ओर से बजट सेशन की मंजूरी न दिए जाने पर भी सरकार ने SC में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद गवर्नर को बजट सेशन की मंजूरी देनी पड़ी थी।

पंजाब में गवर्नर और आप सरकार के खिलाफ चल रही तनातनी आगे भी खत्म होने के आसार नहीं दिख रहे क्योंकि भगवंत मान सरकार नवंबर में ही विधानसभा का एक और सेशन बुला सकती है। सीएम भगवंत मान कह चुके हैं कि हम नवंबर के पहले सप्ताह में एक बड़ा सेशन बुलाएंगे और हमें इस मुद्दे पर स्पष्टता की जरूरत है। एसवायल मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पंजाब सरकार ने 20 और 21 अक्टूबर को विधानसभा का दो दिन का स्पेशल सेशन बुलाया था। राज्यपाल बीएल पुरोहित ने इस सेशन को गैरकानूनी बताया। पंजाब राजभवन ने विधानसभा सचिव को बाकायदा पत्र लिखकर राज्यपाल के फैसले का हवाला भी दिया। उसके बाद विधानसभा स्पीकर कुलतार सिंह संधवां को सफाई देनी पड़ी। संधवां ने कहा था कि यह सेशन पिछले सत्र का ही हिस्सा होगा क्योंकि पिछले सेशन का सत्रावसान अब तक नहीं हुआ है। विधानसभा सचिव रामलोक खताना की ओर से जारी नोटिस के अनुसार, पंजाब विधानसभा की कार्य संचालन नियमावली के अधीन स्पीकर ने 20 जून को सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया था और 20 अक्टूबर को उसी सेशन को दोबारा बुलाया गया है। 20 अक्टूबर को सेशन तो हुआ मगर गवर्नर की आपत्ति को देखते हुए सरकार ने सदन में कोई बिल वगैरह पास किए बगैर इसे एक ही दिन में खत्म कर दिया। पंजाब में गवर्नर बीएल पुरोहित और सीएम भगवंत मान के बीच विवाद की शुरुआत राज्य में आप की सरकार बनते ही हो गई थी। गवर्नर ने राज्य से जुड़े कई मुद्दों पर मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जवाबतलबी की जिस पर सीएम मान ने सार्वजनिक रूप से आपत्ति भी जताई।

हिमाचल में बारिश-बर्फबारी के आसार

2-3 नवंबर को ऊंची चोटियों पर बिछ सकती है सफेद चादर

शिमला, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल में दो दिन बाद मौसम करवट बदलेगा। मौसम विज्ञान केंद्र, शिमला की माने तो प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हो रहा है। इससे 2 और 3 नवंबर को अधिक ऊंची चोटियों पर बर्फबारी के आसार बन रहे हैं, जबकि अन्य क्षेत्रों में बारिश का पूर्वानुमान है। पहाड़ों पर बर्फबारी का पूर्वानुमान उन पर्यटकों के लिए अच्छी खबर है जो हिमाचल घूमने का प्लान बना रहे हैं और बर्फ देखना चाहते हैं। बारिश-बर्फबारी हुई तो इससे पहाड़ों पर ठंड में भी इजाफा होगा। ऊंचे क्षेत्रों में शीतलहर और निचले इलाकों में कोहरा पड़ सकता है।

हालांकि पिछले पांच-छह दिनों से धूप खिलने पहाड़ों पर मौसम सुहावना बना हुआ है। इससे तापमान में हल्का उछाल आया है और ज्यादातर शहरों का पारा नॉर्मल से ज्यादा हो गया है। केलांग का अधिकतम तापमान नॉर्मल से 5.8 डिग्री ज्यादा का उछाल दर्ज किया गया और यहां का पारा 15.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है।

शिमला का पारा भी नॉर्मल से 2.8 डिग्री ज्यादा वहीं शिमला का अधिकतम तापमान भी नॉर्मल से 2.8 डिग्री ज्यादा के उछाल के साथ 21.4 डिग्री हो गया है। भुंतर का तापमान भी नॉर्मल से 2.3 डिग्री अधिक के साथ 28.1 डिग्री, धर्मशाला का पारा नॉर्मल से 2.2 डिग्री अधिक के साथ 26 डिग्री पहुंच गया है। इसी तरह मंडी, कांगड़ा, सुंदरनगर, कल्पा, ऊना, सोलन, बिलासपुर का अधिकतम तापमान भी नॉर्मल से ज्यादा चल रहा है।

इन शहरों का न्यूनतम तापमान भी नॉर्मल से ज्यादा हो गया है। आज व कल भी धूप खिलने से तापमान में ओर उछाल आ सकता है। मगर दो नवंबर के बाद ठंड में इजाफा होगा। प्रदेश में चंबा, डलहौजी और मनाली तीन ही शहर ऐसे है, जहां अधिकतम तापमान नॉर्मल से नीचे गिरा हुआ है। आईएमडी की माने तो प्रदेश में एक नवंबर तक धूप खिलेगी। दो और तीन नवंबर को मौसम खराब तथा चार नवंबर से मौसम फिर साफ होने का पूर्वानुमान है।

शाह ने कहा-कांग्रेस के समय आल्या-माल्या जमाल्या आ जाते थे

उज्जैन में बोले हमने सर्जिकल स्ट्राइक करके पाकिस्तान को सीधा किया

उज्जैन, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उज्जैन में कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में आए दिन आल्या, माल्या और जमाल्या आ जाते थे। हमने सर्जिकल स्ट्राइक करके पाकिस्तान को सीधा किया है। शाह ने रविवार को शहीद पार्क में सभा को संबोधित किया। उन्होंने मंच से कहा कि पहले जब मप्र में घुसते थे, तो गाड़ी गिरती थी और गड्ढे में घुस जाती थी। मालूम पड़ जाता था कि मप्र में बंटाढार का शासन शुरू हो गया। शाह ने 22 मिनट तक भाषण दिया। बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तीन दिन के मध्यप्रदेश दौरे पर हैं। वे यहां अलग-अलग संभागीय कार्यकर्ताओं की बैठक ले रहे हैं।

मप्र को बीमारू राज्य बनाकर छोड़ा थाः कांग्रेस ने मप्र को बंटाढार और बीमारू राज्य बनाकर छोड़ा था। 2002 में कांग्रेस सरकार में मप्र का बजट 23 हजार करोड़ था। अब यह बढ़कर 3 लाख 15 हजार करोड़ हो गया है। प्रति व्यक्ति आय 11 हजार रुपए से बढ़कर एक लाख 40 हजार हो गई। सड़कें 60 हजार किमी से बढ़कर 5 लाख 60 हजार किमी हो गई हैं। भाजपा ने 18 साल में प्रदेश के कोने-कोने में विकास किया है।

कमलनाथ शर्म करो, अपने गिरेबां में झांकोः कमलनाथ शर्म करो, अपने गिरेबां में झांको। पहले मप्र में 64 लाख पर्यटक आते थे, लेकिन अब 9 करोड़ पर्यटक आते हैं। मैं कमलनाथ को चुनौती देकर जाता हूं। सोनिया-मनमोहन के 10 और मोदी के 9 साल की तुलना कर लें। सामने आ जाएगा कि किसने प्रदेश का ज्यादा विकास किया।मौनी बाबा की नहीं, अब भाजपा की सरकारः 9 साल में मोदी जी ने देश में परिवर्तन किया है। कमलनाथ और बंटाढार की पार्टी ने 70 साल से कश्मीर से धारा 370 को नहीं हटाया। मोदी जी ने यह काम किया। उस वक्त राहुल बाबा कहते थे, मत हटाइए। कांग्रेस कहती है कि ट्रिपल तलाक मत हटाइए। हमने हटाई। पाकिस्तान में घुसे हुए आतंकवादी भूल गए। मौनी बाबा मनमोहन सिंह की सरकार नहीं है। अब यहां भाजपा की सरकार है।

5 साल में देश को बनाएंगे तीसरा अर्थतंत्रः मोदी जी ने भारत के अर्थतंत्र को 11 नंबर से 5वें नंबर पर लाया है। अगले 5 साल में भारत का अर्थतंत्र तीसरे नंबर पर आ जाएगा। मप्र में 9 लाख करोड़ के काम किए जा रहे हैं। मोदी जी ने 9 साल में मप्र के विकास के लिए 31 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

महाकाल लोक बनवाया, भारत चांद पर पहुंचाः भाजपा की सरकार ने महाकाल लोक बनाया। कांग्रेस के लोग महाकाल लोक का विरोध करते हैं। ऐसे लोगों को मप्र में शासन का अधिकार देना चाहिए क्या? मोदी जी के शासन में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बना। भारत चंद्रमा पर भी पहुंचा।

भाजपा ने पीएफआई पर बैन लगायाः भाजपा सरकार ने देश को सुरक्षित बनाने का काम किया है। पीएफआई जैसे संगठन पर बैन लगाया। मालवा सिमी का गढ़ रहा है। कांग्रेस ने इसका भी विरोध किया। राम मंदिर का भी विरोध करेंगे। नर्मदा का जयकारा लगाना भी उन्हें पसंद नहीं है।

सभा के बाद शाह रात में करीब 8.30 बजे महाकाल मंदिर पहुंचे। उनके साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा भी थे। उन्होंने ई-कार्ट से महाकाल लोक देखा। इसके बाद चांदी द्वार की देहरी से भगवान महाकालेश्वर के दर्शन किए। पूजन के बाद शाह थोड़ी देर नंदी हॉल में भी बैठे। बता दें कि इसके पहले अमित शाह अक्टूबर 2018 में उज्जैन में जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ करने आए थे। तब वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे।

महाकाल मंदिर में दर्शन के बाद शाह ने इंदौर रोड स्थित एक होटल में संभाग की 29 सीटों के 350 कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बागी प्रत्याशियों की जानकारी ली। साथ ही, रूठे कार्यकर्ताओं को मनाने और डैमेज कंट्रोल, फीड बैक संबंधी चर्चा की। शाह ने बीजेपी के वरिष्ठ नेता रूप पमनानी के घर भोजन भी किया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 31 अक्टूबर, 2023 3

युविचार

असफलतायें, आपको रोकने की बजाए आपको आगे बढ़ने का साहस देंगी!

शांतिप्रिय व धर्मनिरपेक्ष राज्य बना रहेगा तेलंगाना : केसीआर

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने जोर देकर कहा कि उनके नेतृत्व में तेलंगाना अपने शांतिपूर्ण और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों को कायम रखना जारी रखेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य कुछ असामाजिक तत्वों के प्रयासों के बावजूद 'गंगा-जमुनी तहजीब' के अपने अद्वितीय चरित्र को बरकरार रखेगा और पूरे देश के लिए एक उदाहरण स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री ने सोमवार को जुक्कल, बांसवाड़ा और नारायणखेड में प्रजा आशीर्वाद सभा की सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना एक शांतिप्रिय और धर्मनिरपेक्ष राज्य है और जब तक केसीआर जीवित हैं, तब तक यह ऐसा ही रहेगा। उन्होंने कहा कि बीआरएस सभी समुदायों-हिंदू, मुस्लिम या ईसाई की समावेशी प्रगति और विकास के लिए प्रतिबद्ध है, क्योंकि राज्य केवल सभी नागरिकों के सशक्तिकरण के साथ ही प्रगति कर सकता है।

उन्होंने कहा कि सभी राज्यों और धर्मों के लोग तेलंगाना में शांति से रह रहे हैं। चन्द्रशेखर राव ने तेलंगाना राज्य के गठन में देरी के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि कांग्रेस ने 2004 में तेलंगाना बनाने के वादे के साथ बीआरएस के साथ गठबंधन किया था।

उन्होंने कहा कि अगर तेलंगाना का गठन तब हुआ होता, तो इसने और भी अधिक प्रगति हासिल की होती। उन्होंने बताया कि उनके अनिश्चितकालीन अनशन के बाद ही तत्कालीन यूपीए सरकार को राज्य के गठन की घोषणा करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। हालाँकि, कांग्रेस ने फिर भी इस प्रक्रिया में 2014 तक देरी की, लेकिन आंदोलन के दबाव में राज्य को फिर से सौंपने के लिए मजबूर होना पड़ा।

चन्द्रशेखर राव ने कहा कि कांग्रेस वादे करने और फिर उन्हें तोड़ने के लिए जानी जाती है, क्योंकि उसके पास अपने वादों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कोई विशेष योजना नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस ने पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में कर्जमाफी का वादा किया था, लेकिन मुद्दे की समझ न होने के कारण वह इसे लागू नहीं कर सकी। उन्होंने बीआरएस सरकार द्वारा शुरू किए गए विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों को सूचीबद्ध किया, जिनमें कृषि ऋण माफी, हर घर में नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल आपूर्ति, 'रैतु बंधु' वित्तीय सहायता और किसानों के लिए रैतु बीमा बीमा कवरेज शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने फसल ऋण माफ करने के लिए 37,000 करोड़ रुपये खर्च किये. कांग्रेस नेताओं द्वारा दर्ज की गई शिकायतों के कारण, कुछ किसानों को दूसरे कार्यकाल के दौरान ऋण माफी राशि नहीं मिली। सत्ता में लौटने के बाद हम धनराशि वितरित करेंगे।

जुए खेलते समय सात पुलिस के हत्थे चढे

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना पर कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन टीम के अधिकारियों ने नारायणगुडा पीएस की सीमा के तहत हिमायत नगर में स्थित संगठित गेमिंग हाउस पर छापा मारा और सात लोगों को जुएं खेलते हुए पकड़ा है।

गिरफ्तार लोगों में गौतम जैन निवासी, महेश कुमार धूत निवासी जिंसी चौराहा, हैदराबाद, सुनील कुमार निवासी मारेडपल्ली, सिकंदराबाद, विनोद कुमार पाटक निवासी नागोल, दीपक कुमार बाहेती निवासी बेगम बाजार, हैदराबाद, जयसवाल सुदीप निवासी शाहअलीबंडा, हैदराबाद, मोगिली सूर्य प्रकाश निवासी रामंथपुर, हैदराबाद शामिल है। आरोपियों के पास से एक लाख रुपए नकद और ताश के पत्ते बरामद हुए है। पुलिस के अनुसार आरोपी गौतम जैन नारायणगुडा की सीमा में रहकर व्यवसाय करता है। उसे अपने दोस्तों के साथ पैसों का दांव लगाकर तीन कार्ड गेम खेलने की आदत है। संगठित तरीके से आयोजक गौतम जैन अपने मित्र मंडली से संपर्क करता है। इस दौरान जुआ खेलने वालों को आमंत्रित किया जाता है। वह अपने गेमिंग हाउस में तीन कार्ड गेम खेलने और अवैध आसानी से पैसा कमाने की अनुमति देने के लिए प्रत्येक सट्टेबाज से एक हजार रुपए लेता था। रविवार रात के समय जब गेमिंग आयोजक गौतम जैन पंटर्स के साथ गेमिंग हाउस पर पैसे का दांव लगाकर तीन पत्तों वाला जुआ खेल रहे थे, तो गुप्त सूचना पर कमिश्नर की टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन की टीम ने छापा मारा और सात को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों को जब्त सामग्री के साथ आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए नारायणगुडा पुलिस स्टेशन के एसएचओ को सौंप दिया गया। यह गिरफ्तारी पुलिस उपायुक्त, आयुक्त टास्क फोर्स नितिका पंत की देखरेख में बी.राजू नाइक, पुलिस निरीक्षक और एसआई चौधरी नवीन कुमार, एस.साई किरण, सेंट्रल जोन टास्क फोर्स टीम, हैदराबाद ने की।

पचास लाख की हेरोइन के साथ चार धरे गये

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसओटी, एलबी नगर जोन की टीम ने मीरपेट पुलिस के साथ मिलकर राजस्थान राज्य से हैदराबाद तक प्रतिबंधित नशीली दवाओं के परिवहन और बिक्री के लिए अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया और (80) ग्राम हेरोइन जब्त की। विश्वसनीय सूचना पर, एसओटी, एलबी नगर जोन टीम के अधिकारियों ने मीरपेट पुलिस के साथ मिलकर तीन अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों और एक उपभोक्ता को पकड़कर ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया। गिरफ्तार लोगों में भंवर लाल निवासी एनबीआर कॉलोनी, मीरपेट (मूल निवासी राजस्थान), दो आरोपी नाबालिक, विष्णु बिश्नोई निवासी एनबीआर कॉलोनी, मीरपेट शामिल है। इनके पास से पुलिक को 80 हेरोइन, एक बाइक, चार मोबाइल फ़ोन आदि बरामद हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जब्त हेरोइन की कीमत लगभग 50 लाख रुपए बतायी जा रही है। आरोपी भंवर लाल और दो किशोर राजस्थान राज्य के सांचौर जिले के मूल निवासी हैं। वे नशीली दवाओं के सेवन के आदी हो गए हैं, बाद में उन्होंने इसे खरीदना और जरूरतमंद व्यक्तियों को आपूर्ति करना शुरू कर दिया। इस तरह अवैध तरीकों से आसानी से पैसा कमाना शुरू कर दिया। वे एक हेरोइन ड्रग सप्लायर के संपर्क में आए जो राजस्थान राज्य का मूल निवासी है। बाद में, आरोपी भंवर लाल और कानून का उल्लंघन करने वाले दो किशोरों ने हेरोइन खरीदना और नशे के आदी व्यक्तियों को बेचना शुरू कर दिया। रविवार को गुप्त सूचना पर, एसओटी एलबी नगर टीम ने मीरपेट पुलिस के साथ एनबीआर कॉलोनी, मीरपेट पर छापा मारा और आरोपी व्यक्तियों को पकड़ लिया और (80) ग्राम हेरोइन जब्त की। फरार मुख्य सूत्र को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए प्रतिबंधित नशीली दवाओं को एक लिफाफे में पैक करते थे और निजी बाइक सेवाओं के माध्यम से जरूरतमंद ग्राहकों को इसकी आपूर्ति करते थे।

मैं गजवेल में सीएम केसीआर के खिलाफ चुनाव लड़ूंगी : सुभद्रा रेड्डी

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) की अध्यक्ष राचा सुभद्रा रेड्डी ने घोषणा की है कि वह तेलंगाना के विकास के लिए गजवेल विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने सोमवार को एनएसएस में पार्टी का घोषणापत्र जारी किया और पार्टी उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा की। बाद में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) छोटे और सीमांत किसानों को प्रति वर्ष 20,000 रुपये प्रदान करने और बेरोजगार युवाओं को अवसर प्रदान करने के लिए सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु 61 से घटाकर 58 करने के मुख्य एजेंडे के साथ आएगी। उन्होंने कहा कि वे राज्य में शराब नियंत्रण और निजी शिक्षा पर प्रतिबंध लगाएंगे और कहा कि सभी क्षेत्रों में एससी, एसटी और बीसी समुदायों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, 710 किलो गांजे के साथ एक अंदर

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसओटी, महेश्वरम जोन टीम ने घटकेसर पुलिस, रचाकोंडा के साथ मिलकर एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया। अधिकारियों ने ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया और एक ड्रग तस्कर को पकड़ा और 710 किलोग्राम गांजा, टाटा कंटेनर वाहन जब्त किया, जिसकी कीमत 2,25,50,000 रुपये है। गांजा परिवहन करने वाले की पहचान राजस्थान राज्य के सुभाष बिश्नोई के रूप में हुई। इससे पहले उन्होंने 500 किलोग्राम की एक खेप सफलतापूर्वक पहुंचाई थी। सीपी राचकोंडा डीएस चौहान ने कहा कि 24 अक्टूबर, 2023 को सुभाष बिश्नोई ओडिशा राज्य के नवरंगपुर गया और ओडिशा राज्य के मुख्य आपूर्तिकर्ता से 710 किलोग्राम गांजा एकत्र किया, उसे लॉरी केबिन और बॉडी के बीच एक गुप्त केबिन के साथ एक विशेष रूप से संशोधित ट्रक में छुपाया और ड्रग्स छुपाया। टाटा कंटेनर का और स्थानीय वितरण के लिए हैदराबाद और महाराष्ट्र राज्य के लिए रवाना हुआ। 29 अक्टूबर की शाम को एक गुप्त सूचना पर एसओटी, महेश्वरम जोन की टीम ने घटकेसर पुलिस के साथ मिलकर औशापुर चेक पोस्ट पर वाहन को रोका और सुभाष बिश्नोई को अवैध गांजा के साथ पकड़ा। और कवर पंचनामा के तहत उसे जब्त कर लिया।

दो अंतरराज्यीय गांजा परिवहनकर्ता गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, वेस्ट जोन टीम के अधिकारियों ने बोराबंडा के सैयद फैयाज और ओडिशा राज्य के सरोज कुमार दास के रूप में पहचाने गए दो व्यक्तियों को पकड़ा और उनके पास से 30000 रुपये मूल्य का 1.7 किलोग्राम गांजा जब्त किया। पुलिस ने कहा कि ओडिशा के सरोज कुमार दास पांच साल पहले नौकरी के लिए हैदराबाद आए थे और हाई-टेक सिटी में ओहरिस बार में मैनेजर के रूप में काम कर रहे थे और सिद्दीक नगर में रहता है। सैयद फैयाज उड़ीसा के पप्पू से सस्ती दरों पर गांजा खरीद रहा था और विजया थिएटर, बोराबंदा, हैदराबाद के सामने साइट-I पर जरूरतमंद ग्राहकों को ऊंची दरों पर बेच रहा था। आरोपियों को पकड़ लिया गया और जब्त की गई सामग्री को बोराबंदा थाने के प्रभारी को सौंप दिया गया।

कलेक्टर ने मतदान अधिकारियों को दिया निर्देश

चुनाव कर्तव्य प्रभावी ढंग से निभाएं

खम्मम, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वीपी गौतम ने कहा कि चुनाव कर्तव्य बहुत महत्वपूर्ण हैं और किसी भी स्तर पर बिना किसी गलती के प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। कलेक्टर ने सोमवार को वायरा शासकीय हाई स्कूल में मतदान अधिकारियों के लिए शुरू हुए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया और मतदान अधिकारियों की विस्तृत जानकारी ली। 300 मतदान अधिकारियों में से 295 सोमवार को प्रशिक्षण में शामिल हुए। इस अवसर पर गौतम ने कहा कि मतदान अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए कि चुनाव बिना किसी समस्या के सुचारू रूप से संपन्न हों। मतदान अधिकारियों को मतदान से एक दिन पहले और मतदान के दिन अपने कर्तव्यों की स्पष्ट समझ होनी चाहिए।

कर्तव्यों के पालन में चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। मतदान के दिन मतदान शुरू होने से 90 मिनट पहले राजनीतिक दलों के चुनाव एजेंटों की उपस्थिति में मॉक पोल आयोजित करना होगा। चुनाव ड्यूटी से संबंधित सभी बातें एक पुस्तिका के रूप में उपलब्ध कराई गई है, इसे अवश्य पढ़ा जाना चाहिए और इसका पालन भी किया जाना चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि एक चेकलिस्ट दी जाएगी और मतदान अधिकारियों को चेकलिस्ट के अनुसार अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा। कोत्तागुडेम जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका आला ने स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में कोई अपवाद नहीं है और जिन सभी को चुनाव ड्यूटी सौंपी गई है, उन्हें प्रशिक्षण में भाग लेना होगा। अनुपस्थित रहने पर निर्वाचन आयोग के नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जायेगी। डॉ. आला ने बताया कि प्रशिक्षण कक्षाएं कोठागुडेम निर्वाचन क्षेत्र के लिए तीन दिनों के लिए और शेष येलांडु, पिनापाका, अश्वरावपेट और भद्राचलम निर्वाचन क्षेत्रों के लिए दो दिनों के लिए आयोजित की जाएंगी।

नाबालिग लड़की के यौन शोषण के आरोप में व्यक्ति को जेल

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम में 2002 में दर्ज एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न मामले में एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को एक व्यक्ति को पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने उन पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। वनस्थलीपुरम के इंजापुर में कपड़ा दुकान चलाने वाले दोषी व्यक्ति के.मनोहर (50) ने उसी पड़ोस में रहने वाली नाबालिग लड़की का यौन शोषण किया। वनस्थलीपुरम पुलिस ने मामला दर्ज किया और मनोहर को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने पीड़िता को 3 लाख रुपये का मुआवजा भी दिया।

बीआरएस ने तेलंगाना कार्यकर्ताओं के साथ न्याय किया : केटीआर

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामा राव ने कहा कि बीआरएस सरकार ने उन कार्यकर्ताओं के साथ न्याय किया है जिन्होंने अलग तेलंगाना आंदोलन में भाग लिया था और जिन्हें पिछले साढ़े नौ वर्षों के दौरान पदों से पुरस्कृत किया गया है। तेलंगाना कार्यकर्ता, छात्र संघ नेता और लोक गायक दारुवु येल्लान्ना सोमवार को यहां तेलंगाना भवन में केटी रामा राव की उपस्थिति में बीआरएस में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, केटीआर ने कहा कि बीआरएस पार्टी ने कार्यकर्ताओं और छात्र नेताओं के साथ कुछ न्याय किया है और आने वाले दिनों में इसे और अधिक करने की जरूरत है।

केटीआर ने कहा कि सांसद और विधायक के पदों से शुरू करके, हमने एमपीपी और जेडपीटीसी तक के कार्यकर्ताओं को अवसर दिए हैं। आज, हमने तेलंगाना आंदोलन में काम करने वाले छात्र नेताओं, कलाकारों, ट्रेड यूनियन नेताओं के साथ न्याय करने की कोशिश की है। आने वाले दिनों में अधिक संख्या में लोगों को सम्मानित करने का प्रयास करें।

यहां जल विहार में अल्पसंख्यक समुदाय की बैठक में केटी रामा राव ने कहा कि विपक्षी दल तेलंगाना के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को बिगाड़ने और लोगों के बीच सांप्रदायिक मतभेद पैदा करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कह रही थी कि बीआरएस बीजेपी की बी टीम है, लेकिन सच्चाई यह है कि महाराष्ट्र में कांग्रेस एक हिंदू पार्टी, शिवसेना पार्टी के साथ गठबंधन में थी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण के लिए गंभीरता से काम नहीं किया। उसने भाजपा को एक खलनायक के रूप में प्रदर्शित किया और केवल सत्ता हासिल करने के लिए अल्पसंख्यक वोट मांगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में, तेलंगाना शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के मामले में पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में उभरा है।

तेलंगाना विस चुनाव : वाम दलों के अकेले चुनाव में उतरने की संभावना

खम्मम, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वामदल, सीपीआई और सीपीआई (एम), जो चुनाव पूर्व गठबंधन पर कांग्रेस के साथ बातचीत में लगे हुए थे, अब विधानसभा चुनाव में अकेले जाने के लिए मजबूर हो गए हैं, अगर इसके नेताओं के बयानों से कोई संकेत मिलता है। मीडिया से बात करते हुए, सीपीआई (एम) के राज्य सचिव तम्मीनेनी वीरभद्रम ने महसूस किया कि कांग्रेस नेतृत्व सीपीआई (एम) के साथ चुनावी गठबंधन को लेकर गंभीर नहीं है। पार्टी ने मिर्यालगुडा, भद्राचलम, पलैर, मधिरा और इब्राहिमपटनम की मांग की थी, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व टाल-मटोल कर रहा था। ऐसे रवैये से गठबंधन संभव नहीं हो पाएगा। उन्होंने कहा, अगर कांग्रेस यह स्पष्ट कर देती है कि वह चुनाव में सीपीएम के साथ नहीं जाएगी तो पार्टी विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारने पर फैसला करेगी। चूंकि कांग्रेस ने पलेयर सीट के लिए पूर्व सांसद पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी को मैदान में उतारा था, सीपीएम वायरा में चुनाव लड़ने के लिए सहमत हो गई थी।

चोरी ट्रैक्टर मिला, मैकेनिक गिरफ्तार

भैंसा, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रैक्टर शोरूम से 8.50 लाख रुपये कीमत का ट्रैक्टर व रोटोवेटर चोरी हो गया। पुलिस ने इसे ढूंढ लिया। शहरी सीआई एल. श्रीनु के मुताबिक, इस महीने की 14 तारीख को कस्बे का स्वराज ट्रैक्टर शोरूम रात में बंद था। रविवार को छुट्टी थी और 16 को खुला था। उस समय तक कोई ट्रैक्टर नहीं था। नतीजा यह हुआ कि मैनेजर बंबई एलन्ना ने मामला दर्ज कर जांच की तो पता चला कि शोरूम में मैकेनिक का काम करने वाले शारूख खान ने चोरी की है। इसके अनुसार ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया गया और आरोपी को हिरासत में लेकर रिमांड पर भेज दिया गया।

पीडीए यात्रा में अखिलेश ने चलाई साइकिल

कहा-पीडीए में ए फॉर अगड़ा भी; बैंड-बाजा लेकर पहुंचे सपा नेता, सीने पर बनवाया अखिलेश का टैटू

लखनऊ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले सपा मुखिया अखिलेश यादव पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों को साधने में लगे हैं। अखिलेश सोमवार को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर साइकिल चलाकर यही संदेश दे रहे हैं। पीडीए यात्रा में एक्सप्रेस-वे पर बैंड-बाजा के साथ सपा नेताओं ने उत्सव जैसा माहौल बना दिया।

अखिलेश के पहुंचने के बाद समर्थक सड़क पर ही दौड़ने लगे। कई समर्थक पोस्टर लेकर पहुंचे थे। इन पर लिखा था 'राजनीतिक ताकत के लिए, समाजवादी पीडीए यात्रा'। कुछ समर्थक ऐसे भी दिखे, जो शरीर पर 'अखिलेश अमर रहे' लिखकर पहुंचे थे। एक समर्थक ने सीने पर अखिलेश का टैटू गुदवाया था। अखिलेश के पहुंचते ही समाजवाद की जय के नारे लगने लगे। अपने समर्थकों के साथ इस वक्त अखिलेश एक्सप्रेस-वे पर साइकिल चला रहे हैं। कुछ देर में वो जनेश्वर मिश्रा पार्क पहुंचेंगे।

'घबरा वही लोग रहे हैं, जो सिर्फ तस्वीर खींचवाने आ रहे हैं'

पीडीए यात्रा में शामिल होने से

पहले अखिलेश ने सपा कार्यालय में मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने पीडीए यात्रा का पोस्टर भी जारी किया। इस दौरान उन्होंने कहा, पीडीए में ए फॉर अगड़ा। पीडीए यात्रा में सब शामिल हैं। पिछड़े, अल्पसंख्यक, दलित और अगड़ों की भी बात कर रहा है। इसमें आदिवासी समूह भी है, तो अगड़े भी है। किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। ये यात्रा पहले से चल रही है। घबरा वही लोग रहे हैं, जो सिर्फ तस्वीर खींचवाने आ रहे हैं।

उन्होंने कहा, पूर्व सांसद के बेटे के साथ इलाज को लेकर जो लापरवाही हुई है। बीजेपी सरकार में अगर उन्हें ही इलाज नहीं मिल पा रहा है, तो क्या ही कहे? एक छोटे डॉक्टर-कर्मचारी को ट्रांसफर कर देने से कुछ नहीं होगा। इसमें खुद मुख्यमंत्री जिम्मेदार है। एक भी ऐसा अस्पताल बता दो, जो बीजेपी सरकार में बना हो, तो मुझे बता दो। डबल इंजन की सरकार में अस्पताल बदहाल हैं।

उन्होंने कहा, वर्ल्ड क्लास जौनपुर का मेडिकल कॉलेज, उसका नाम बदल दिया। जो पिछड़ा होगा, वो नाम बदलेगा। आप देखिए डेंगू जैसी बीमारी से लोगों की जान जा रही है। क्योंकि सरकार पर्याप्त बजट नहीं खर्च कर रही है। बीजेपी सिर्फ साजिश कर सकती है। अफवाह फैला सकती है।

उन्होंने वर्ल्ड कप मैच में हुई इंडिया की जीत पर कहा, इकाना में इतना अच्छा काम हुआ। कुछ लोग तो वहां फोटो खींचवाने भी नहीं आए। प्रेस वार्ता के अंत में उन्होंने कहा कि मैं महाराज के लोगों का स्वागत करता हूं।

सपा अपने पीडीए और जातिगत जनगणना के मुद्दे को लेकर जनता के बीच साइकिल यात्रा निकाल रही है। पार्टी अब तक 80 दिनों में 5000 किलोमीटर की यात्रा कर चुकी है। 125 विधानसभा क्षेत्रों से गुजर चुकी यात्रा 21 नवंबर को सैफई में खत्म होगी। इसी के तहत सोमवार को सपा कार्यकर्ता अभिषेक यादव के नेतृत्व में निकाली गई साइकिल यात्रा लखनऊ पहुंच रही है। इसमें अखिलेश यादव भी शामिल हो रहे हैं।

सपा की पीडीए यात्रा की बात करें तो लखनऊ में इसकी शुरुआत पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से होगी। जो कबीरपुर, इंदिरा नहर पुल, किसान पथ, खुर्दही बाजार, अमूल प्लांट, कैंसर हॉस्पिटल तिराहा, एचसीएल मुख्य गेट, पलसियो मॉल, इकाना स्टेडियम, मातृ शिशु अस्पताल लोहिया, पुलिस मुख्यालय, गोमती नदी बंधा मार्ग, राप्ती अपार्टमेंट, डीपीएस स्कूल और जनेश्वर मिश्र पार्क गेट नं 7 से होते हुए लक्ष्मी मार्केट फिर जनेश्वर मिश्र पार्क में समापन होगी।

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर समाजवादी पार्टी अपनी अलग रणनीति के साथ माहौल बनाने की तैयारी में है। मुलायम सिंह यादव के (मुस्लिम+यादव) समीकरण से आगे बढ़ते हुए पिछड़ा+दलित+अल्पसंख्यक) समीकरण को जमीन पर उतारने की कोशिश कर दी है।

लोकसभा चुनाव 2014 फिर 2019 और विधानसभा चुनाव 2017 फिर 2022 में अखिलेश को MY फैक्टर के दायरे में बांधकर भाजपा ने एक बड़े वोट बैंक पर अपना प्रभाव जमाया है। भाजपा के बनाए समीकरण को तोड़ने के लिए सपा अध्यक्ष की ओर से पिछड़ा और दलित की बातें की जाने लगी हैं।

सारण से चुनाव लड़ सकते हैं तेजप्रताप, मां-ससुर हारे थे

मंच पर बांसुरी बजाकर मनोरंजन भी किया; लालू पहली बार इसी सीट से बने थे सांसद

छपरा, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और वन एवं पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव अपने पिता की कर्म भूमि सारण लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ सकते हैं। इसी सीट से उनकी मां राबड़ी देवी और ससुर चंद्रिका राय चुनाव हार चुके हैं।

उन्होंने आगे कहा कि है कि हमलोगों का लक्ष्य है 2024 और 2025 में इंडिया गठबंधन के झंडे को बुलंद करना है। जिसके लिए हम लोग लगे हुए हैं, काम कर रहे हैं।

सारण सीट से आम चुनाव लड़ने के सवाल पर तेजप्रताप ने कहा कि हम तो अभी मंत्री हैं और समय आएगा तो जरूर फाइट किया जाएगा। लोगों की डिमांड होगी तो उतरा जाएगा। पब्लिक की डिमांड पर अच्छे-अच्छे नेता उभर के आते हैं।

तेजप्रताप छपरा में राम भरत मिलाप कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। इसी दौरान उन्होंने ये बातें कहीं।

4 बार लालू जीते, 2014 में राबड़ी देवी हारीं, 19 में चंद्रिका राय

छपरा लोकसभा क्षेत्र लालू की कर्म भूमि रही है। वे यहां से 4 बार सांसद रहे हैं। साथ ही केंद्र सरकार में रेलमंत्री भी रहे थे। लालू यादव के लिए छपरा और आसपास का क्षेत्र गढ़ माना जाता है।

लालू यादव के जेल जाने के बाद इस सीट पर लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। 2014 में राबड़ी देवी सारण सीट से चुनाव हार गई थीं।

2019 में लालू यादव ने अपने समधी और तेजप्रताप के ससुर चंद्रिका राय पर विश्वास जताया, लेकिन उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा। अब 2024 के चुनाव में राजद की तरफ से उम्मीदवारी को लेकर उहापोह की स्थिति बनी हुई है।

मंच से बजाई बांसुरी

तेज प्रताप यादव राम भरत मिलाप कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे। कार्यक्रम का आयोजन छपरा के भगवान बाजार थाना क्षेत्र के भरत मिलाप चौक पर हुआ था। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मंच से बांसुरी बजाकर लोगों का मनोरंजन भी किया। बांसुरी की धुन सुनकर लोग काफी रोमांचित हुए।

योगी ने की मां विंध्यवासिनी की आरती

बच्चे को गोद में लेकर खिलाया; निर्माणाधीन कॉरिडोर का निरीक्षण किया

मिर्जापुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीएम योगी मिर्जापुर और प्रयागराज के दौरे पर हैं। सोमवार को सीएम सबसे पहले मिर्जापुर पहुंचे। यहां मां विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन करके आरती की। इस दौरान सीएम ने एक दर्शनार्थी के बच्चे को गोद में लेकर खिलाया।

इसके बाद सीएम मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर के निर्माण का निरीक्षण किया और डीएम प्रियंका निरंजन से डिटेल में जानकारी ली। यहां से योगी सीधे प्रयागराज पहुंचे। जहां सीएम अनुसूचित वर्ग महासम्मेलन को संबोधित करेंगे।

सीएम ने लालगंज में मिलिट्री ग्राउंड पर आयोजित नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मां विंध्यवासिनी का दर्शन करने और विंध्य कॉरिडोर के निरीक्षण का आज मौका मिला। नारी शक्ति का केंद्र विंध्याचल में तीन देवियों का निवास हम सबके अंदर एक नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। अष्टमी तिथि को मैंने पूछा था कि मां विंध्यवासिनी धाम में कितने श्रद्धालु आए। बताया गया लाखों की संख्या में आए। यह पहले से ज्यादा था, जो कॉरिडोर के निर्माण से बढ़ा है।

सीएम योगी ने कहा- जब स्वार्थी लोग अपने अपने घरों में दुबके थे, तब हमारी डबल इंजन की सरकार खाने से लेकर टीकाकरण का अभियान चला रही थी। कन्या सुमंगला योजना और सामूहिक विवाह में लाखों बेटियों को लाभ मिला है। पहले गरीब की बेटियों की शादी में कोई जाता नहीं था। आज जिले के अधिकारी शादी करवाते हैं। प्रदेश में 15 करोड़ गरीबों को राशन का लाभ मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा-विंध्याचल में कॉरिडोर के निर्माण से क्षेत्र का तेजी से विकास होगा। कॉरिडोर से लोगों को रोजगार मिलेगा। मिर्जापुर विकास की नई बुलंदियों की बढ़ रहा है। सरकार बेटियों के लिए कई योजनाएं चला रही है। जन्म से स्नातक के पढ़ाई का खर्च दे रही है। 2017 तक यूपी में 10 हजार महिला सिपाही थी। आज प्रदेश में 40 हजार महिला सिपाही हैं।

देशभर के लोकसभा विस्तारकों को ट्रेनिंग देगी बीजीपी

गाजियाबाद में आज से मंथन शुरू, चुनावी तैयारियों का मिलेगा मूलमंत्र

गाजियाबाद, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर गाजियाबाद में बीजेपी की दो दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक आज से शुरू हो रही है। इसमें देशभर से सभी लोकसभा क्षेत्रों के विस्तारक शामिल होंगे। संगठन का शीर्ष नेतृत्व उन्हें ट्रेनिंग देगा कि चुनाव की तैयारियां किस तरह से करनी हैं। ये विस्तारक यहां से जो सीखकर जाएंगे, उन्हें विधानसभा विस्तारकों को बताएंगे और उसी अनुसार चुनाव की तैयारियों पर काम चलेगा।

बीएल संतोष और सुनील बंसल देंगे ट्रेनिंग

30 और 31 अक्टूबर को BJP के लोकसभा विस्तारकों की बैठक गाजियाबाद में कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज मोहननगर में होगी। देशभर से आने वाले केंद्रीय विस्तारकों के रुकने का प्रबंध भी इसी कॉलेज में किया गया है।

बैठक में प्रमुख रूप से भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, यूपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह सहित अन्य कई बड़े नेता शामिल होंगे।

बताया जाएगा कि कैसे करें चुनावी तैयारियां

भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने बताया कि ये बैठक लोकसभा विस्तारकों को चुनाव संबंधित प्रशिक्षण देने के लिए आयोजित की गई है। उन्हें बताया जाएगा कि चुनाव की तैयारियां किस तरह से प्रारंभ करनी हैं। जनपद में एक लोकसभा विस्तारक होता है और उसके सभी विधानसभा विस्तारक आते हैं। लोकसभा विस्तारक यहां से जो ट्रेनिंग लेकर जाएंगे। उसकी ट्रेनिंग वे विधानसभा विस्तारकों को देंगे। इसके बाद तैयारियों के लिए ट्रेनिंग वाला फॉर्मूला अपनाया जाएगा। इस ट्रेनिंग में सबसे ज्यादा उन सीटों पर जोर रहेगा, जो पिछले चुनाव में भाजपा हार गई थी।

पश्चिम पर भाजपा का फोकस, पिछली बार 27 में से हारी थी 8 सीटें

भाजपा का सबसे ज्यादा फोकस इस वक्त पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर है। यही वजह है कि संगठन ने हाल ही में तीन बड़े कार्यक्रमों की शुरुआत गाजियाबाद से की है। मेरी माटी-मेरा देश अभियान की शुरुआत करने के लिए कुछ दिनों पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा गाजियाबाद आए थे। जिला पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों के प्रशिक्षण की शुरुआत भी भाजपा ने गाजियाबाद से की थी। अब देशभर के सभी लोकसभा विस्तारकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग भी गाजियाबाद में हो रहा है।

दरअसल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा की हालत बहुत अच्छी नहीं है। वेस्ट में कुल 27 लोकसभा सीटें हैं। इसमें से 19 सीटें बीजेपी ने जीती थीं। सपा और बसपा ने चार-चार सीटें जीती थीं। मेरठ सहित कुछ सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी मामूली वोटों के अंतर से जीते थे। विधानसभा चुनाव की बात करें तो शामली, बागपत, मुजफ्फरनगर, मेरठ में भाजपा का दबदबा कम हुआ था। कुल 136 विधानसभा सीटों में से 94 सीटों पर ही भाजपा जीत पाई थी। उसकी वजह किसान आंदोलन प्रमुख रूप से सामने आई थी। इन्हीं सब वजहों के चलते भाजपा का जोर पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर ज्यादा है।

छुट्टी नहीं मिली...पीएसी जवान ने खुद को मारी गोली

हाथरस, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। जमीन पर रोती-बिलखती और चीत्कार लगाती बूढ़ी मां, पति की मौत के बाद बेसुध हो चुकी पत्नी, भाई की मौत पर रुंधे गले से चिल्लाती बहन...। यह नजारा जिस किसी ने देखा, वह भी अपने आंसू नहीं रोक पाया। फर्रुखाबाद के पोस्टमॉर्टम हाउस में देर शाम तक मातम पसरा रहा।

एक पीएसी के जवान ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। उसने बौद्ध तीर्थ संकिसा में सुरक्षा ड्यूटी के दौरान राइफल अपने गले पर रखी और फिर फायर कर दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जवान की मौत की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने कहा, "उन्हें छुट्टी नहीं दी जा रही थी। इसके चलते डिप्रेशन में थे।

वंदेभारत एक्सप्रेस से कटकर मां और 2 बेटियों की मौत

पिता ठेला लेकर क्रॉसिंग पर खड़ा रहा; मां-बेटियां ट्रैक पार करने लगीं तभी आई हाईस्पीड ट्रेन

मेरठ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ में बड़ा हादसा हो गया। यहां कंकरखेड़ा के कासमपुर फाटक पर वंदेभारत ट्रेन से कटकर मां और 2 बेटियों की मौत हो गई। तीनों की मौके पर मौत हो गई। हंसता खेलता परिवार चंद सेकेंड में बिखर गया। बचा तो केवल पिता जो फाटक गिरने के बाद क्रासिंग के उस पार खड़ा होकर ट्रेन गुजरने का इंतजार कर रहा था। लेकिन मां, बेटी बंद फाटक पर ही पटरी क्रॉस करने लगीं, तभी हाईस्पीड ट्रेन आ गई।

ट्रेन गुजरने के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। काफी भीड़ जमा हो गई। अपनों को खोने के बाद बचा, अकेला पिता वहीं रेलवे क्रासिंग के किनारे बैठकर रोता रहा। किस्मत को कोसता रहा कि आखिर वो क्यों बच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

रजबन में रहने वाले नरेश ठेला चलाते हैं। इसी मजदूरी से अपना परिवार पालते हैं। नरेश अशोकबिहार में अपने भाई और बहन के घर उनसे मिलने जा रहे थे। नरेश ने तीन पहिए के अपने ठेले पर पत्नी मोना (40), दोनों बेटियां बड़ी 14 साल की और छोटी इशिका 7 साल की... को बैठाया और चल पड़ा। जब कासमपुर रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंचे तो फाटक बंद था। वंदेभारत गुजरने वाली थी, लेकिन पत्नी और दोनों बेटियां बंद फाटक पर ही ट्रैक क्रॉस करने उतर गईं। हाईस्पीड वंदेभारत एक्सप्रेस के आने का अंदाजा न लगा पाईं और ट्रेन की चपेट में आ गईं।

ट्रेन के गुजरते ही मौके पर भारी भीड़ जुट गई। क्रॉसिंग के एक ओर खड़े नरेश अपनी आंखों के सामने जब पत्नी और दोनों बेटियों की लाश देखी तो दहाड़े मारकर रोने लगा। नरेश ने बताया कि वो अपने बहन, भाई से मिलने परिवार को लेकर जा रहा था, तभी ये हादसा हो गया।

पिता अपने भाई के गले लिपटते हुए बार-बार यही कहता रहा... मेरे बच्चे चले गए, अब मैं किसके सहारे जीऊंगा, भगवान ने मुझ पर कैसा जुल्म किया है। दुख से बदहवास नरेश बार-बार यही कहता रहा, मुझे भी मार दो। भगवान मुझे भी उठा ले। मैं किसके सहारे रहूंगा। पिता ने कहा कि मेरी बेटियां चली गईं, मैं क्या करूं। मेरा तो सब कुछ बर्बाद हो गया। पिता वहीं पटरियों के किनारे लाशों से लिपटकर रोता रहा। कहा कि मैं अपनी तीनों लाशों को ठेले में रखकर ले जाऊंगा। नरेश ने कहा कि मेरे बेगुनाह बेटे को जेल में डाल रखा है, आज मेरी बेटी, पत्नी भी छिन गई। नरेश का एक बेटा भी है जिसका नाम आशीष है, जो किसी मामले में कुछ समय से जेल में बंद है। बताया जा रहा है कि बेटे की जमानत के मामले में ही आज नरेश अपने भाई, बहन से मदद लेने अपने परिवार के साथ उनके घर जा रहा था।

10 दिन से गायब सीएसपी संचालक का मिला शव

घर से 200 मीटर दूर मिट्टी से सड़ी-गली लाश को निकाला, पुलिस कर रही जांच

सुपौल, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुपौल जिले के पिपरा थाना इलाके से बीते 20 अक्टूबर से लापता सीएसपी संचालक का शव उनके ही घर के सामने 200 मीटर की दूरी पर बगान में मिला। शव सड़ रहा था। बदबू के कारण लोगों को लाश के बारे में पता चला। जिसके बाद सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को मिट्टी से निकलवाया। परिजनों ने शव की शिनाख्त की। मृतक की पहचान पिपरा थाना अंतर्गत रामपुर पंचायत के राजपुर वार्ड नं.-2 निवासी मिश्रीकांत यादव के पुत्र संजीव कुमार राजीव के रूप में हुई।

मृतक के पिता मिश्रीकांत यादव सरकारी रिटायर्ड शिक्षक हैं। उनका

बेटा राजपुर गांव में ही सेंट्रल बैंक आफ इंडिया का सीएसपी संचालक के रूप कार्य किया करता था। मृतक के परिजन संतोष कुमार ने कहा कि रोज की तरह वह बीते 20 अक्टूबर को भी शाम करीब 7:00 बजे घर पहुंचा और 9:30 बजे खाना खाकर अपने कमरे में चला गया। घर वालों को यह लगा कि वह रोज कि तरह टहलकर घर के कमरे में वापस आकर सो जाएगा। लेकिन 21 अक्टूबर की सुबह जब उसकी मां और पिता उसके कमरे की तरफ गए, तो देखा घर का कमरा खुला हुआ था और वह गायब था। घर वालों ने आसपास पहले काफी खोजबीन की और रिश्तेदारों के यहां भी ढूंढ़ा लेकिन नहीं मिला। ऐसे में परिजनों ने लिखित शिकायत देने से पहले पिपरा थाने को मौखिक जानकारी दी।

परिजनों ने अपहरण की आशंका जाहिर करते हुए अज्ञात लोगों के खिलाफ पिपरा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। वहीं, पुलिस खोजबीन में ही जुटी थी। ऐसे में गांव के ग्रामीणों को संजीव कुमार राजीव के घर के सामने शव दिखा। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पिपरा थाने की पुलिस को दी।

बिहार में 10 नवंबर के बाद ठंड पकड़ेगी रफ्तार

अगले 7 दिन तक शुष्क बना रहेगा मौसम, सुबह और शाम महसूस हो रही हल्की ठंड

पटना, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के सभी जिलों का मौसम अगले कुछ दिनों तक शुष्क बना रहेगा। पूरे प्रदेश में 18 अक्टूबर से हवा का रुख बदला गया है। सुबह और शाम में हल्की ठंड महसूस होने लगी। साथ ही सुबह में धुंध भी होने लगी है। इस बार दीपावली से पहले ही हल्की ठंड ने दस्तक दी है।

मानसून के समय हवा बंगाल की खाड़ी से नमी साथ लेकर आ रही थी। इसके प्रभाव से बारिश हुई। लेकिन, मानसून की पूरी तरह विदाई के बाद हवा का रुख बदला और उत्तरी पश्चिमी हवा बहने लगी। अभी उत्तरी पश्चिमी हवा चल रही है, जो राजस्थान से आ रही है। ये हवा हल्की ठंडी और ड्राई होती है। इसलिए लोगों को सुबह-शाम हल्की ठंड महसूस हो रही है।

मौसम वैज्ञानिक आशीष कुमार

के मुताबिक 10 नवंबर के बाद से ठंड रफ्तार पकड़ेगी। फिलहाल सभी जगह मौसम सुस्त बना रहेगा। 10 नवंबर के बाद लगातार न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज करनी शुरू हो जाएगी। इसका मतलब यह है की दिवाली और छठ पूजा आते-आते काफी ठंड लोगों को महसूस होने लगेगा।

मौसम वैज्ञानिक के अनुसार जब तक न्यूनतम तापमान दो अंको में रहता है तब तक ठंड नहीं माना जाता है। इस बार दिसंबर के बीच शीतकालीन संक्रांति से ही पूरी तरह ठंड पड़ने की संभावना है। अगले हफ्ते तक प्रदेश का मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस अवधि में उसे ठंड नहीं माना जाता। पिछले 24 घंटे के दौरान खगड़िया का अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री सेल्सियस,सबसे कम न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस किशनगंज में दर्ज किया गया।

प्रदेश के अधिकांश भागों में सुबह और शाम के समय धुंध छाए रहने की संभावना है। मौसम विश्लेषण के अनुसार राज्य में पछुआ एवं उत्तर पछुआ हवा का प्रवाह सतह से 5.1 किमी ऊपर तक बना हुआ है। इसके प्रभाव से राज्य में अगले 24 घंटे के दौरान मौसम आमतौर पर शुष्क बने रहने का पूर्वानुमान है।

नौकरी के नाम पर लिए पैसे मांगा तो की फायरिंग

फारेस्ट विभाग में सिपाही पद पर बहाली के नाम पर लिए थे 2 लाख रुपए, एक गिरफ्तार

हाजीपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। वैशाली के सराय थाना क्षेत्र के पौरा मदन सिंह गांव में नौकरी लगाने के नाम पर लिए पैसा मांगने पर बदमाशों ने घर में घुसकर गोली मार दी। हालांकि इस दौरान किसी को गोली नहीं लगी है। सूचना पाकर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ठगी करने वाले और गोली चलाने वाले युवक रामकुमार राय को गिरफ्तार कर लिया है।

जिसके पास से पुलिस ने दर्जनों विभिन्न विभाग के मोहर, पांच खोखा, दो जिंदा कारतूस दो बाइक बरामद किया है। रामकुमार नौकरी के नाम पर कई लोगों से ठगी की है। पीड़ित सुजीत कुमार पिता रामबली राय पौडा मदन सिंह निवासी ने बताया कि मुझसे मेरे गांव के रामकुमार राय पिता जदू राय पौडा मदन सिंह एवं बिट्टू राणा पिता विनोद कुमार राणा शीतल भकुरहर दोनों थाना सराय ने मुझसे करीब एक साल पहले फारेस्ट विभाग में सिपाही के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर 2 लाख रुपया ले चुके था। जब नौकरी लगाने की बात पर हो जायेगा बोल कर टाल मटोल करते रहे।

जब रूपया की मांग की तो दो बाइक से चार लोग सवार होकर उसके घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। जब गाली-गलौज करने से मना किया तो सभी फायरिंग करने लगे। गोली की आवाज सुनकर लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

केस करने पर दो पक्षों में झड़प..कई राउंड फायरिंग

एक युवक को लगी गोली; भीड़ ने दुकान और दो बाइकों में लगाई आग

समस्तीपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। समस्तीपुर में केस करने को लेकर दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। गोलीबारी भी हुई। इसमें 18 साल का एक युवक घायल हो गया। विरोध में लोगों ने हमला करने वाले कैलाश भगत की दुकान और दो बाइक को आग के हवाले कर दिया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने सड़क जामकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

घायल युवक की पहचान गोपालपुर गांव के जोधन महतो के बेटे पिंटू महतो (18) के रूप में की गई है। घायल युवक को सदर अस्पताल से डीएमसीएच रेफर कर दिया गया। उधर, घटना के विरोध में सड़क जाम कर रहे लोगों को समझाने पहुंची पुलिस को लोगों ने खदेड़ दिया।

बाद में दलसिंहसराय डीएमपी नजीब अनवर मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा बुझाकर देर रात मामला शांत कराया। उन्होंने दोषी पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मामला जिले के विद्यापतिनगर के बालकृष्णपुर मड़वा गांव का है। दो पक्षों (सुनील महतो-पिंटू महतो और कैलाश भगत) में 6 महीने पहले मारपीट हुई थी, जिसमें सुनील महतो के खिलाफ केस दर्ज थी। पुलिस ने सुनील महतो को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद ही विवाद शुरू हुआ।

कैलाश भगत के बेटे निलेश कुमार ने हवाई फायरिंग कर दी, जिससे दहशत का महौल बन गया।लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। फायरिंग के तुरंत बाद पहुंची पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

निलेश की गिरफ्तारी से नाराज उसके छोटे भाई अनितेश महतो उर्फ पप्पू ने देर शाम पिंटू महतो को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। इसमें पिंटू कुमार के दाएं हाथ में गोली लग गई।

गोली की आवाज पर बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस को ग्रामीणों का विरोध भी झेलना पड़ा।

आक्रोशित ग्रामीणों ने घटना स्थल पर ही कोल्ड स्टोरेज-विद्यापतिनगर सड़क को जाम कर दिया। इसी दौरान लोगो ने आरोपी कैलाश भगत की दुकान के पास लगी दो बाइकों को आग के हवाले कर दिया। वहीं दुकान में तोड़फोड़ की। लोगों ने बताया कि आरोपी दोनों भाई अपराधी प्रवृत्ति का हैं।

लूट के मामले में एक आरोपी डेढ़ साल जेल में रहने के बाद चार माह पहले ही जमानत पर रिहा हुआ है।

दिनदहाड़े बीटेक छात्रा से लूट का मोबाइल पर झपट्टा मारा...ऑटो से खींचकर सड़क पर घसीटा, मौत

9 घंटे बाद पुलिस ने लुटेरे को मार गिराया

गाजियाबाद, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद में इंजीनियरिंग छात्रा कीर्ति सिंह से मोबाइल लूटने वाला बदमाश जितेंद्र उर्फ जीतू पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। ये मुठभेड़ सोमवार तड़के 5 बजे के आसपास मसूरी इलाके में हुआ है। छात्रा की रविवार शाम 7:40 बजे यशोदा हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। छात्रा की मौत के 9 घंटे बाद आरोपी मारा गया।

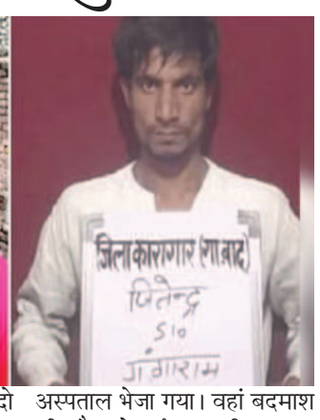

छात्रा को ऑटो से घसीटने वाले बाइक सवार बदमाशों का 20 सेकेंड का सीसीटीवी सामने आया है। जिसमें वह छात्रा का पीछा करते हैं। थोड़ा आगे चलकर उसे ऑटो से खींचकर सड़क पर गिरा देते हैं। छात्रा से बाइक सवार दो बदमाशों ने लूट की थी।

इस मामले में एक लुटेरा बोबिल उर्फ बलवीर शनिवार शाम पुलिस एनकाउंटर में घायल हो गया था। उसके पैर में गोली लगी थी। जबकि जीतू मौके से भाग गया था। बलवीर को रविवार को जेल भेजा जा चुका है। वहीं, इस पूरे मामले में लापरवाही बरतने पर एक एसएचओ को सस्पेंड और दो इंस्पेक्टर को लाइन हाजिर किया जा चुका है।

डीसीपी विवेक चंद्र यादव ने बताया कि मसूरी थाना क्षेत्र में नहर पटरी पर पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इस दौरान सामने से बाइक पर दो सवार लोग आते हुए दिखे। पुलिस ने जब इन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो वे फायरिंग करके भागने लगे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जो एक बदमाश को लग गई।

इस मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ। तुरंत दोनों को अस्पताल भेजा गया। वहां बदमाश की मौत हो गई। उसकी पहचान जितेंद्र उर्फ जीतू के रूप में हुई है जो गाजियाबाद में मसूरी थाना क्षेत्र के कल्लूगढ़ी का रहने वाला है। ये छात्रा से मोबाइल लूट में शामिल था।

डीसीपी ने बताया कि एनकाउंटर में मारे गए जितेंद्र उर्फ जीतू पर लूट के 9 मुकदमे दर्ज हैं। पूर्व में वो थाना कविनगर से जेल भी जा चुका है। साल 2020 में जीतू पर गैंगस्टर एक्ट का केस दर्ज हुआ था। अब छात्रा से लूट केस में जीतू फरार था। जिसकी गिरफ्तारी पर गाजियाबाद पुलिस ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

27 अक्टूबर की शाम बीटेक छात्रा से लूट हुई थी

हापुड़ शहर के पन्नापुरी में रहने वाले रविंद्र सिंह लोको पायलट हैं। उनकी बेटी कीर्ति सिंह गाजियाबाद के एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। 27 अक्टूबर की शाम वो अपनी फ्रेंड दीक्षा के साथ कॉलेज से ऑटो लेकर हापुड़ आ रही थी। रास्ते में डासना फ्लाईओवर के नजदीक बाइक सवार दो बदमाश आए।

बदमाशों ने ऑटो के साइड में बैठी कीर्ति से मोबाइल लूटने का प्रयास किया। कीर्ति ने मोबाइल नहीं छोड़ा तो बदमाशों ने झटका देकर उसे ऑटो से नीचे घसीट लिया। वो सिर के बल सड़क पर गिरी और गंभीर घायल हो गई। उसके सिर की हड्डी टूट गई। इसके बाद बदमाश मोबाइल लूटकर फरार हो गए। तभी से छात्रा का इलाज गाजियाबाद के यशोदा हॉस्पिटल में चल रहा था। वो वेंटिलेटर पर थी। रविवार शाम 7 बजकर 40 मिनट पर छात्रा ने दम तोड़ दिया।

मुजफ्फरनगर में बच्चे को स्टूडेंट्स से पिटवाने का मामला : एससी ने कहा- हम बच्चे के भविष्य को लेकर चिंतित, यूपी सरकार ने कहा- जांच पूरी

लखनऊ/नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर के स्कूल में बच्चे को स्टूडेंट्स से पिटवाने के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम बच्चे के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। यूपी सरकार से कहा, मामले में जुवेनाइट एक्ट सेक्शन 75 भी जोड़ने के लिए तेजी से काम करें। इस दौरान यूपी सरकार ने SC से कहा, मामले की जांच पूरी हो चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, पीड़ित छात्र और अन्य छात्रों की काउंसिलिंग के लिए पेशेवर एजेंसी नियुक्त करने पर विचार करें। वहीं यूपी के शिक्षा मंत्रालय की तरफ से जवाब नहीं दाखिल करने पर एससी ने नाराजगी जताई है। इस पर यूपी सरकार ने कहा, मामले में हलफनामा दाखिल किया गया है। जांच पूरी हो चुकी है। आईपीसी की धारा 295 को भी जोड़ा गया है। तीन डॉक्टरों की कमेटी बनाई गई है, कमेटी घर गई थी और बच्चे को काउंसिलिंग सेंटर आने के लिए कहा गया था लेकिन बच्चा काउंसिलिंग सेंटर नहीं आ रहा है।

घटना से डरा हुआ है बच्चा

कोर्ट ने कहा, आपके साथ यही दिक्कत है, बच्चा डरा हुआ है, वह सदमे में है और आप उससे

मिलने की उम्मीद करते हैं? बच्चे की काउंसिलिंग की जानी चहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, पिता ने बताया था कि बच्चा काफी डरा हुआ है, बच्चा स्कूल जाने से डर रहा है। बच्चा घटना से इतना डरा हुआ है कि वह किसी से मिलना नहीं चाहता था।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से कहा, शिक्षा विभाग चिल्ड्रन साइकोलॉजिस्ट से बात कर इस दिशा में आगे बढ़े। 24 अगस्त को मुजफ्फरनगर के एक स्कूल में टीचर ने 5 का पहाड़ा याद न होने पर एक छात्र को उसके साथियों से थप्पड़ मरवाए। पीड़ित बच्चा यूकेजी का छात्र है। पहाड़ा याद नहीं होने पर गुस्साई टीचर ने बारी-बारी से क्लास के बच्चों को बुलाकर छात्र को पिटवाया था। अगले ही दिन इस मामले का वीडियो वायरल हो गया था। इस घटनाक्रम के बाद छात्र के पिता ने आरोप लगाया था कि उनका बच्चा बुरी तरह से डर गया है और अब वह अपने बच्चे को उस स्कूल में नहीं पढ़ाएंगे। उन्होंने पिटाई करवाने वाली शिक्षिका के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

25 सितंबर को हुई सुनवाई में क्या हुआ था बताते हैं...

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी पुलिस की कार्रवाई पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने टिप्पणी में कहा कि स्कूल में बच्चे के साथ सांप्रदायिक आधार पर इस तरह की हिंसा से बेहद गलत उदाहरण पेश किया गया। जस्टिस अभय एस ओक और पंकज मित्तल की बेंच ने घटना के 2 हफ्ते बाद FIR दर्ज होने पर पुलिस के रवैये पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा है कि पीड़ित बच्चे के पिता की दी शिकायत में लगाए गए आरोप भी FIR से मिसिंग हैं। कोर्ट ने मामले की जांच IPS अधिकारी को सौंपी है और इसकी रिपोर्ट तलब की है।

शीर्ष अदालत ने इस मामले की सुनवाई में कहा, IPS स्तर के अधिकारी देखें कि अब इस मामले में किन धाराओं को लगाना चाहिए। सुनवाई के दौरान गवाहों को सुरक्षा देने की भी बात कही। बच्चे के पिता की शिकायत में सांप्रदायिक आधार पर निशाना बनाने की बात थी। उसे FIR में शामिल नहीं किया गया।

सामाजिक कार्यकर्ता और महात्मा गांधी के पपौत्र तुषार गांधी ने इस मामले में राज्य सरकार की निष्क्रियता को लेकर जनहित याचिका दाखिल की थी। इसका राज्य सरकार की ओर से यह कहकर विरोध किया गया कि याचिकाकर्ता अपनी पहचान महात्मा गांधी के प्रपौत्र के रूप में दर्ज न कराएं। इस पर कोर्ट ने फटकार लगाते हुए यूपी सरकार से कहा- इस मामले में मूल अधिकार का उल्लंघन हुआ है। इसलिए स्वतः संज्ञान लेकर भी कोर्ट सुनवाई कर सकता है। सरकार को ऐसे मामलों में याचिकाकर्ता और पीड़ित के संबंध से चिंतित नहीं होना चाहिए।

पंजाब के खेल मंत्री मीत हेयर की सगाई मेरठ की डॉक्टर गुरवीन बनेंगी दुल्हन

अमृतसर , 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के कैबिनेट मिनिस्टर गुरमीत सिंह मीत हेयर ने मेरठ की डॉ. गुरवीन कौर के साथ सगाई कर ली है। 7 नवंबर को दोनों चंडीगढ़ में शादी करने जा रहे हैं। डॉ. गुरवीन कौर मेरठ के गॉडविन ग्रुप के डायरेक्टर भूपिंदर सिंह बाजवा की बेटी हैं और पेशे से रेडियोलॉजिस्ट हैं।गुरमीत सिंह हेयर और डॉ. गुरवीन कौर की सगाई रविवार को मेरठ के गॉडविन होटल में हुई। डॉ. गुरवीत की बात करें तो वे पिछले लंबे समय से गुरुग्राम में सेटल थी और मेदांता अस्पताल से जुड़ी हुई थी। वहीं मीत हेयर पंजाब के स्पोर्ट्स मिनिस्टर हैं।

सोनीपत में 4 चचेरे भाइयों की मौत:बरात से लौटते समय पंजाब रोडवेज ने कार को ठोका; मृतकों में दूल्हे का भाई भी

सोनीपत, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में बड़े भाई की शादी से लौट रहे दुल्हे के सगे भाई समेत 4 चचेरे भाइयों की दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। जीटी रोड पर कनक ढ़ाबे के पास उनकी कार को पंजाब रोडवेज की बस ने टक्कर मार दी। ये दिल्ली से चंडीगढ़ में बारात में गए थे। घर लौटने क़े दौरान ये बड़ा हादसा हो गया। सभी मृतक दिल्ली के शाहदरा की नंद नगरी क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

दिल्ली के नंदनगरी ने बताया कि रविवार रात को उनके ममेरे भाई मोहम्मद जागीर (नाजिम) का निकाह था। शाम को वह और उनके भाई मोहम्मद जाकिर, चचेरा भाई मोहम्मद नदीम, मोहम्मद जैद, मोहम्मद दिलशाद बारात में चंडीगढ़ गए थे। उनके साथ उनका ममेरा भाई मोहम्मद आजम भी था। आजम क़े बड़े भाई नाजिम की शादी थी।

रात को निकाह के बाद ये सभी एक कार से घर वापस लौट रहे थे। सोनीपत में में गन्नौर क्रॉस करने के बाद ये लड़सौली पहुंचे तो पंजाब रोडवेज बस ने इनकी कार को टक्गाकर मार दी। इनमें से 3 की मौके पर ही मौत हो गईं। जबकि दो को घायल अवस्था में रोहतक पीजीआई के लिए रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान आजम की भी मौत हो गई। दिलशाद का रोहतक पीजीआई में इलाज चल रहा है।

मृतकों की पहचान मोहम्मद जैयद उर्फ राजा (24), मोहम्मद जाकिर उर्फ़ फैजल (25) मोहम्मद नदीम (26) और मोहम्मद आजम (25) के तौर पर हुई है। जाकिर शादीशुदा है और 2 लड़कियों का पिता है। अन्य 3 युवक अविवाहित थे। हादसे के बाद बस ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

पाकिस्तान सीमा पर रहने वाले बंकरों की सफाई कर रहे : कहा- उनकी गोलीबारी का भरोसा नहीं, छिपने के लिए और बंकर बनाएं

श्रीनगर , 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में इंटरनेशनल बॉर्डर से सटे गांवों के लोग भूमिगत बंकरों की सफाई शुरू कर दी है। उनका कहना है कि पाकिस्तान की तरफ से कभी भी सीजफायर का उल्लंघन होने लगता है। ऐसे में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। अरनिया के त्रेवा गांव के सरपंच बलबीर कौर ने मामले को लेकर न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत की। सरपंच का कहना है कि हम पाकिस्तान पर भरोसा नहीं कर सकते। इसी वजह से बंकरों को रहने योग्य बनाया जा रहा है। इसके लिए बड़े पैमाने पर सफाई की जा रही है। सरपंच का कहना है कि साल 2018 के बाद हमारे गांवों पर मोर्टार से हमला किया गया। इस दौरान हम बंकरों का इस्तेमाल नहीं कर सके, क्योंकि उनकी सफाई पर कोई ध्यान नहीं दिया। दरअसल, पाकिस्तान के साथ भारत 3,323 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। इसमें जम्मू-कश्मीर में 221 किलोमीटर इंटरनेशनल बॉर्डर और 744 किलोमीटर एलओसी शामिल है।

जम्मू के अरनिया और सुचेतगढ़ सेक्टर में पाकिस्तान ने 26 अक्टूबर को सीज फायर का उल्लंघन किया। इंटरनेशनल बॉर्डर पर रात 8 बजे पाकिस्तानी रेंजर्स ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें बीएसएफ का एक जवान और एक महिला घायल हो गई।

एक अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान ने भारत की पांच चौकियों पर फायरिंग की। पाकिस्तान रेंजर्स ने रिहायशी इलाकों में मोर्टार के गोले भी दागे। इससे घरों की दीवारें ढह गईं। दोनों तरफ से सुबह तीन बजे तक

फायरिंग होती रही।

गोलीबारी के बीच स्थानीय लोगों को रातभर बंकर में रखा गया। हालांकि, अब फायरिंग रुक गई है। घायलों को जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिछले 10 दिनों में पाकिस्तान की तरफ से सीज फायर उल्लंघन की यह दूसरी घटना है।

इससे पहले 17 अक्टूबर को पाकिस्तानी रेंजर्स ने अरनिया सेक्टर में बिना वजह गोलीबारी की थी। इस घटना में दो जवान घायल हो गए थे। 25 फरवरी 2021 के बाद से पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के अलावा कई अन्य क्षेत्रों में सीज फायर का उल्लंघन कर चुका है।

गोलीबारी से पहले सुरक्षाबलों ने कुपवाड़ा में 5 आतंकी मार गिराए

पाकिस्तान की तरफ से 26 अक्टूबर को गोलीबारी तब की गई, जब दिन में कश्मीर के कुपवाड़ा में एलओसी के पास सुरक्षाबलों ने लश्कर के पांच आतंकी मार गिराए। सुरक्षाबलों को मौके से 5 एके सीरीज की राइफल के अलावा भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है।

कश्मीर पुलिस के एडीजीपी विजय कुमार ने बताया- हमें इनपुट मिले थे कि कुछ आतंकी माछिल सेक्टर में भारत की सीमा में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे हैं। जॉइंट टीम ने 25-26 अक्टूबर की दरमियानी रात एलओसी के पास सरदारी नार इलाके में ऑपरेशन शुरू किया।

26 अक्टूबर को जॉइंट टीम ने जंगलों में आतंकियों को आते देखा, वो दुर्गम इलाकों का फायदा उठाकर घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जवाब में इधर से भी फायरिंग की गई। इसमें लश्कर-ए-तैयबा के 5 आतंकी ढेर हो गए। आतंकी की पहचान की जा रही है, उनके पास से बरामद हथियार जब्त कर लिए गए हैं।

बीते पांच दिनों में कश्मीर में घुसपैठ की यह दूसरी घटना है, जिसे सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। इससे पहले 22 अक्टूबर को जवानों ने बारामूला के उरी सेक्टर में दो आतंकियों को मार गिराया था। दोनों आतंकी एक बड़े ग्रुप का हिस्सा थे, जो लगातार बारिश और खराब विजिबिलिटी का सहारा लेकर एलओसी पार करने की कोशिश कर रहे थे।

रॉबर्ट वाड्रा बोले-राम मंदिर के उद्घाटन में बुलाएंगे तो जाऊंगा : उज्जैन में कहा-राहुल-प्रियंका मेहनत कर रहे

उज्जैन, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। उद्योगपति रॉबर्ट वाड्रा ने सोमवार को उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन किए। उन्होंने नंदी हाल में करीब 10 मिनट तक पूजन अर्चन कर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। वाड्रा महाकाल के प्रिंट वाली टीशर्ट पहनकर मंदिर पहुंचे। दर्शन के बाद उन्होंने कहा- राहुल गांधी और प्रियंका बहुत मेहनत कर रहे हैं। कर्नाटक में बदलाव हुआ है और यहां भी होगा। देश में बदलाव का माहौल है। राम मंदिर के उद्घाटन में मुझे बुलाएंगे तो मैं जरूर जाऊंगा।

बोले- भेदभाव की राजनीति नहीं होनी चाहिए

प्रदेश में दिग्विजय और कमलनाथ के बीच विवाद पर वाड्रा ने कहा कि कोई विवाद नहीं है, जो भी है सही होगा। पांच राज्यों में कांग्रेस की भारी मतों से जीत होगी। वाड्रा ने मोदी सरकार पर ED और अन्य एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोग इनसे परेशान हैं, इससे उद्योगपति छोड़कर जा रहे हैं। भेदभाव की राजनीति नहीं होनी चाहिए।

मणिपुर की घटना को शांत कराने की जरूरत

इजराइल मुद्दे पर वाड्रा ने कहा कि सीजफायर होना चाहिए। प्रियंका और राहुल का भी मानना है की सीजफायर होना चाहिए। मणिपुर में हो रही घटना को भी शांत कराने की जरूरत है। वाड्रा ने महाकाल मंदिर परिसर के अन्य मंदिरों में भी दर्शन किए। इसके बाद अम्बोदिया स्थित सेवाधाम आश्रम के लिए निकल गए।

झज्जर में एमबीबीएस छात्रा ने किया सुसाइड : निजी कॉलेज के हॉस्टल में फंदे से लटका मिला शव; युवक कर रहा था परेशान

झज्जर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर में एक निजी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कर रही एक छात्रा ने पंखे से लटक कर सुसाइड कर लिया। रात को उसका शव हॉस्टल के एक कमरे से बरामद हुआ। मृतका हिमचाल के शिमला की रहने वाली थी। पुलिस ने उसके पिता के बयान पर शिमला के ही एक युवक के खिलाफ आत्महत्या के लिए विवश करने के आरोप में केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जानकारी अनुसार हिमाचल के शिमला की रहने वाली श्वेता गांधी झज्जर में गांव गिरावड़ स्थित वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की प्रथम वर्ष की छात्रा थी। वह कॉलेज के हॉस्टल में ही रह कर पढ़ाई कर रही थी। रविवार शाम को छात्रा ने अपने कमरे में पंखे से लटक कर सुसाइड कर लिया। उसकी सहेली रूम में पहुंची तो वह पंखे से बंधे फंदे से लटकती मिली।

छात्रा के सुसाइड करने की सूचना के बाद मेडिकल कॉलेज स्टाफ व पुलिस मौके पर पहुंची। आवश्यक छानबीन व कार्रवाई के बाद शव को अस्पताल की मोर्चरी में भेजा गया। घटना की सूचना उसके पिता हेमराज गांधी को दी गई। सुबह उसके परिजन झज्जर पहुंचे और इसके बाद पुलिस ने उनके बयान दर्ज कर श्वेता गांधी के शव के पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की।

श्वेता गांधी के एक छोटी बहन और एक छोटा भाई भी है। श्वेता के पिता हेमराज कृषि विभाग में नौकरी करते हैं। उसके पिता के बयान पर पुलिस ने शिमला निवासी विशाल नाम के युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बताया गया है कि उसे श्वेता को परेशान कर रखा था, जिससे उसने सुसाइड कर लिया।

झज्जर के दुजाना थाना के जांच अधिकारी एएसआई अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि झज्जर के गांव गिरावड स्थित वर्ल्ड कॉलेज हॉस्टल के कमरे में श्वेता नाम की एमबीबीएस प्रथम वर्ष की छात्रा ने पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली है। उसके पिता हेमराज के बयान पर शिमला निवासी विशाल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद शव को परिजनों सौंप दिया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

मां ने मेरा रेप केस लड़ा ताकि उन्हें पैसे मिलें : उन्नाव रेप पीड़िता बोली-मुझे नाबालिग बताकर मुआवजा रख लिया

उन्नाव, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। उन्नाव की एक 17 साल की लड़की, जिसके साथ भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर ने रेप किया। पीड़िता ने कुलदीप के खिलाफ आवाज उठाई तो परिवार में 4 लोग मारे गए। अब उसका साथ देने के लिए घर में बस उसकी मां बची थी। बेटी नाबालिग थी, इसलिए मां ने उसकी लड़ाई लड़ी। जैसे-तैसे 10 महीने बाद केस दर्ज हुआ। मां ने बेटी के साथ कोर्ट के चक्कर लगाए। दो साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने सेंगर को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद और 25 लाख का जुर्माना लगाया।

सरकार ने पीड़िता से मदद के वादे किए। मदद मिली भी। पीड़िता उस वक्त नाबालिग थी, इसलिए मां के नाम पर बैंक अकाउंट खुलवाया गया। मदद के सारे पैसे उसी अकाउंट में मंगाए गए। अब 6 साल बाद पीड़िता की शादी हुई और वह 8 महीने की प्रेग्नेंट है। उसे अपने बच्चे को पालने के लिए पैसों की जरूरत है।

मां से मुआवजे वाले पैसे मांगे, तो उन्होंने देने से इनकार कर दिया। उन्होंने पीड़िता से कहा कि तुम्हारी शादी हो गई है। तुम अपने पति से पैसे लो। पीड़िता ने सोचा भी नहीं था कि मां उसके साथ ऐसा करेगी। लेकिन मां ने बेटी की मदद के लिए पैसे नहीं दिए। अब देश-विदेश में चर्चित हुए उन्नाव रेप कांड की पीड़िता ने अपनी मां और चाचा समेत चार लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया है।

पीड़िता ने ऐसा क्यों किया? क्या है उसकी पूरी कहानी। चलिए शुरू से जानते हैं...

नौकरी मांगने गई तो उन्होंने रेप किया

उन्नाव का माखी गांव...पूरे इलाके में भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर का दबदबा था। गांव के लोग हों या पुलिस-प्रशासन, सब उनकी बात मानते थे। साल 2017 की बात है। कुलदीप सेंगर विधायक हुआ करते थे। माखी गांव की रहने वाली 17 साल की एक लड़की उनके पास नौकरी मांगने गई। उसने सुना था कि विधायक सबकी मदद करते हैं।

लड़की गरीब परिवार से थी, इसलिए अपने परिवार की मदद के लिए नौकरी करना चाहती थी। कुलदीप के पास गई, तो उन्होंने नौकरी देने का वादा किया। पीड़िता बताती है कि इसके कुछ दिन बाद मैं घर पर चूल्हे के पास बैठी बर्तन धो रही थी। रात के करीब 8 बजे होंगे। तभी वहां एक गाड़ी पहुंची और 5 लोगों ने जबरन मुझे गाड़ी के अंदर खींच लिया। ये कुलदीप सेंगर के आदमी थे।

23 साल की उन्नाव रेप पीड़िता

से जब हमने बात शुरू की, तो वह एक सांस में ही इतना बोल जाती है। वह बहुत कुछ बताना चाहती है। कहती है कि 6 साल पहले उस दिन मेरा रेप हुआ। उन कुछ मिनटों ने मेरी जिंदगी बदल दी। उन लोगों ने रेप की बात किसी को बताने पर मुझे जान से मारने की धमकी दी।फिर भी मैंने अपने घरवालों को पूरी बात बताई। FIR दर्ज कराने हम थाने पहुंचे। पुलिस ने विधायक के खिलाफ केस दर्ज करने से साफ इनकार कर दिया। बहुत कोशिश करने पर 10 महीने बाद जाकर केस दर्ज हो सका।

विधायक के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए बस मां ही बची थी

पीड़िता बताती है, "मैं उस वक्त बहुत छोटी थी। इसलिए मेरे साथ मां ने पुलिस थाने की, वकीलों की और कोर्ट-कचहरी की खूब परेड की। एक तरफ मैं FIR दर्ज करने की मांग कर रही थी। मेरी मां हर जगह चक्कर लगा रही थी। दूसरी तरफ एक शाम कुलदीप के भाई कुछ लोगों के साथ मिलकर मेरे पापा को उठा ले गए। उन्हें नीम के पेड़ पर बांधकर बंदूक की बट से पीटा और उल्टा पापा को ही पुलिस से अरेस्ट करवा दिया। पापा को जेल भेज दिया गया। मां को समझ नहीं आ रहा था कि मुझे इंसाफ दिलाए या पापा के लिए लड़े।₹

"...कुछ दिन बाद कस्टडी में ही मेरे पापा की तबीयत बिगड़ी और उनकी मौत हो गई। इसके बाद उन लोगों ने झूठा इल्जाम लगाकर मेरे चाचा को जेल भिजवा दिया। कुछ महीनों बाद मैं CBI के कहने पर अपनी चाची, मौसी और वकील साहब के साथ गवाही देने जा रही थी। रास्ते में हमारी गाड़ी एक ट्रक से टकराई, जिसमें मेरी चाची और मौसी की मौत हो गई। अब इस लड़ाई में मेरे साथ बस मेरी मां ही बची थीं।

पीड़िता ने बताया कि सजा होने के बाद भी कुलदीप के लोग उसे बरी कराने की कोशिश करते हैं। दिल्ली आकर भी मुझे आए दिन कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ते थे। उस वक्त मेरे पास कोर्ट तक जाने के पैसे नहीं होते थे। मैंने मां से कई बार पैसे के लिए कहा, तो उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि उन्नाव में भी मेरे केस को लेकर रुपए खर्च होते हैं।

अब मैं दिल्ली में हूं, तो मुझे अपनी लड़ाई खुद लड़ना चाहिए। मुझे लगा कि सच में मां के पास पैसे नहीं हैं। इसलिए मैंने महिला आयोग से मदद मांगी। मेरा दिल्ली में आने-जाने का पूरा इंतजाम महिला आयोग के सहयोग से होता था। अगर महिला आयोग मेरा साथ नहीं देता, तो मैं केस नहीं लड़ पाती। पीड़िता कहती है कि दो कमरों का घर, छोटी-सी रसोई और बाथरूम, बस इतनी ही बची थी मेरी जिंदगी। खाने-पीने तक के पैसे नहीं थे। घर से कोई एक रुपए की मदद भी नहीं करता था। सीआरपीएफ वाले अपने लिए जो खाना लाते, हम उसी में खा लेते थे। जैसे-तैसे अकेले जिंदगी कट रही थी। मां से भी बात होना कम हो गई। मां अब मुझे छोड़कर चाचा और उनके बच्चों के बारे में सोचने लगी थी।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 31 अक्टूबर - 2023

जीत का जज्बा

कदम चूम लेती है बढ़ कर के मंजिल, अगर ए मुसाफिर तो हिम्मत न हारे। कुछ ऐसे ही बुलंद हौसले के साथ एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने साबित कर दिया है। उन्होंने साबित कर दिया कि सही दिशा में की गई कोशिश से मैदान में जीत और उपलब्धियों का परचम लहराने से कोई रोक नही सकता है। एशियाई खेलों के कुछ दिन बाद ही चीन के हांगझोउ में आयोजित पैरा एशियाई खेलों में भी भारतीय पैरा एथलीटों ने अपनी जिस काबिलियत का प्रदर्शन किया, उसकी तो जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। ये विजयी अभियान देश और यहां के लोगों के लिए निश्चित ही सुखद भविष्य की उम्मीद जगाता है। हांगझाउ में शनिवार को समाप्त हुए एशियाई पैरा खेलों में शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने अपने मजबूत इरादे प्रकट कर दिए थे जो आखिर तक लगातार बनी रही। अपनी जीत के अभियान में अपने खिलाड़ियों ने कुल एक सौ ग्यारह पदक जीते, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित बहु-खेल प्रतियोगिता में देश के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। अलग-अलग खेलों में पैरा एथलीटों ने उनतीस स्वर्ण पदक, इकतीस रजत और इक्यावन कांस्य पदक जीतने का रिकार्ड बनाया। इस कामयाबी के बूते भारत ने इन खेलों की पदक तालिका में पांचवा स्थान हासिल किया, जो पिछले प्रदर्शनों के मुकाबले काफी बेहतर माना जा रहा है। बता दें कि पहला पैरा एशियाई खेल 2010 में चीन के ही ग्वांगझू में आयोजित किया गया था। तब भारत को सिर्फ एक स्वर्ण सहित कुल चौदह पदक से संतोष करना पड़ा था। तब भारत पदक तालिका में पंद्रहवें स्थान पर रहा था। उसके बाद से खेल में धीरे-धीरे सुधार शुरू हुआ। इस बार पांचवें स्थान पर आने के बात अब यह साबित हो गया है कि भारतीय खिलाड़ी किसी प्रतियोगिता में सिर्फ उपस्थिति दर्ज कराने के लिए नहीं, बल्कि मजबूत माने जाने वाले देशों के मुकाबले में मैदान जीतने के लिए जाते हैं। इस बार की सामूहिक कामयाबी में एथलेटिक्स का सबसे ज्यादा यानी पचपन पदकों का योगदान रहा। दूसरे स्थान पर भारतीय शटलर रहे, जिन्होंने इक्कीस पदक जीते। इसी तरह शतरंज, तीरंदाजी और निशानेबाजी में भी भारतीय खिलाड़ियों की प्रतिभा ने साबित कर दिया कि वे किसी से कम नहीं हैं। बिना हाथ की तीरंदाजी के हुनर में माहिर शीतल देवी इन खेलों में एक ही सत्र में दो स्वर्ण पदक जीत कर जो रिकार्ड बनाया है उसे वर्षों तक याद किया जाएगा। सभी खिलाड़ियों ने अपने इसी तरह के जज्बे का प्रदर्शन किया। इस पैरा एशियाई खेलों में खिलाड़ियों ने अपनी जिस क्षमता का प्रदर्शन किया उससे साफ है कि प्रतिभा की खोज और सही दिशा में उनका प्रशिक्षण सुनिश्चित करके अवसर मुहैया कराया जाए तो नतीजे और भी चौंकाने वाले आ सकते हैं। इससे पहले हांगझाउ में ही एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ी 'अबकी बार, सौ के पार' के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरे थे और उसे पार कर एक सौ सात पदक जीते थे। अब पैरा एशियाई खेलों में उससे चार पदक ज्यादा हासिल कर भारत की झोली पदकों से भर दिया। यह इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों को भी दुनिया के मजबूत देशों के समकक्ष खडा कर दिया जाएगा। ध्यान देने की जरूरत है कि भारत में गुदडी के कई लाल हैं जो कई तरह के अभावों से संघर्ष कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि उनकी प्रतिभाओं को पहचाना जाए ओर उन्हें अवसर भी दिया जाए तो वे देश का नाम रोशन करने में पीछे नहीं रहेंगे। कई बार दूरदराज में वंचित समुदायों के बीच कोई ऐसा बच्चा होता है, जिसमें बेहतरीन संभावनाएं छिपी होती हैं, लेकिन अवसर, सलाह, संसाधन, प्रशिक्षण और सही दिशा न मिलने की वजह से वह दुनिया के कैनवास पर नहीं पहुंच पाता। अब दुनिया के खेल मैदानों में भारत मजबूत दखल देने लगा है। अवसर उपलब्ध हों तो छिपी प्रतिभाएं देश के लिए गौरव का नया अध्याय रचने में पीछे नहीं रहेंगी।

आवारा कुत्ते ले लेते हैं सालाना 50 हजार से अधिक जान

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

वाघ बकरी कंपनी के मालिक 49 वर्षीय पराग देसाई की कुत्तों के हमलें से या हमलें से बचने के प्रयास से मौत की घटना से एक बार फिर आवारा कुत्तों के कारण आए दिन होने वाली मौत पर बहस छिड़ गई है। आवारा कुत्तों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं और मौत की समस्या से भारत ही नहीं अपितु दुनिया के अधिकांश देश दो चार होते आ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्था लैंसेट की हालिया रिपोर्ट की माने तो दुनिया के देशों में हर साल केवल और केवल आवारा कुत्तों के कारण 59 हजार लोग अपनी जान गंवातें हैं। हांलाकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों को भी इस संदर्भ में देखा जाए तो केवल और केवल कुत्तों के हमलों से जान गंवाने वालों में हमारे देष की भागीदारी लैसेंट के आंकड़ों में 36 फीसदी के लगभग है। कोरोना काल को अलग कर भी दिया जाए तो 2021 की तुलना में 2022 में कुत्तों के हमलों से मरने वालों की संख्या में इजाफा ही हुआ है। यदि हमारे देश की बात की जाए तो भारत सरकार द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार ही 2019 से 2022 के बीच आवारा कुत्तों के काटने के डेढ़ करोड़ से अधिक मामलें सामने आये हैं। यह तो वह आंकड़े हैं जो पंजीकृत हुए हैं पर इससे यह साफ हो जाना चाहिए कि यह आंकड़ा कितना अधिक होगा? दरअसल आवारा कुत्तों या यों कहे कि गली-कुचों में घूमने वाले कुत्तों के खिलाफ कोई भी कार्यवाही की जाती है तो उस पर धारा 428 व 429 के तहत सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही पशु प्रताडना का मामला बन जाता है। कुत्तों को प्रताड़ित करने, मारने, जहर देने या अन्य तरह से प्रताड़ित करने पर पांच साल तक की जेल तक हो सकती है। ऐसे में सवाल यह उठ जाता है कि आवारा कुत्तों से बचाव का क्या रास्ता हो सकता है। देखा जाए तो स्थानीय प्रशासन यानी कि नगर निगम, नगर परिषद्, नगर पालिका जैसी संस्थाओं को आवारा कुत्तों को पकड़ने की जिम्मेदारी को निभाना होगा। एक समय था जब अवारा पशुओ यानी गलियों में घूमने वाली गायों को पकड़ने की तरह ही आवारा कुत्तों को पकड़ने का अभियान भी चलता रहा है। पर अब आवारा कुत्तों को पकड़ते हुए ही कम देखा जाता है। सवाल आवारा कुत्तों का ही नहीं अपितु पालतू कुत्तों को लेकर भी इसी तरह से गंभीर है। देश के कई कोनों में पालतू कुत्तों द्वारा लोगों पर आक्रमण करने और काट खाने की घटनाएं भी आए दिन देखने को मिल रही है। समस्या केवल एक जगह की नहीं है। दरअसल कुत्तों को पालना आज फैशन भी बनता जा रहा है। लोग ऐसी ऐसी नस्ल के कुत्ते पालने लगे हैं जिनकों देखने मात्र से सिहरन होने लगती है। यह स्टेटस सिंबल बनता जा रहा है। कुत्तों को पालना या नहीं पालना निजी मामला है और इस पर किसी तरह के कमेंट करना भी गलत होगा पर पालतू कुत्तों को खुला छोड़ना और आते जाते लोगों को काटना गंभीर हो जाता है। यह भी सब जानते हैं कि कुत्तों के काटने पर समय पर ईलाज नहीं कराने पर यह जानलेवा होना आम बात है।

इससे समस्या की गंभीरता को समझा जा सकता है। देश में हर पांचवें साल मवेशियों और आवारा जानवरों की गिनती होती है। 2019 की गणना के अनुसार देश में आवारा कुत्तों की संख्या करीब एक करोड़ 53 लाख है।

दीपावली पर नेता चुनावों में व्यस्त, जनता महंगाई से पस्त

अशोक भाटिया

इस साल की दीपावली पर महंगाई का असर साफ दिखने लगा है। महंगाई ऐसी कि अन्य सामान की कीमत के साथ ही सब्जी की कीमतें भी आसमान छू रही हैं। स्थिति यहां तक पहुंच गयी है कि एक किलो सब्जी खरीदने वाला व्यक्ति अब पाव व ग्राम में सब्जी खरीदने को विवश हो गया है। बाजार में हर तरह की हरी सब्जी 40 रुपये प्रति किलो से कम नहीं है। टमाटर साठ रुपये प्रति किलो तो प्याज 100 रुपये के आंकड़े को पार कर गया। परवल व गोभी की कीमत भी 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गयी है। ऐसे में गृहणियों के किचेन का बजट गड़बड़ा गया है। जनता किससे शिकायत करें । हार छोटा बड़ा नेता चुनावों में व्यस्त है । महज एक साल पहले तक जो आटा 25 से 28 रुपये किलो मिल रहा था, वह अब 35 से 50 रुपये तक मिल रहा है। मेट्रों सिटीज में कई जगह रेट 50 को भी पार कर गए हैं। मीडियम कवालिटी का चावल भी 40 से 48 रुपये पर जा पहुंचा है। बढ़ती महंगाई निम्न आय वर्ग के लोगों (आम आदमी) की कमर तोड़ने लगी है. अब इसकी मार डीजल पेट्रोल और रसोई गैस को छूते हुए, अब जनता की थाली तक पहुंच गई है। आलम यह है कि दालों-सब्जियों और मसालों के बाद अब आटा भी गीला हो गया है। मेट्रों सिटीज की बात करें तो आटा करीब 40 फीसदी मंहगा हो गया है, जबकि चावल के दामों में 20 प्रतिशत का तगड़ा उछाल है। इससे थाली की रोटी तो महंगी हुई ही, साथ में आटे से बनने वाली दूसरी चीजों बिस्कुट, ब्रेड वगैरह भी महंगी हो गई है या फिर उनके साइज छोटे हो जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के दुकानदारों का दावा है कि पिछले तीन महीनों में दाल, चावल और आटे की कीमतें भी 30 से 40 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तुअर दाल फिलहाल 180 से 190 रुपये प्रति किलो है। एक माह पहले यह 150 से 160 रुपये किलो बिक रही थी। अरहर दाल जो 150 रुपये प्रति किलो थी, अब 190 रुपये प्रति किलो बिक रही है।चना दाल वर्तमान में 190 रुपये प्रति किलोग्राम पर उपलब्ध है और तीन महीने पहले यह 150 रुपये प्रति किलोग्राम पर भी उपलब्ध थी। मसालों में जीरे की कीमत में सबसे ज्यादा 40 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जीरा तीन महीने पहले 45 रुपये का 100 ग्राम बिक रहा था, अब दोगुना होकर 90 रुपये का हो गया है। लाल मिर्च लोगों के आंसू निकाल रही है। कुल मिलाकर महंगाई की मार से लोग परेशान हैं और उनके घर का बजट बिगड़ गया है। कई लोगों को लगता है कि शहरी क्षेत्र होने की वजह से महंगाई सबसे ज्यादा मेट्रों सिटीज में ही है, लेकिन ऐसी बात नहीं है। कृषि प्रधान राज्य उत्तर प्रदेश में भी आम जनता महंगाई से त्रस्त है। यहां पर भी हरी सब्जियों से लेकर खाने- पीने की अधिकांश चीजें महंगी हो गई हैं। अरहर दाल 150 रुपये किलो बिक रही है, जबकि पहले इसकी कीमत 110 से 120 रुपये थी। प्याज लहसुन की कीमत में भी बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अभी लहसुन 180 रुपये किलो बिक रहा है तो प्याज 25 रूपये किलो बिक रहा है जबकि एक किलो लाल मिर्च की कीमत 280 से 320 रुपये तक जा पहुंची है। आज महंगाई की मार से आम जनता परेशान होती नजर आ रही है। इस पर अब सब्जियों के दामों में उछाल ने आम लोगों का खाना-पीना तक मुश्किल कर दिया है। कुछ यही हाल पूरे देश का हैं । सब्जियों के दाम आसमान पर हैं, इस पर टमाटर, हरा धनिया और अदरक जैसी रोजाना काम आने वाली सब्जियां महिलाओं ने खरीदना ही बंद कर दिया है। टमाटर 160 रु पर इठलाता नजर आ रहा है तो अदरक 280 रुपए की होकर टमाटर को मुंह चिढ़ा रही है। महिलाओं का कहना है कि सब्जियां इतनी महंगी हो चली हैं कि अब उनकी तरफ देखकर ही तसल्ली कर रही हैं। वहीं उन्होंने सब्जियां बनाना कम कर दिया है।तकरीबन पूरे देश का यही हाल है । बाज़ार में सब्जियों के दाम पहले से ही आसमान छू रहे थे। अब टमाटर, अदरक और हरा धनिया के साथ-साथ कई हरी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी ने आम लोगों की थाली में परोसी जाने वाली सब्जियों का स्वाद फीका हो चला है। बाजारों में सब्जी लेने पहुंच रहे लोग हैरान हैं कि सब्जियां इतनी महंगी क्यों हो रही हैं। आम लोग अभी इस उम्मीद में बैठे थे कि जल्द ही उन्हें महंगाई से राहत मिलेगी लेकिन इसके उलट सब्जियों के बढ़ते दामों की वजह से सीधे उनके महीने भर के बजट पर असर पड़ता दिखाई दे रहा है।हरा धनिया 150 रुपए किलो बिक रहा है। लौकी, करेले, परवल 80 रुपए किलो तक बिक रही है, तोरी 60 रुपए तो भिंडी भी 80 रुपए किलो बिक रही है। हालाकि पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस का दाम भले ही कुछ समय से स्थिर है लेकिन इसका असर अन्य सामान पर सीधे पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमत ने आम लोगों के घरेलू बजट को बिगाड़ दिया है। हाल में बढ़ती महंगाई से आम और खास, सब परेशान होने लगे हैं। लगातार महंगाई के आंकड़े चिंता बढ़ा रहे हैं। थोक और खुदरा महंगाई भी जिस उच्चतम स्तर पर है उससे लगता नहीं कि आने वाले दिनों में कोई राहत मिलेगी। आशंकाएं गहरी हो रही हैं कि आने वाले दिनों में महंगाई कहीं पिछले रिकार्ड न ध्वस्त कर दे। लम्बे समय से महंगाई का दो अंकों में बने रहना हालात की गम्भीरता को दिखाता है। आंकड़ों का अब कोई मतलब नहीं रह गया है। इसका असर तो रोजाना की जिन्दगी पर साफ दिख रहा है। यह सही है कि महंगाई का सबसे बड़ा कारण उत्पादन लागत का बढ़ना भी है। क्योंकि कच्चा माल महंगा हो रहा है और इसके अलावा बिजली और परिवहन लागत के बढ़ जाने से कारखानों, फैक्ट्रियों से सामान महंगा होकर ही बाहर आ रहा है और इन सबका बोझ आखिरकार उपभोक्ता पर ही पड़ता है। अभी तक महंगाई का कारण कोरोना महामारी के कारण अर्थव्यवस्था में मंदी विकास दर में कमी और लोगों के पास पैसा नहीं होना जैसे कारण बने हुए थे लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के दो साल के ऊपर तक चलने के कारण और मुसीबत खड़ी कर दी है ऊपर से हमास – इजराइल का युद्ध । अब एक और नई मुसीबत का सामना हमें करना पड़ेगा। जंग के कारण रिफाइंड, सोया और सनफ्लावर ऑयल की कीमतों में पहले से ही बढ़ौतरी हो रही थी। अब खबर यह है कि इंडोनेशिया ने पाम ऑयल का निर्यात बंद करने का फैसला कर लिया है। इंडोनेशिया पाम आयल का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है लेकिन पिछले कुछ समय से वह भी पाम आयल की कमी से जूझ रहा है और वहां कारोबार से जुड़े लोगों ने सरकार को इसके शिपमैंट पर मूल्य नियंत्रण और कुछ प्रतिबंध लगाने की मांग की थी।पाम आयल उत्पादन में इंडोनेशिया बहुत बड़ा खिलाड़ी है। उसके यहां पाम के कुल वैश्विक उत्पादन का 60 फीदी उत्पादन होता है और यह आंकड़ा दूसरे सबसे बड़े उत्पादक मलेशिया से कई गुणा ज्यादा है। मार्च 2021 और मार्च 2022 के बीच इंडोनेशिया ने ब्रांडेड कुकिंग आयल की घरेलू कीमतों में 14000 इंडोनेशियाई रुपए (आईडीआर) से 22000 आईडीआर प्रति लीटर तक बढ़ौतरी देखी गई। इंडोनेशिया के पाम आयल संकट के पीछे तीन बड़े कारण हैं। रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद सनफ्लावर रिफाइंड आयल और सोयाबीन आयल की कमी हुई तो लोगों ने पाम आयल का इस्तेमाल शुरू कर दिया। युद्ध हो, जलवायु परिवर्तन हो या फिर अन्य प्राकृतिक आपदाएं समय-समय पर आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना ही पड़ता है। इस समय वैश्विक परिस्थितियां कुछ इस तरह की हैं कि हमारे चाहने न चाहने से कुछ नहीं होगा, बल्कि हमें विषम परिस्थितियों का सामना करना ही पड़ेगा। महंगाई के आंकड़े चिंता बढ़ा रहे हैं।

अखंड भारत के शिल्पी ' सरदार पटेल '

हर्षवर्धन पाण्डे

हमारे देश की आजादी तथा देश के एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को हम नहीं भुला सकते है। सरदार ने न केवल क्रांतिकारी की भांति अंग्रेजी हुकूमत का विरोध किया बल्कि आजाद हिन्द को एकजुट करने में बड़ी भूमिका निभाई। लौह पुरुष के नाम से जाने जाने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को एक समृद्ध कृषक परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम झवेर भाई था जो खुद एक सैनिक थे। इनकी माता लाडवा देवी थी । पटेल बचपन से ही शिक्षा में होनहार विद्यार्थी थे। 22 वर्ष की आयु में इन्होनें न केवल अपनी शिक्षा पूर्ण की बल्कि लन्दन में जाकर बैरिस्टर की उपाधि भी प्राप्त की। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश को ब्रिटिश सरकार के क़ब्जे से मुक्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने विभिन्न आंदोलनों में आमजनमास को एकजुटकरने का न केवल बीड़ा उठाया बल्कि एक कुशल नेतृत्व भी दिया । जब वल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व में महात्मा गांधी जी का गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने गांधीजी की विचारधाराओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और इसका पालन करना शुरु कर दिया। उन्होंने हमेशा ब्रिटिश सरकार और इसके कठोर कानूनों का विरोध किया। गांधी जी के विचारधाराओं और ब्रिटिश सरकार के प्रति घृणा ने उन्हें आजादी के लिए भारतीय संघर्ष में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। सही मायनों में सरदार बल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय एकता के अग्रदूत थे। आज़ादी के आंदोलन में किसानों और युवाओं को जोड़ने के साथ ही उसे सुनियोजित गति देने का काम उन्होनें बखूबी किया। यही नहीं आज़ादी से पहले वीपी मेनन के साथ मिलकर उन्होनें राज्यों में बंटे भारत को एक करने का अभूतपूर्व कार्य भी किया था। देश की छोटी-छोटी 565 रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण कर अखंड भारत के सपने को पूरी दुनिया में उन्होनें ही प्रस्तुत किया। भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पटेल जी पहले गृह मंत्री और उप प्रधान मंत्री बने। सरदार पटेल ने लगभग 562 रियासतों का सफलतापूर्वक एकीकरण किया। सरदार पटेल शब्दों की नकल करने वाले व्यक्ति नहीं थे। उन्होंने कई शाही परिवारों के लिए हर संभव रियायतें बढ़ाईं, उन्होंने न केवल राज्यों के परिग्रहण को सुरक्षित करने का प्रबंधन किया, बल्कि चरणबद्ध तरीके से प्रशासन के परिवर्तन का निरीक्षण भी किया। इसे उन्होंने "भारत का एकीकरण" का नाम दिया।महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा पर आधारित जिस सत्याग्रह का मार्ग प्रशस्त किया, उसको व्यवहार में लाने और उसके आधार पर देश –भर की जनता को एकजुट करने का श्रेय सरदार पटेल को ही दिया जाता है। स्वयं गांधी जी ने 1930 के कराची अधिवेशन में कहा भी था कि जवाहरलाल नेहरू विचारक हैं और सरदार पटेल कार्य करने वाले एक बेहतरीन इंसान हैं। खेड़ा सत्याग्रह के दौरान सरदार पटेल गांधी जी के बहुत करीब आए। उसी दौर में उन्होनें कोट , पैंट और हैट को छोड़कर धोती और कुर्ता पहनना शुरू कर दिया था। खेड़ा उस दौर में भीषण सूखे की चपेट में था। पटेल ने किसानों का साथ देते हुए उनके लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। सक्रिय राजनीति में इसी सत्याग्रह से उनकी शुरुआत हुई लेकिन इसका महत्व इस अर्थ में अधिक है कि पटेल के इस सत्याग्रह के आसरे ही राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन में किसानों की शक्ति का उदय हुआ। सरदार पटेल के ही नेतृत्व में सत्याग्रह के सामने अंततः अंग्रेज़ सरकार को झुकना पड़ा और उस बरस किसानों को कर्ज में काफी राहत दी गई। पटेल ने ही आज़ादी के आंदोलन में किसानों के साथ ही युवाओं को जोड़ने का बड़ा कार्य भी किया। 28 सितंबर 1921 को अहमदाबाद में विद्यार्थियों की एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होनें कहा कि स्वदेशाभिमान और स्वाभिमान चाहने वाले सभी छात्रों को सरकारी कालेजों और स्कूलों को छोड़ असहयोग आंदोलन में शिरकत करनी चाहिए। उन्होनें कहा कि आज़ादी के लिए संघर्ष की दुदुंभी बज रही है। लड़ाई छिड़ गई है। ऐसे समय में मैं क्या करूंगा या मेरा क्या होगा जैसे विचारों पर ध्यान न देकर सबको स्वाधीनता आंदोलन के लिए सहयोग करना चाहिए। राष्ट्रीय आंदोलन में पटेल के नेतृत्व में हुए बारदोली आंदोलन की विशेष भूमिका है। 1928 में गुजरात के बारदोली में सत्याग्रह इसलिए किया गया कि प्रांतीय सरकार ने किसानों के लगान में 30 प्रतिशत की वृद्धि कर दी थी। पटेल ने इस लगान का खुलकर विरोध किया और अंग्रेजी हुकूमत की नाक में दम कर दिया । उनके नेतृत्व में हुए सत्याग्रह आंदोलन को कुचलने के लिए अंग्रेज़ सरकार ने हर संभव प्रयास किए लेकिन अंत में विवश होकर अंग्रेज़ सरकार को किसानों की बड़ी मांगों के सामने झुकना पड़ा। सरदार पटेल के नेतृत्व में हुए इस सत्याग्रह आंदोलन के सफल होने के बाद वहाँ की महिलाओं ने बल्लभ भाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि प्रदान की और पटेल राष्ट्रीय स्तर पर देश में नायक के तौर पर उभरे । सरदार पटेल ने किसानों को अंग्रेज़ सरकार द्वारा उन पर रखे गए भारी करों का विरोध करते हुए स्वयं के राज के लिए प्रेरित किया। किसान संघर्ष और राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम के अंतर्संबंधों की व्याख्या बारदोली किसान संघर्ष के संदर्भों में गांधी जी ने ठीक ही की है कि सरदार पटेल द्वारा किया किया गया इस तरह का हर संघर्ष, हर कोशिश हमें स्वराज के करीब पहुंचा रहा है। यह सच भी है कि सरदार पटेल का लौह नेतृत्व ही ऐसा था ,जिसमें देश का आम नागरिक स्वाधीनता के लिए निरंतर प्रेरित हुआ। सही मायनों में कहा जाए तप सरदार पटेल बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी थे। लक्ष्य के प्रति समर्पित उनकी राष्ट्रभक्ति ऐसी थी, जिसमें बड़े संकल्पों से सदा ही सफलताएँ मिलती रहीं। उनमें कहीं कोई बनावटीपन नहीं था। न ही अपने को स्थापित करने में उनकी कोई बड़ी भूमिका थी। मातृभूमि के प्रति समर्पण उनकी रग -रग में देख अजा सकता था। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को वैचारिक रूप में एक नयी दिशान देने का काम उन्होनें बखूबी किया । विरोधी के दिलों को जीतना भी सरदार पटेल को बखूबी आता था। स्वतन्त्रता मिलने के साथ ही देशी रियासतों को भारतीय संघ में शामिल कर उन्होनें इतिहास में एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। हालांकि शुरुआत में रियासतों के एकीकरण को लेकर तमाम राजा उनसे नाराज थे लेकिन उनकी राष्ट्रभक्ति और देश के लिए ही सब कुछ करने की मंशा से बाद में ऐसे सभी राजा उनके गहरे मित्र हो गए थे। जब सरदार पटेल का निधन हुआ तो अनेक राजा ये कहते हुए रोए कि उनका मित्र और रक्षक चला गया। यह सरदार पटेल ही थे, जिन्होनें हैदराबाद और जूनागढ़ के मामले में व्यावहारिक रवैया अपनाते हुए भारत में इन्हें मिलाने में कोताही नहीं बरती और कड़ी कार्यवाही करने से भी नहीं चूके। इसी तरह से ये दोनों रियासतें आज भारत की हैं। चीन की मित्रता को भी उन्होनें हमेशा संदेह की नजर से देखा।

एकीकृत भारत के निर्माता थे सरदार पटेल

योगेश कुमार गोयल

31 अक्तूबर 1875 को गुजरात के खेड़ा जिले के नाडियाड में एक किसान परिवार में जन्मे सरदार वल्लभ भाई पटेल को एकता की मिसाल कहा जाता है क्योंकि देश की एकता को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने देश को एकजुट करने में सदैव महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर मजबूत और एकीकृत भारत के निर्माण में उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। जिस समय देश आजाद हुआ, तब यह कई छोटी-छोटी रियासतों में बंटा था, जिन्हें एकजुट करना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य था। आजाद भारत को एकजुट करने का श्रेय पटेल की राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता को ही दिया जाता है। भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए सरदार पटेल के इसी अविस्मरणीय योगदान को चिरस्थायी बनाए रखने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 अक्तूबर 2014 से उनकी जन्मतिथि 31 अक्तूबर को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाए जाने की घोषणा की गई। तभी से सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

देश की आजादी के उपरांत 500 से भी ज्यादा देशी रियासतों का एकीकरण किया जाना सबसे बड़ी समस्या थी। दरअसल अंग्रेज भारत से जाते-जाते कुटिल चाल चलते हुए करीब 550 देशी रियासतों को खुद ही अपने भविष्य के निर्णय का अधिकार दे गए थे। उसके पीछे उनका उद्देश्य था कि इतनी बड़ी संख्या में रियासतों के स्वायत्त रहते भारत के लिए स्वयं को एकजुट रख पाना बेहद मुश्किल होगा। सरदार पटेल ने अपने 'लौहपुरूष' व्यक्तित्व का परिचय देते हुए इस गंभीर चुनौती को न केवल स्वीकार किया बल्कि बहुत ही कम समय में बड़ी कुशलता से इतनी सारी रियासतों के एकीकरण का कार्य सम्पन्न कराने में सफल भी हुए। उन्होंने आजादी के ठीक पहले पी.वी. मेनन के साथ मिलकर कई देशी रियासतों को भारत में मिलाने का कार्य आरंभ कर दिया था। उस समय देशभर में सैंकड़ों ऐसी देशी रियासतें थी, जो स्वयं में सम्प्रभुत्ता प्राप्त थी, जिनका अपना अलग झंडा और अलग शासक था। दोनों ने देशी रियासतों के शासकों को समझाया कि उन्हें स्वायत्तता देना संभव नहीं होगा। इसका असर यह हुआ कि केवल तीन रियासतों को छोड़कर बाकी सभी रियासतों-राजवाडों ने अपनी मर्जी से भारत में विलय का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। हैदराबाद के निजाम ने जब भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण कराया। बहुत विरोध होने पर जूनागढ़ का नवाब भागकर पाकिस्तान चला गया और तब जूनागढ़ भारत में मिला लिया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत की विभिन्न बिखरी हुई रियासतों और भू-भागों के एकीकरण में सरदार पटेल के उल्लेखनीय योगदान के कारण ही उन्हें 'भारत का बिस्मार्क' (जर्मन साम्राज्य का प्रथम चांसलर) भी कहा जाता है। देश की आजादी के बाद पटेल स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री और पहले उप-प्रधानमंत्री बने। उनका व्यक्तित्व बचपन से ही प्रभावशाली था। हालांकि पढ़ाई-लिखाई में वे औसत हुआ करते थे। उन्होंने दसवीं कक्षा की परीक्षा 22 साल की उम्र में उत्तीर्ण की थी। हाईस्कूल की पढ़ाई के बाद परिवार में आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने कॉलेज जाने के बजाय आगे की शिक्षा स्वाध्याय से ही प्राप्त की। बैरिस्टर की पढ़ाई उन्होंने लंदन जाकर पूरी की और कॉलेज जाने का अनुभव नहीं होने के बावजूद अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय देते हुए 36 साल की उम्र में लंदन के मिडिल टेंपल इन में बैरिस्टरी का 36 माह का कोर्स सिर्फ 30 माह में ही पूरा कर लिया और वापस आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे। महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने गांधी जी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने बारडोली सत्याग्रह का नेतृत्व करते हुए उसमें सफलता हासिल की थी, जिससे प्रसन्न होकर वहां की महिलाओं ने ही वल्लभ भाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि प्रदान की थी। भारतीय संविधान के निर्माण में भी पटेल का महत्वपूर्ण योगदान था। वे मूलाधिकारों पर बनी समिति के अध्यक्ष थे और उन्होंने अधिकारों को दो भागों (मूलाधिकार तथा नीति-निर्देशक तत्व) में रखने का सुझाव दिया था। आज जहां देश में हर तरफ भाई-भतीजावाद की राजनीति का बोलबाला है, वहीं देश का यह लौहपुरूष राजनीति में भाई-भतीजावाद के सख्त खिलाफ था और इसका सबसे बड़ा उदाहरण उन्होंने खुद अपने बेटे को राजनीति से दूर रखते हुए दिया भी।

नागनाथ या साँपनाथ

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

चुनावी दिनों में पत्रकार का रमाइक लिए लोगों के मुँह में घुसे रहते हैं। लोग हैं कि सरकार से रूठे रहते हैं। पाँचवां सवाल आया कि नहीं जनता बहू और सरकार सास बनी एक-दूसरे से मुंह फुलाए रहती हैं। जनता सरकार से जवाब की तलाश में अपनी जरूरतों को सवालों के रूप में लिए आँखें बिछाए रहती है। ऐसे में कोई पत्रकार सवाल पूछ ले तब तो इनका माथा और ठनक जाता है। आजकल टी.वी. स्टूडियो में भौंकने भर से टीआरपी बढ़ाने वाले लोगों के बीच आ जाएँ तो इससे बढ़िया बात और क्या हो सकती है।

ऐसे ही दिनों में एक बार एक पत्रकार ने चुनावी नब्ज और रुझान टटोलने के लिए एक बंदे से सवाल करने लगा – मान लीजिए यदि दो दलों के दोनों कैंडिडेट रुपए देते हैं, तो आप किसे वोट देंगे? इस पर बंदे ने मुस्कुराकर कहा - कमाल करते हो।

यह भी कोई पूछने वाली बात है। जो सबसे ज्यादा देगा मैं उसी को वोट दूँगा। पत्रकार ने एक और सवाल किया – मान लीजिए दो के बदले तीन कैंडिडेट खड़े हों तब किसे वोट दोगे? इस पर बंदे ने मुस्कुराकर कहा - बहुत सिंपल है। भाई जो ज्यादा देगा मैं उसी को वोट दूँगा। पत्रकार ने इस बार चालाकी भरा सवाल किया – मान लीजिए दस कैंडिडेट खड़े हैं।

सभी एक समान राशि देता है, तब आप क्या करेंगे? बंदे ने हल्के से पत्रकार के कान में कहा - कोई बेवकूफ ही होगा जो वोट देने के बारे में सोचेगा। इतना पैसा मिलने पर मैं तो सैर सपाटे पर निकल जाऊँगा। पत्रकार की हँसी छूट रही थी। जैसे-तैसे उसने खुद को संभाला। उसने पूछा – बिना वोट दिए यह कैसे संभव है? बंदे ने कहा - पिछले कई चुनावों से मैंने वोट नहीं दिया। फिर भी मेरा वोट कोई न कोई डाल ही देता है।

इस तरह सैर सपाटा और वोट दोनों हो जाता है। पत्रकार ने अंतिम सवाल पूछा – क्या ऐसा करने से आपको कभी नहीं लगा कि आपका वोट गलत कैंडिडेट को पड़ गया? बंदे ने कहा - वोट इसे मिले या उसे क्या फर्क पड़ता है। कोई नागनाथ है तो कोई साँपनाथ। इतना कहते हुए वह जोर-जोर से हँसने लगा।

करवा चौथ पर कब निकलेगा चांद?

हिंदू धर्म में करवा चौथ का विशेष महत्व है। यह व्रत विवाहित महिलाओं के बड़े व्रतों में से एक है, जिसमें सुहागन अपने पति की लंबी उम्र और उत्तम स्वास्थ्य के लिए कठोर निर्जला व्रत रखती हैं। यह व्रत प्रातः सूर्योदय से प्रारंभ होता है जो रात में चंद्रमा पूजन के बाद पति के हाथों से खुलता है। इस बीच महिलाएं किसी भी प्रकार का जल, अन्न, फल ग्रहण नहीं करतीं।

करवा चौथ व्रत की ऐसे करें शुरुआत

सतना चित्रकूट के अथर्ववेद आचार्य देवानंद जी ने बताया कि करवा चौथ के व्रत की शुरुआत सास के हाथ से सरगी लेकर की जाती है, जिसके बाद प्रातः ही स्नान-ध्यान के पश्चात व्रत का संकल्प लिया जाता है। पूरा दिन निर्जला व्रत रहें। इस बीच संपूर्ण पूजन सामग्री इकट्ठा कर लें। गाय के गोबर या मिट्टी से गौर गणेश बना लें, जिसके बाद माता गौरी का आह्वान करें। उन्हें सुहाग का संपूर्ण श्रृंगार चढ़ाएं। करवा में गेहूं और उसके ढक्कन में चीनी का बूरा रखें। रोली से करवा पर स्वास्तिक बनाएं। शाम में गौरी और गणेश की पूजा करें और कथा सुनें। रात्रि में चंद्रमा को देख पति से आशीर्वाद लें और व्रत का पारण करें।

व्रत का मुहूर्त- इस वर्ष कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को 31 अक्टूबर मंगलवार को रात 9 बजकर 30 मिनट से यह व्रत शुरू होकर 1 नवंबर को रात 9 बजकर 19 मिनट तक है। करवा चौथ की पूजा 1 नवंबर को शाम 5 बजकर 44 मिनट से 7 बजकर 2 मिनट तक की जा सकती है। उस दिन चंद्रोदय 8 बजकर 26 मिनट पर होगा।

भोग क्या चढ़ाएं

करवा चौथ के भोग और व्रत के पारण के लिए आप अपनी सुविधा अनुसार भोग बना सकती हैं, जैसे पूड़ी, हलवा, चूरमा, दाल, कढ़ी, खीर सब्जी इत्यादि। लेकिन, एक बात का खास ख्याल रखें कि इन भोगों में लहसुन-प्याज का प्रयोग न करें। इस व्रत में आप 56 प्रकार के भोग भी लगा सकती हैं। किसी प्रकार के खाद्य पदार्थ की इस व्रत में मनाही नहीं है।

किसने किया था सबसे पहले करवा चौथ?

श्री कृष्ण के कहने पर द्रौपदी ने भी रखा था ये व्रत!

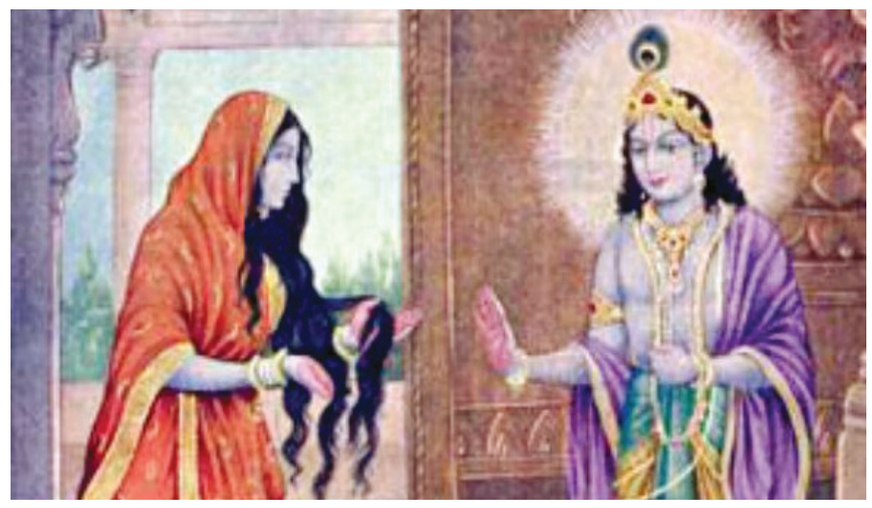

धार्मिक कथाएं कुछ और ही कहती हैं। कई कथाओं में तो करवा चौथ को करवा नाम की एक पतिव्रता स्त्री से जोड़कर देखा जाता है। कहा जाता है कि मगरमच्छ से अपने पति की जान बचाने और भगवान चित्रगुप्त से अपने पति के लिए लंबी आयु का वरदान प्राप्त करने के कारण से ही यह करवा चौथ नाम रखा जाता है।

धार्मिक कथाओं में कहा जाता है कि प्राचीन समय में करवा नाम की एक पतिव्रता स्त्री थी। वह अपने पति के साथ नदी किनारे बसे एक गांव में रहती थी। उसका पति काफी उम्रदराज था। एक दिन वह नदी में स्नान करने गया। नदी में नहाते समय एक मगरमच्छ ने उसका पैर पकड़ लिया और निगलने के लिए उसे अपनी तरफ खींचने लगा। इस पर वह अपनी पत्नी का नाम लेकर 'करवा करवा' चिल्लाकर अपनी पत्नी को सहायता के लिए पुकारने लगा।

कच्चे धागे से मगरमच्छ को बांध करवा पतिव्रता स्त्री थी और उसके सतीत्व में बहुत बल था। जैसे ही उसने अपने पति की आवाज सुनी, करवा दौड़कर अपने पति के पास पहुंची। उसने अपने पति का पैर मगरमच्छ के मुंह में देखकर अपनी सूती साड़ी से एक धागा निकाला और अपने तप से प्राप्त की हुई शक्ति से उस मगरमच्छ को कच्चे धागे से ही बांध दिया।

करवा चौथ मनाने की वजह

मगरमच्छ को उस सूत के धागे से बांधने के बाद करवा यमराज के पास पहुंची। यमराज उस समय भगवान चित्रगुप्त को खाते देख रहे थे। करवा अपने हाथ में लाई हुई सात सीकों को झाड़ने लगी। इससे यमराज के खाते इधर-उधर बिखर गए। उनका ध्यान करवा पर पड़ा। यमराज ने रुष्ट होते हुए पूछा 'देवी तुम क्या चाहती हो?'

इस पर करवा ने कहा कि यमराज एक मगरमच्छ ने मेरे पति का पैर पकड़ लिया है।

आप अपनी शक्ति से उस मगर को मृत्युदंड देखकर अपने लोक नरक में ले जाओ। इस पर यमराज ने कहा कि मगरमच्छ की आयु अभी शेष है।

समय से पहले मैं उसे मृत्यु नहीं दे सकता हूं।

इस पर करवा ने कहा कि 'यदि आप मगरमच्छ को मारकर, मेरे पति को दीर्घायु होने का वरदान नहीं देगें तो मैं अपने तप से प्राप्त की हुई शक्ति से आपको नष्ट होने का शाप दे दूंगी।

करवा के पति को लंबी आयु का वरदान दिया

वहीं करवा की बात सुनकर भगवान चित्रगुप्त सोच में पड़ गए। वह करवा के सतीत्व के कारण न तो उसे शाप दे सकते थे और न ही उसके वचन की अनदेखी कर सकते थे। और तभी उन्होंने मगरमच्छ को असमय ही यमलोक भेज दिया और करवा के पति को लंबी आयु का वरदान दिया। साथ ही चित्रगुप्त ने करवा को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा जीवन सुख और समृद्धि से भरपूर होगा।

भगवान चित्रगुप्त ने दिया था व्रत का वरदान

करवा का अपने पति के जीवन की इस तरह से रक्षा करने के कारण भगवान चित्रगुप्त ने खुश होकर करवा को यह वरदान भी दिया था कि इस तिथि पर जो भी महिला पूर्ण विश्वास और आस्था से व्रत और पूजन करेगी, मैं उसके सौभाग्य की रक्षा करूंगा। इस कारण पड़ा करवा चौथ नाम उस दिन कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी (चौथ) तिथि होने के कारण करवा और चौथ के मिलने से इस व्रत का नाम करवा चौथ पड़ा था।

इस तरह मां करवा वह पहली महिला हैं, जिन्होंने सुहाग की रक्षा के इस व्रत को न केवल पहली बार किया बल्कि इसकी शुरुआत भी की थी। इस व्रत के बारे में यह भी कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण जी के कहने पर द्रौपदी ने अर्जुन के लिए करवा चौथ का व्रत रखा था। इस व्रत का उल्लेख वराह पुराण में भी मिलता है।

करवा चौथ पर छलनी से क्यों देखा जाता है पति का चेहरा

चन्द्रमा की पूजा में जो सबसे महत्वपूर्ण है वो है छलनी। करवा चौथ व्रत में छलनी से ही अपने पति का चेहरा और चांद की पूजा करने का विधान है। शादीशुदा स्त्रियां छलनी में पहले दीपक रख चांद को देखती हैं और उसके बाद ही अपने पति को उस छलनी से निहारती हैं। लेकिन क्या आप ये जानते है कि इस व्रत में छलनी का इतना अधिक महत्व क्यों है? जबकि दूसरे किसी व्रत में ऐसा नहीं बताया गया है।

करवा चौथ व्रत में छलनी का प्रयोग क्यों?

पंडित राजेश पाराशर ने बताया कि हिन्दू मान्यताओं के अनुसार चन्द्रमा को भगवान शिव से लम्बी आयु का वरदान मिला हुआ है। जिसका उल्लेख करवा चौथ की कथा में भी है। इसलिए ही इस दिन महिलाएं चौथ का चांद छलनी से देखकर उनसे प्रार्थना करती है कि चन्द्रदेव कृपा करके अपने समस्त गुणों के साथ हमारे पति को लम्बी उम्र का वरदान दें। ऐसी मान्यता है कि चन्द्रमा को छलनी से देखने पर व्रत का पूर्ण फल प्राप्त होता है और पति को लम्बी उम्र का वरदान मिलता है।

व्रत कथा से जुड़ी कहनी?

करवा चौथ व्रत कथा में साहूकार के सात लड़को के बारे में बताया जाता है। कथा में बताया गया है कि सात भाईयों की एक बहन थी जिससे वो बहुत प्रेम करते थे। करवा चौथ के दिन जब बहन को भूखे बैठे देखा तो उनसे रहा नहीं गया और उन्होंने झूठा चन्द्रमा दिखाया। जिसके फलस्वरूप ऐसा करते ही उसके पति के प्राण चले गए। इसलिए ही छल से बचने के लिए चन्द्रमा को छलनी से देखने की प्रथा का आरम्भ हुआ।

पति के रक्षार्थ सुहागिन स्त्रियों का व्रत है करवाचौथ

भारतीय हिन्दु नारियों का पति की सुरक्षा हेतु प्रधान व्रत करवाचौथ है। चौथ तिथि को यह करवां यानि शुभ कर्म, व्रत होने से इसे करवाचौथ कहा जाता है। करवा एक पतिव्रता स्त्री का नाम है। जो अपने पति की सुरक्षा में अभियान के तहत योजनाबद्ध तरीके से संकल्पित व संघर्षपूर्ण दिव्य कर्म है करवां और चौथ चतुर्थी तिथि को कहा जाता है। व्रत संकल्पपूर्ण उद्देश्य का दृढ व स्थायी श्रद्धापूर्ण हार्दिक तमन्ना का नाम है। व्रत करने से अंदर की सुशुप्त शक्तियां जागृत हो जाती है। यह आत्मिक विश्वास परमात्मा के प्रति गहरी श्रद्धा का प्रतीक भी है। जो हमें अपने अभियान में सफलता प्रदान करती है। व्रत का आध्यात्मिक विज्ञान फलदायी व कल्याणकारी सिद्ध होता है। व्रत करने से आने वाले संकटों या आये हुए संकट टल जाते हैं तथा संकट भी भविष्य में नहीं आते हैं। तरह-तरह से संकटों, विघ्न-बाधाओं, समस्याओं से बचाव के लिए व्रत, त्यौंहार, पूजन की प्राचीनकालिक ऋषि प्रणीत परंपरा, विधा, मान्यता जन-जन के लिए कल्याणकारी, अनूठा व अनूपम है। अखंड सौभाग्य, दीर्घायु, सुंदर स्वास्थ्य व सुरक्षा की मंगल कामना सहित सुहागिन पतिव्रता महिलायें देश के काने-काने में, गांव, शहर, सभी राज्यों में पूर्ण हार्दिक श्रद्धा के साथ कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को यह पावन व्रत रखती हैं। यह व्रत चंद्रोदयव्यापिनी चौथ में किया जाता है। सौभाग्यवती स्त्रियां रात्रि में शिव, चंद्रमा, कार्तिकेय, गणेश आदि देवों के चित्र दीवाल पर पीसे ऐपन से बनाती है। इस दिन निर्जला व्रत की प्रधानता बतायी गई है। चंद्र दर्शन के बाद चंद्र को अर्घ्य देकर ही भोजन करना चाहिये। पीली मिट्टी की गौरा बनानी चाहिये। अधिकांश स्त्रियां चीनी या मिट्टी का करवा आदान-प्रदान करती हैं। इस व्रत को कोई भी जाति, वर्ण, संप्रदाय की स्त्रियां स्वेच्छापूर्वक करके पति की सुरक्षा की मंगल कामना कर सकती है। पति ही पत्नी के जीवन का आधार होता है। पत्नी का जीवन पति पर ही आश्रित होता है। पति के बिना पत्नी का जीवन निराधार व असहाय है। अतः पत्नी मां भवानी की तरह कष्ट सहकर पति की सुरक्षा हेतु तरह-तरह से व्रत, उपवास, तप, तितिक्षा का क्रम जीवन में बनाये रखती हैं तथा पति की सेवा मे पतिव्रता स्त्रियां एक पैर पर खड़ा रहती है। मित्रवत संबध भावना पूर्वक दांपत्य सूत्र बंधन के बाद बनाये रखना ही पतिव्रता स्त्रियों का शुभ संस्कार व मूल पहचान है। यह व्रत, त्यौंहार पति के प्रति अनुराग का शुभ प्रतीक होता है। जो उन्हें पति के प्रेम से जोड़े रहने मे काफी मददगार सिद्ध होता है। साथ ही दाम्पत्य जीवन का भवन आपस में पति व पत्नी दोनों मिलकर बनाते हैं। प्रेम की कहानी रचने में पल-पल विवाहित व्यक्ति ही अपने जीवन में कामयाब होते हैं। आज के समय में प्रेम कहानी रचने वाले इस विषय को अच्छी तरह से समझते हैं। इसलिए व्यक्ति आज सभी पर्वो, व्रतों को उत्सव बना दिये हैं।

छोटी-बड़ी सभी खुशियों को वो भरसक अपने जीवन में पूरी तरह से अपनाने का स्वर्णिम अवसर हाथ से जाने नहीं देना चाहते हैं। नियम, सिद्धांत व अनुशासन की जगह अब ज्यादा प्रेम, खुशी की मानसिकता, उत्साह, लगन अहम भूमिका का प्रश्न है। आज के प्रेम भरे वातावरण में संवेदनशील सोच और सामंजस्य ने संबध को आत्मिक रूप से जीने की रूचि उत्पन्न की है। हर क्षण में छुपी खुशियां सहेजने की चाहत ने जिन्दगी को एक सुंदर उत्सव बना दिया है।

- मुकेष ऋषि

जन्म तारीख से जानिए नवंबर की शुरुआत आपके लिए कैसी रहेगी

नए सप्ताह (31 अक्टूबर से 5 नवंबर) में अंक 1 वाले लोगों को समझदारी से काम लेना होगा। जल्दबाजी से बचें। अंक 4 वाले लोग इस सप्ताह व्यस्त रहेंगे। अंक 5 वाले लोगों को आत्मनिर्भर बनने की कोशिश करनी होगी।

अंक: 1 (जिन लोगों की जन्म तारीख 1, 10,19 या 28 है)

गणेश जी कहते हैं कि यह अच्छी-बुरी हर स्थिति में समझदारी से काम लें। अगर आप थोड़े एक्सप्रेसिव बनेंगे तो सफलता जल्दी मिलेगी। जहां एक ओर परिवार में सुखद स्थिति रहेगी। सरकारी कर्मचारियों के लिए व्यस्त समय रहेगा। इस सप्ताह कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा। रोजगार में आपकी प्रतिभा निखरेगी।

क्या करें: हनुमान जी की पूजा करें।
भाग्यशाली रंग: पर्पल
भाग्यशाली अंक: 3

अंक: 2 (जिन लोगों की जन्म तारीख 2, 11, 20 या 29 है)

गणेश जी कहते हैं कि ये सप्ताह संघर्षों और चिंताओं से भरा रहेगा। पुरानी बातों को भूलकर नए सिरे से जीवन की शुरुआत करें। सुख-दुख का आना-जाना लगा रहेगा। धैर्य रखें। महत्वपूर्ण रिश्तों में अहंकार होना ठीक नहीं है। काम के साथ पारिवारिक दायित्वों को समय पर पूरा करने पर ध्यान दें। इस सप्ताह पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा।

क्या करें: हनुमान चालीसा का पाठ करें।
भाग्यशाली रंग: लाल
भाग्यशाली अंक: 6

अंक: 3 (जिन लोगों की जन्म तारीख 3, 12, 21 या 30 है)

गणेश जी कहते हैं कि मन अच्छे और प्रगतिशील विचारों से प्रभावित होगा। सकारात्मक सोच नई दिशा में रंग लाएगी। किसी रचनात्मक काम में मन लगाएं। राजकाज में राजनेताओं की पकड़ मजबूत होगी। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में भ्रमित होने से बचें। माता के सहयोग से परिवार में आपका पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता में चल रहे प्रयास लाभदायक होंगे। कड़ी मेहनत से कुछ नई सफलताएं मिलेंगी।

क्या करें: पीपल के नीचे दीया जलाएं।
भाग्यशाली रंग: लाल
भाग्यशाली अंक: 7

अंक: 4 (जिन लोगों की जन्म तारीख 4,13, 22 या 31 है)

गणेश जी कहते हैं कि इस सप्ताह अधिकारियों से संबंध बनेंगे। कुछ चिंताएं आपको परेशान करेंगी। करियर के लिए आकस्मिक यात्रा हो सकती है। पुरानी घटनाओं को भूलकर आगे बढ़ें। इस सप्ताह रुके हुए कार्यों को निपटाने का प्रयास करेंगे। घरवालों की छोटी-छोटी बातों का बुरा न मानें। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव है। इस सप्ताह आप भौतिक सुख-सुविधाओं को लेकर चिंतित रहेंगे।

क्या करें: गोमाता को हरा चारा खिलाएं।
भाग्यशाली रंग: गुलाबी
भाग्यशाली अंक: 9

अंक: 5 (जिन लोगों की जन्म तारीख 5, 14 या 23 है)

गणेश जी कहते हैं कि गलत तरीके से बोलना हानिकारक हो सकता है। कठिन समस्याओं का सामना करने के लिए पूरे जोश के साथ तैयार रहें। अगर आप दूसरों की आलोचना करना बंद कर देंगे तो संबंधों से लाभ मिलेगा। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन में वैराग्य की भावना जागेगी। शुभ आकांक्षाओं से मन प्रभावित रहेगा। नई परिस्थितियां नई प्रतिभा लाएगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए घर से दूर रहना पड़ सकता है। इस सप्ताह आध्यात्मिक भावनाओं का प्रभाव रहेगा।

क्या करें: भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करें।
भाग्यशाली रंग: केसरिया
भाग्यशाली अंक: 2

अंक: 6 (जिन लोगों की जन्म तारीख 6, 15 या 24 है)

गणेश जी कहते हैं कि संघर्ष के साथ नई सफलताएं मिलेंगी। चिंताओं से बचें। एकाग्र रहें। दक्षता से प्रगति संभव है। कार्यक्षेत्र में कुछ विषम परिस्थितियां बाधा बनेंगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही नहीं करनी है। किसी धार्मिक या सामाजिक कार्य से प्रतिष्ठा बढ़ेगी। घर में मामूली तनाव की संभावना है। सप्ताह के अंत में परिश्रम करने के बाद मनचाहा परिणाम नहीं मिलने से चिंता रहेगी।

क्या करें: जरूरतमंद लोगों की मदद करें।
भाग्यशाली रंग: सुनहरा
भाग्यशाली अंक: 5

अंक: 7 (जिन लोगों की जन्म तारीख 7, 16 या 25 है)

गणेश जी कहते हैं कि खुद पर विश्वास रखें और कार्यक्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करके अपनी योग्यता साबित करेंगे। लंबे समय से अटका हुआ कोई कार्य पूरा हो जाएगा। जीवन में तालमेल बनाए रखें। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। इस सप्ताह नए व्यापारिक संबंधों में मजबूती आएगी। बड़ों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र का वातावरण सुखद रहेगा।

क्या करें: पीली वस्तु का दान करें।
भाग्यशाली रंग: गुलाबी
भाग्यशाली अंक: 5

अंक: 8 (जिन लोगों की जन्म तारीख 8, 17 या 26 है)

गणेश जी कहते हैं कि आर्थिक और घरेलू चिंताएं दबाव बनाएंगी। आप संबंधों का पूरा लाभ उठाएंगे। कार्यक्षेत्र में आप अपनी बातों से पूरा फायदा उठाएंगे। पूरे सप्ताह परिवार में प्रेम का संचार करने का प्रयास करेंगे। वर्तमान ग्रहों की अनुकूलता आपके लिए लाभकारी है। परिवार में कोई महत्वपूर्ण रुका हुआ काम सुलझ जाएगा। आलस से हानि हो सकती है। परिवार की बातों का बुरा न मानें।

क्या करें: गणेश जी की पूजा करें।
भाग्यशाली रंग: पीला
भाग्यशाली अंक: 6

अंक: 9 (जिन लोगों की जन्म तारीख 9, 18 या 27 है)

गणेश जी कहते हैं कि इस सप्ताह ईश्वरीय आस्था के साथ सुख-शांति की अनुभूति होगी। आपका जुझारू स्वभाव आपको हर समस्या से निपटने में सक्षम बनाएगा। पुरानी मार्मिक घटनाओं का असर रहेगा। परिवार में मर्यादा का ध्यान रखने से सभी संबंधों में मधुरता आएगी। भावनात्मक तौर पर अकेलापन महसूस होगा। सोमवार और बुधवार को रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

क्या करें: योग-प्राणायाम का अभ्यास करें।
भाग्यशाली रंग: जामुनी
भाग्यशाली अंक: 6

प्रियंका के अभिनय की फैन हैं भूमि, अभिनेत्री ने साझा किया देसी गर्ल संग पहली मुलाकात का किस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'थैंक्यू फॉर कमिंग' को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। मामी फिल्म फेस्टिवल में अभिनेत्री अपने बोल्ड लुक से दर्शकों के बीच तहलका मचा रही हैं। अभिनेत्री की फिल्म को भी दर्शकों की अच्छी खासी प्रतिक्रिया मिल रही है। अब इस बीच भूमि ने अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की तारीफ की है और बताया है कि अभिनेत्री संग उनकी पहली मुलाकात कितनी बेहतरीन रही है।

प्रियंका चोपड़ा की बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। साल 2002 में अभिनय में कदम रखने वाली देसी गर्ल ने दो दशकों से अधिक के अपने करियर में एक लंबा सफर तय किया है। इस बीच अब भूमि पेडनेकर ने हाल ही में साझा किया कि वह पहली बार प्रियंका से अपने स्कूल के दिनों के दौरान मिली थीं, जब अभिनेत्री उनके स्कूल में मुख्य अतिथि के रूप में आई थीं। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह मुलाकात उनके दिल में हमेशा के लिए रच-बस गई थी।

मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल के मास्टरक्लास में भूमि पेडनेकर और प्रियंका चोपड़ा का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दोनों आपस में बातचीत में करने में व्यस्त नजर आईं। बातचीत के दौरान भूमि ने याद किया कि कैसे वह पहली बार प्रियंका से मिली थीं। भूमि और प्रियंका के भाई सिद्धार्थ चोपड़ा एक ही स्कूल में गए थे और उनके एनवल फंक्शन के दौरान प्रियंका को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। तब भूमि ने पहली बार प्रियंका को देखा था। भूमि ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, 'हम सभी लोग स्टेज पर परफॉर्मेंस दे रहे थे। पूरे परफॉर्मेंस के दौरान मैं सिर्फ प्रियंका को ही देख रही थी क्योंकि वह ऐसा समय था, जब मैं एक पल के लिए भी अपनी आंखें उनकी तरफ से हटाना सही नहीं समझ रही थी। मैं बस उस पल को कैद कर के रख लेना चाहती थी। भूमि ने बताया कि परफॉर्मेंस के बाद प्रियंका ने उन्हें पीछे मुड़ कर देखा, जो उनके लिए काफी यादगार बन गया था।'

भूमि पेडनेकर के वर्क फ्रंट की बात करें तो बीते दिनों उन्हें महिला केंद्रित फिल्म 'थैंक यू फॉर कमिंग' में देखा गया। भूमि के अलावा शहनाज गिल, कुशा कपिला, शिबानी बेदी, अनिल कपूर भी फिल्म में नजर आए। 'द लेडी किलर' भूमि पेडनेकर की आगामी फिल्म है, जिसमें वह अर्जुन कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी।

ट्रोल हुए रणवीर सिंह : कॉफी विद करण 8 में सुनाई दीपिका से मुलाकात की कहानी, कभी अनुष्का को लेकर सुनाई थी ऐसी ही कहानी

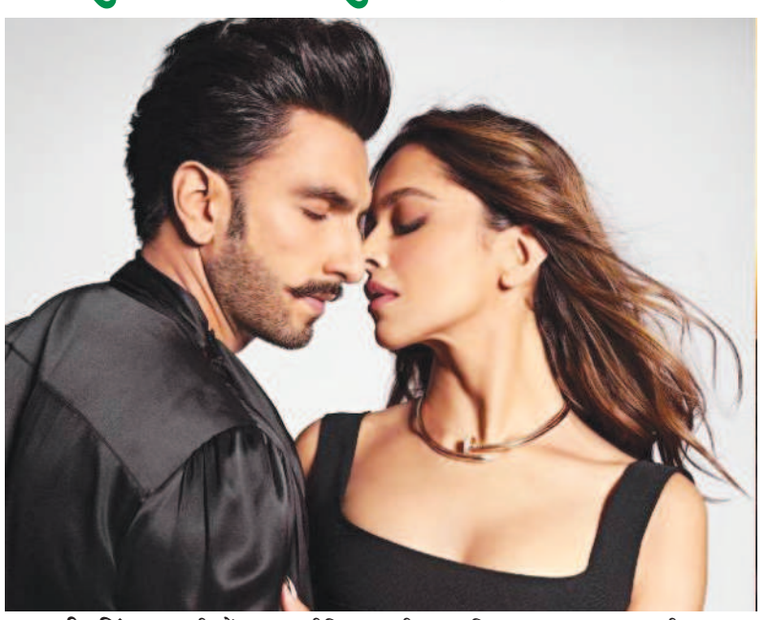

रणवीर सिंह हाल ही में वाइफ दीपिका पादुकोण के साथ 'कॉफी विद करण 8' के पहले एपिसोड में नजर आए। इसके बाद से ही दोनों को लगातार ट्रोल किया जा रहा है। अब रणवीर का एक पुराना वीडियो क्लिप वायरल है। यह वीडियो तब का है जब रणवीर अपनी पूर्व गर्लफ्रेंड अनुष्का शर्मा के साथ कॉफी विद करण में पहुंचे थे।

रणवीर ने सुनाई मैच करती कहानी

दरअसल, 'कॉफी विद करण' के 8वें सीजन के पहले एपिसोड में करण से बात करते हुए रणवीर ने उन्हें अपनी और दीपिका की लव स्टोरी सुनाई। रणवीर ने बताया कि दीपिका से उनकी पहली मुलाकात कैसे और कहां हुई थी।

रणवीर की यह कहानी उनके उस वीडियो से मैच कर रही है जो उन्होंने कॉफी विद करण के पुराने एपिसोड में सुनाई थी। फर्क सिर्फ इतना है कि तब यही कहानी उन्होंने अनुष्का से पहली मुलाकात का जिक्र करते हुए सुनाई थी।

2011 में रणवीर ने यह कहा था

रणवीर साल 2011 में अनुष्का शर्मा के साथ इस चैट शो पर पहुंचे थे, तब उन्होंने इसी तरह अनुष्का की तारीफों के पुल बांधे थे। रणवीर ने कहा था, 'मैंने 'रब ने बना दी जोड़ी' देखी और अनुष्का से पूरी तरह इनका दीवाना हो गया। इसके बाद मैं डिनर के लिए बाहर गया और मैं सिर्फ अनुष्का के बारे में ही बात किए जा रहा था... तभी दरवाजा खुला.. एक हवा का झोंका आया और मेरे सामने अनुष्का शर्मा खड़ी हुई थीं।'

सीजन 8 में सुनाई सेम कहानी

वहीं अब करण के शो में रणवीर ने दीपिका की तारीफ करते हुए कहा, 'उस दौरान दीपिका की 'कॉकटेल' रिलीज हुई थी और मैं उस फिल्म को देखकर इनका दीवाना हो गया था। एक दिन मैं संजय लीला भंसाली के घर पर बैठा था। हम डिस्कस कर रहे थे कि किस हीरोइन को कास्ट करें और अचानक उनके घर के दरवाजे खुले। बाहर से हवा का झोंका आया और एक बड़े से दरवाजे से दीपिका की एंट्री हुई। दीपिका ने सफेद चिकनकारी कुर्ता पहना था और वो सादगी की मूरत लग रही थीं।'

ट्रोलिंग का शिकार हुए रणवीर

इस वीडियो के वायरल होने के बाद से लोग रणवीर को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि उन्होंने अपनी पुरानी लव स्टोरी ही दोबारा सुना दी है।

एक यूजर ने लिखा, 'इंटरनेट पर कुछ भी मिस नहीं होता, अनुष्का, दीपिका या वो हवा।' एक अन्य यूजर ने लिखा 'रणवीर अपना लेडीज Vs रिकी बहल वाला किरदार निभा रहे हैं।' रणवीर और दीपिका की मुलाकात संजय लीला भंसाली की फिल्म 'राम-लीला' के सेट पर हुई थी। दोनों ने 2018 में शादी की थी।

शाहरुख खान के साथ काम करना चाहती हैं फातिमा सना शेख

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के साथ फिल्म 'दंगल' से अपने करियर की शानदार शुरुआत करने वाली फातिमा सना शेख आए दिन खबरों में बनी रहती हैं। जहां एक तरफ आमिर खान संग अभिनेत्री की नजदीकी चर्चा का विषय बनी रहती है, वहीं दूसरी तरफ उनके फिल्मी प्रोजेक्ट्स भी खूब सुर्खियों में रहते हैं। आखिरी बार फिल्म 'धक धक' में नजर आईं फातिमा जल्द ही 'सैम बहादुर' के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए लौट रही हैं। ऐसे में फातिमा सना शेख लगातार मीडिया खबरों में बनी हुई हैं। अब हाल ही में एक साक्षात्कार में फातिमा ने बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान के साथ काम करने की इच्छा जताई है।

'दंगल' में आमिर खान के साथ दो अभिनेत्रियों ने अपने करियर की शुरुआत की थी। यह और कोई नहीं बल्कि 'सैम बहादुर' में फिर एक साथ काम करती नजर आने वाली फामिता सना शेख और सान्या मल्होत्रा हैं। दोनों की जोड़ी एक बार फिर पर्दे पर धमाल मचाती नजर आने वाली है। खास बात यह है कि फातिमा और सान्या के सपने एक-दूसरे से बहुत मिलते-जुलते हैं। जहां सान्या शाहरुख खान संग 'जवान' में काम करके अपना सपना

पूरा कर चुकी हैं, वहीं फातिमा ने भी जल्द से जल्द एसआरके के साथ फिल्म में नजर आने की इच्छा व्यक्त की है।

शाहरुख खान के साथ पूरी दुनिया के कई बड़े-बड़े सितारे स्क्रीन साझा करना चाहते हैं। विदेशी सुपरस्टार्स से लेकर यह हमारे भारतीय सेलेब्स की भी इच्छा होती है। ऐसे बहुत से सितारे हैं, जो अभी भी ऐसा करने में असफल रहे हैं और आने वाले समय में शाहरुख खान के साथ काम करने की इच्छा रखते हैं। इन्हीं सेलेब्स में फातिमा सना शेख का नाम भी शामिल हो गया है। फातिमा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में किंग खान के साथ काम करने को लेकर उत्सुकता जताते हुए कहा कि वह यह उम्मीद कर रही हैं कि एक दिन उन्हें शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका मिलेगा।

फातिमा सना शेख ने यह भी कहा कि शाहरुख खान के साथ काम करना उनकी बकेट लिस्ट का हिस्सा है, जिसे वह पूरा करना चाहती हैं। उन्होंने 'सैम बहादुर' की निर्देशक मेघना गुलजार की भी प्रशंसा की। फातिमा ने मेघना को एक शानदार निर्देशक बताया और बोलीं, 'सैम बहादुर निर्देशक जानती हैं कि वह क्या चाहती हैं।' विक्की कौशल के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए फातिमा ने बताया कि विक्की कौशल एक शानदार अभिनेता हैं।

फातिमा सना शेख को आखिरी बार फिल्म 'धक धक' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ दीया मिर्जा, संजना सांघी और रत्ना पाठक शाह भी मुख्य भूमिका थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने में असफल रही थी। हालांकि, वह जल्द ही मेघना गुलजार निर्देशित फिल्म 'सैम बहादुर' में नजर आएंगी। इस फिल्म में फातिमा सना शेख भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ विक्की कौशल और सान्या मल्होत्रा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। 'सैम बहादुर' एक दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

एनिमल और फाइटर के लिए अनिल ने किया फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन : बोले- यह मुश्किल था, वरुण धवन ने रिप्लाय दिया- 18 साल के हो तो करना आसान

अनिल कपूर की अपकमिंग फिल्म 'एनिमल' है जिसमें वो रणबीर कपूर के 65 साल के पिता बलबीर सिंह का रोल प्ले कर रहे हैं। वहीं फिल्म फाइटर में अनिल 45 साल के इंडियन एयर फोर्स ऑफिसर का किरदार निभा रहे हैं। इन दोनों ही किरदारों के लिए अलग लुक और बॉडी की डिमांड है, जिसके लिए 66 साल के अनिल कपूर सीरियस फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरे हैं।

रविवार को अनिल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'दो एकदम अलग-अलग किरदारों के बीच स्विच करना बहुत चैलेंजिंग

था। एनिमल के 65 साल के बलबीर से लेकर फाइटर के 45 वर्षीय रॉकी तक..

मैंने जो प्रेस्टीजियस यूनिफॉर्म पहनी थी, उसके साथ न्याय करने के लिए मुझे सीरियस फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरना पड़ा। अब जब मैंने दोनों फिल्मों की शूटिंग पूरी कर ली है, तो मैं ऑडियंस के रिएक्शन का इंतजार नहीं कर पा रहा है।' अनिल की इस पोस्ट पर फैंस और कई बॉलीवुड सेलेब्स ने रिएक्शन दिया है। एक्टर वरुण धवन ने लिखा, 'जब आप सिर्फ 18 साल के हो तो यह फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन आसान है। अनिल सर जब आप 30 के हो जाएंगे तब यह करना मुश्किल होगा।' वहीं अनिल की बेटी सोनम कपूर, सुनील शेट्टी और डायरेक्टर फराह खान ने भी इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए अनिल की डेडीकेशन की तारीफ की।

हालांकि, यह पहली बार नहीं जब अनिल ने ऐसा कोई मोटिवेशनल पोस्ट शेयर किया हो। एक्टर अक्सर अपने फैंस के साथ अपना वर्कआउट रुटीन शेयर करते हैं। अनिल हाल ही में एक एड में मिस्टर इंडिया के लुक में नजर आए हैं। यहां वो बिल्कुल वैसे ही लग रहे थे जैसे 36 साल पहले रिलीज हुई फिल्म में नजर आए थे। इस एड के सामने आने के बाद फैंस ने उनकी हिट फिल्म 'मिस्टर इंडिया' के सीक्वल की डिमांड भी कर दी है।

वाइट बार्बी बनकर जिया शंकर ने किया रैंप वॉक तो नजर भरकर देखने लगे लोग, एक्ट्रेस की क्यूटनेस पर फिदा हैं फैंस

टीवी एक्ट्रेस जिया शंकर को हाल ही में रैंप पर चलते देखा गया, जहां वो वाइट कलर की बॉडीकॉन ड्रेम में वॉक कर रही हैं। जिया को ऐसे चलते देख फैंस उनके आगे अपना दिल हार चुके हैं। जिया शंकर ने इससे पहले करण जौहर के साथ भी अपने फैन मोमेंट की फोटो शेयर की थी।

जिया शंकर ने अपने रैंप वॉक और लेटेस्ट लुक से सबका ध्यान खींचा। मोतियों से बनी वाइट ड्रेस में जिया बहुत खूबसूरत लग रही थीं और नेटिज़न्स ने इसे बहुत पसंद किया। 'बिग बॉस ओटीटी 2' की जिया शंकर फैशन शो की शो स्टॉपर थीं। जिया एक खूबसूरत सफेद ड्रेस में शोस्टॉपर थीं। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर इवेंट की तस्वीरें शेयर कीं। 'बिग बॉस ओटीटी 2' फेम ने कॉन्फिडेंस के साथ रैंप पर वॉक किया और अपनी खूबसूरत मुस्कान बिखेरकर सभी का दिल जीत लिया।

जिया शंकर ने मोतियों से जड़ा सफेद बॉडी-कॉन जंपसूट पहना था। एक्ट्रेस ने अपने ग्लैमरस हेयरस्टाइल और मेकअप के साथ लुक को बैलेंस किया है। नेटिज़न्स ने इसे सोशल मीडिया पर शेयर किया और उनके लिए अपना खूब सारा प्यार जताया।

फैंस देखते ही हार गए अपना दिल

एक यूजर ने लिखा, 'जिया शंकर द क्वीन, आप पूरी तरह से कार्पेट पर छा गई हैं।' एक यूजर ने लिखा, 'वह बहुत खूबसूरत लग रही हैं। #जियाशंकर #अभिया।' एक का कहना था, 'उनकी चाल में खूबसूरती है, उनका कॉन्फिडेंस बेहतरीन है, जो हर किसी को जिया शंकर की ओर खींचता है।'

जिया शंकर के शोज

एक्ट्रेस को हाल ही में एक फैन मोमेंट मिला, जब वह बॉलीवुड डायरेक्टर और मेकर करण जौहर से मिलीं। उन्होंने उनके साथ एक तस्वीर शेयर की और प्यारा कैप्शन लिखा। वर्कफ्रंट पर, वह टीवी शो 'पिशाचिनी', 'कांटेलाल एंड संस' में अपने रोल्स के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने 'बिग बॉस ओटीटी' के दूसरे सीजन में भी हिस्सा लिया था।

बर्थडे पर अनन्या पांडे ने दोस्तों के साथ मचाई धूम, शानदार टू-टियर केक और बॉलीवुड फ्रेंड्स संग पार्टी-धमाल

अनन्या पांडे 30 अक्टूबर को अपना 25वां जन्मदिन मना रही हैं। और रात को ही उन्होंने अपने दोस्तों के साथ जमकर पार्टी की। उसके बाद एयरपोर्ट पर भी दिखीं। अनन्या के बर्थडे सेलिब्रेशन की फोटोज सामने आई हैं और उनका बर्थडे केक सबसे ज्यादा शानदार लग रहा है।

जश्न का माहौल है क्योंकि अनन्या पांडे आज अपना 25वां जन्मदिन मना रही हैं। हिट फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' की सक्सेस के बाद अनन्या पांडे को हाल ही में एयरपोर्ट पर देखा गया था, जिससे अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह अपने कथित बॉयफ्रेंड आदित्य रॉय कपूर के साथ बर्थडे मनाने जा रही हैं। हालांकि, उड़ान भरने से पहले उन्होंने दोस्तों के साथ केक काटा। पार्टी की अंदर की फोटोज अब सामने आ गई हैं, जिनमें उनके कई दोस्त हैं।

अनन्या पांडे 30 अक्टूबर को आधिकारिक तौर पर 25 साल की हो गई हैं। उन्होंने अपने दोस्तों के साथ पहले ही जश्न मनाना शुरू कर दिया है। अपने दोस्त ओरी की ले गई फोटो में अनन्या एक छोटी नीली ड्रेस और सफेद फ्लैट्स में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उनका मेकअप लाइट था और उन्होंने अपने बालों को एक कैजुअली एलिगेंट बन में स्टाइल किया था, जिसके साथ छोटे-छोटे स्टड भी थे।

अनन्या पांडे का बर्थडे सेलिब्रेशन

इन तस्वीरों में अनन्या अपने दोस्तों के साथ स्टाइल और ग्रेस दिखाते हुए पोज देती नजर आ रही हैं। केक काटने की फोटो में एक्ट्रेस की ग्लैमरस तस्वीरों से सजे टू-टियर केक को दिखाया गया है, साथ ही इस पर मैसेज भी लिखा है, 'जन्मदिन मुबारक हो अनन्या पांडे 30/10/23।' अपने करीबी दोस्तों के बीच जश्न मनाते हुए अनन्या के चेहरे पर मुस्कान और खुशी है।

अनन्या पांडे और आदित्य फिलहाल कथित बॉलीवुड लवबर्ड्स बने हुए हैं। दोनों ने कुछ रात पहले कपल गोल्स देकर हलचल मचा दी थी। अलग-अलग पहुंचने के बावजूद, दोनों मैचिंग स्टाइलिश ब्लैक आउटफिट में ही नजर आए। रेस्तरां के एक वायरल इनसाइड वीडियो में उनके बीच एक रोमांटिक पल कैद हो गया। अनन्या आदित्य के कंधे पर झुकी हुई थीं, दोनों ने हग किया था और वे लोगों से बातचीत में लगे रहे।

अनन्या के बर्थडे पर एक और ट्रिप!

अनन्या और आदित्य लगातार एक साथ ट्रिप पर जाकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। यह जोड़ी पहले तब सुर्खियों में आई थी जब पुर्तगाल में उनकी छुट्टियों की झील के किनारे की प्यारी तस्वीरें इंटरनेट पर लीक हो गई थी। अब, ऐसा लग रहा है कि वे एक और रोमांटिक छुट्टी के लिए निकल रहे हैं और ये जाहिर तौर पर अनन्या का जन्मदिन मनाने के लिए है क्योंकि उन्हें कल एयरपोर्ट पर अलग-अलग देखा गया था।

अनन्या पांडे और आदित्य फिलहाल कथित बॉलीवुड लवबर्ड्स

मलेरिया से जल्द स्वस्थ होने के लिए रोजाना करें इन योगासन को

मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छरों के काटने से फैलता है। बच्चों में मलेरिया की गंभीर स्थिति जानलेवा हो सकती है। सामान्यतः मलेरिया वातावरण में नमी या बरसात के मौसम में जमा पानी के कारण होता है। नमी के कारण संक्रमण और बैक्टीरिया के पनपने के लिए यह सबसे उपयुक्त परिस्थिति हो सकती है। मलेरिया के मच्छर के काटने पर कुछ सामान्य लक्षण दिखते हैं, जिसमें बुखार, सिर दर्द, उल्टी आना, ठंड लगना, थकान होना, चक्कर आना और पेट में दर्द हो सकता है। मलेरिया के इलाज के लिए करीब दो सप्ताह तक दवाइयां चलती हैं। हालांकि मलेरिया के इलाज के बाद भी कमजोरी और थकान रहती है। बीमारी के बाद रिकवरी में समय लगता है।

योग विशेषज्ञ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और बीमारि से जल्द रिकवरी के लिए योगासनों के अभ्यास की सलाह देते हैं। यहां कुछ योगासनों के बारे में बताया जा रहा है, जिनका डेंगू या मलेरिया के बाद तेज रिकवरी के लिए अभ्यास कर सकते हैं।

सिद्धा वॉक

ध्यान पूर्वक टहलने को सिद्धा वॉक का नाम दिया गया। सिद्धा वॉक को 8 वॉकिंग के नाम से भी जाना जाता है। फिट रहने और वजन कम करने के लिए लोग वॉक करते हैं। वॉक मन और मस्तिष्क को शांत कर सकता है। सिद्धा वॉक से सेहत को कई लाभ मिल सकते हैं। आप घर पर कमरे में, छत पर या बागीचे में इसे कर सकते हैं। आमतौर पर सिद्धा वॉक को योग से जोड़ा जाता है, क्योंकि ये वॉकिंग के साथ ही मेडिटेशन का काम करता है।

सिद्धा वॉक 8 के शेप में होती है, जिसमें दक्षिण से उत्तर दिशा में लगभग 6 फीट के दो गोले होते हैं। दोनों गोलों के बीच लगातार वॉक करना होता है। इस दौरान मन को शांत रखना होता है। पेट पूरी तरह से खाली होना चाहिए और नंगे पैर वॉक करनी चाहिए।

वज्रासन योग

वज्रासन योग पाचन तंत्र को तुरुस्त रखता है, मन को शांत करता है। नींद और ब्लड प्रेशर की परेशानी को कम करने के साथ ही इम्यूनिटी मजबूत करता है। इस आसन को करने के लिए घुटनों को टेककर बैठ जाएं। पीठ सीधी रखते हुए एड़ियों के बीच गैप में कूल्हों को टिका लें। अब दोनों हाथों को गोद में रखते हुए कुछ देर इसी मुद्रा में बैठे रहें।

शक्ति मुद्रा

मौसम में बदलाव या डेंगू-मलेरिया के कारण होने वाले सर्दी-जुकाम और बुखार की समस्या से राहत पाने के लिए शक्ति मुद्रा फायदेमंद है। अस्थमा के रोगियों के साथ ही प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए शक्ति मुद्रा का अभ्यास करना चाहिए। इस मुद्रा के अभ्यास के लिए सबसे पहले दोनों हाथों के अंगूठों को शेष उंगलियों के बीच दबाकर मुट्ठी बना लें। अब नाभि के नीचे पेट पर हल्के से हाथ रखें। दोनों मुट्ठियों के बाच दो इंच का अंतर हो। लंबी, गहरी और धीमी श्वास लेते हुए दिन में दो तीन बार इसका अभ्यास कर सकते हैं।

भस्त्रिका प्राणायाम

यह प्राणायाम शरीर के विषाक्त पदार्थों को खत्म करता है और फेफड़ों में कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को कम कर सकता है। इसके अभ्यास से गले की सूजन और कफ भी कम हो सकता है।

बार-बार यूरिन आना, जलन-दर्द होना इन कारणों से हो सकता है

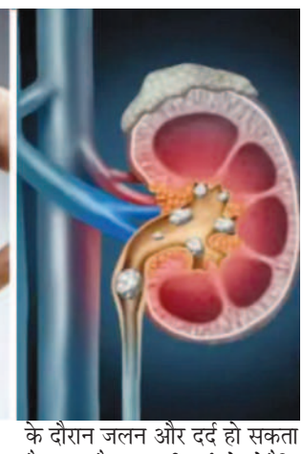

यूरिन संबंधी परेशानियों में बार-बार यूरिन आना, जलन या दर्द जैसे लक्षण शामिल हो सकते हैं। कई बार तरल पदार्थों या कैफीन के ज्यादा सेवन से बार-बार यूरिन आता है, लेकिन इसे हलके में नहीं लेना चाहिए और समय पर इलाज करवाना चाहिए क्योंकि यह किसी गंभीर बीमारी की वजह से भी हो सकता है, या फिर गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है। होम्योपैथिक चिकित्सा में यूरिन से जुड़ी समस्याओं के आसान इलाज संभव है।

यूरिन संबंधी समस्याएं इन कारणों से हो सकती हैं-

प्रोस्टेट में सूजन

पुरुषों में यूरिन संबंधी परेशानी की एक वजह प्रोस्टेट में सूजन या प्रोस्टेट का बढ़ना हो सकता है। आमतौर पर यह समस्या 40 से 50 साल की उम्र के पुरुषों में ज्यादा देखी जाती है। प्रोस्टेट में सूजन आने से यूरिनरी ट्रैक्ट पर दबाव पड़ता है और यूरिन खुलकर नहीं आता। इसके अलावा प्रोस्टेट बढ़ने के कुछ और संकेत होते हैं जिनमें अचानक यूरिन करने की तेज इच्छा होना, रात को बार-बार यूरिन जाना। यूरिन करने में परेशानी या धार पतली होना और यूरिन करने के लिए ज्यादा जोर लगाने की आवश्यकता होना शामिल है। समय पर इन लक्षणों की पहचान कर ली जाए तो इस समस्या को होम्योपैथिक दवाइयों से ठीक किया जा सकता है अन्यथा यह परेशानी प्रोस्टेट कैंसर में बदल सकती है।

गुर्दे की पथरी

यूरिन संबंधी समस्याओं की एक और वजह है गुर्दे की पथरी। जो लोग कम पानी पीते हैं उनका यूरिन गाढ़ा हो जाता है। इससे उनकी किडनी में यूरिक एसिड और कैल्शियम ऑक्सोलेट क्रिस्टल्स जमने लगते है। होम्योपैथिक दवा के उपयोग से गुर्दे की पथरी निकल जाती है। हालांकि यदि पथरी का साईज बढ़ जाए तो सर्जरी करने की आवश्यकता हो सकती है।

यूरिनरी ट्रैक्ट का इन्फेक्शन

यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन यानि यूटीआई महिलाओं की आम समस्या है, लेकिन यह पुरुषों को भी हो सकता है। इसकी वजह से बार-बार यूरिन जाना पड़ता है और यूरिन के दौरान जलन और दर्द हो सकता है। आमतौर पर यूटीआई होम्योपैथि दवा लेने से आसानी से ठीक हो जाता है । इस बीमारी से बचाव के लिए जरूरी है कि अंदरूनी अंगों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए।

मधुमेह

शुगर की बीमारी यानी मधुमेह में भी यूरिन संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। मधुमेह से पीड़ित लोगों को बार-बार यूरिन के लिए जाना पड़ता है। इसकी वजह यह है कि ब्लड में शुगर बढ़ने से हमारी किडनियां उसकी प्रोसेसिंग पूरी तरह नहीं कर पातीं और यूरिन द्वारा शुगर पास होता है जिससे जलन होती है, साथ ही यूरिन के जरिए ढेर सारा पानी निकल जाता है जिससे प्यास लगती है और बार-बार पानी पीने से बार-बार यूरिन जाना पड़ता है। होम्योपैथि के मिलिसिमल पोटेंसी की दवा इसपर काफी कारगर है।

प्रेग्नेंसी

प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में होने वाले बदलाव भी यूरिन संबंधी परेशानी पैदा करते हैं। इसके अलावा गर्भाशय में बढ़ते बच्चे के लिए जगह बनाने से ब्लैडर पर दबाव पड़ता है। ब्लैडर छोटा होने से ज्यादा यूरिन जमा नहीं कर पाता और गर्भवती महिला को जल्दी-जल्दी यूरिन करने की आवश्यकता पड़ती है। प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में ज्यादा ब्लड बनता है और किडनियां ज्यादा फ्लुइड की प्रोसेसिंग करती हैं जिससे ज्यादा यूरिन बनता है। प्रेग्नेंसी के दौरान यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन की संभावना भी बढ़ जाती है।

ओवरएक्टिव ब्लैडर

इस समस्या के दौरान ब्लैडर की मांसपेशियां अपने आप सिकुड़ने लगती हैं और पीड़ित व्यक्ति को बार-बार यूरिन जाने का अहसास होता है। आमतौर पर यह सोचा जाता है कि बुढ़ापे की वजह से मांसपेशियां कमजोर होने से यह समस्या होती है लेकिन ऐसा नहीं है। इस बीमारी की समय पर जांच करवाना जरूरी है। लाइफस्टाइल में बदलाव करके भी इस समस्या से बचा जा सकता है। यूरिन संबंधी परेशानियां अन्य बीमारियों के समान ही हैं और इनका समय पर इलाज करवाने से ये ठीक हो जाती हैं।

क्या आपके भी पेट के ऊपरी हिस्से में हो रहा है दर्द?

अक्सर आपने देखा होगा कुछ लोगों को पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस होता है. इस दर्द के पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं. ऐसे में लोगों को इनके बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द किस कारण से होता है.

पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द

बता दें जब किसी व्यक्ति को अपच की समस्या हो जाती है तो उसके कारण से पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस हो सकता है. व्यक्ति को इस कारण जलन भी महसूस हो सकती है. जब व्यक्ति को पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस होता है तो इसके पीछे गोल ब्लैडर में पथरी भी एक कारण हो सकती है. यह पथरी दाहिने कंधे में दर्द, उल्टी या मतली, ब्रेस्टबोन के नीचे अचानक तेज दर्द आदि लक्षणों के साथ हो सकती है. जब व्यक्ति की नाभि खिसक जाती है तो इसके कारण व्यक्ति को पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस हो सकता है. ये दर्द धीरे-धीरे घूमता रहता है. इसके कई कारण हो सकते हैं. जब किसी व्यक्ति को लिवर से जुड़ी बीमारियों की समस्या हो जाती है. तभी व्यक्ति को पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस हो सकता है. यह लक्षण इस बात का भी हो सकता है कि लीवर में फोड़ा हो गया है, जिससे लिवर डैमेज होने लगती है. ऐसे में व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है. जब व्यक्ति को पेप्टिक अल्सर की समस्या हो जाती है यानी एक ऐसा घाव जो पेट की परत के अंदर या आपकी छोटी आंत के ऊपर हिस्से में होता है तब भी व्यक्ति को पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस हो सकता है.

इन चीजों को छील कर खाने से कम हो जाती है इनकी पौष्टिकता?

शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति के लिए सभी लोगों को दैनिक आहार में कई तरह के फलों-सब्जियों को शामिल करने की सलाह दी जाती है। मौसमी फलों को पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है। इतना ही नहीं कुछ फलों में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट गुण आपको तमाम तरह की गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ फलों की अधिकतर पोषकता उसके छिलकों में होती है, ऐसे में इन्हें छील कर खाने से उन पोषक तत्वों का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक फलों का सेवन करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

फलों से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए इसका सही ढंग से और सही समय पर सेवन करना जरूरी होता है। अध्ययनों में इस बात के भी प्रमाण मिलते हैं कि सूर्यास्त के बाद फलों का सेवन नहीं करना चाहिए, ये मेटाबॉलिज्म को प्रभावित कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि किन फलों को छिलके सहित खाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है? कहीं आप भी तो अब तक इन्हें छील कर खाने की गलती नहीं कर रहे थे?

सेब को खाएं छिलके सहित

आपने भी कई लोगों को छील कर सेब खाते देखा होगा, विशेषज्ञ इसे गलत तरीका मानते हैं। सेब के मुख्य फल की ही तरह, इसके छिलके में भी कई प्रकार के पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो आपके लिए विशेष लाभप्रद हो सकते हैं। छील कर सेब खाने की तुलना में अगर हम इसे छिलके सहित खाते हैं तो इससे 332% अधिक विटामिन-के, 142% अधिक विटामिन-ए, 115% अधिक विटामिन-सी, 20% अधिक कैल्शियम और 19% अधिक पोटैशियम प्राप्त होता है।

खीरा खाएं छिलकों सहित

अगर आपकी भी खीरे को छील कर खाने की आदत है तो इसमें सुधार कर लें, क्योंकि अध्ययनों में खीरे को बिना छीले खाना विशेष फायदेमंद बताया गया है। खीरे के गहरे हरे रंग के छिलके में इसके अधिकांश एंटीऑक्सिडेंट, अघुलनशील फाइबर और पोटेशियम होते हैं। इसमें विटामिन-के की भी अधिकता होती है, ऐसे में इसको साफ से धोकर बिना छीले ही सेवन करना चाहिए। खीरा आपके हाइड्रेशन को बेहतर बनाए रखने में काफी सहायक फल है।

आम का सेवन

कुछ ही दिनों में बाजार में आम बहुतायत में उपलब्ध हो जाएंगे। कच्चे हों या पके हुए, आम को छिलके सहित खाना ज्यादा लाभदायक माना जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि आम के छिलकों में मैंगिफेरिन, नॉरथिरियोल और रेस्वेराट्रोल जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो फेफड़ों, कोलन, स्तन, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के कैंसर और कई अन्य गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं। आम का सेवन छिलके सहित करना चाहिए।

संतरे के छिलकों के फायदे

संतरे को विटामिन-सी का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है जो शरीर की इम्युनिटी को बेहतर बनाए रखने में सहायक है। विटामिस-सी आपको कई तरह के संक्रमण से सुरक्षित रखने में भी काफी मददगार माना जाता है। संतरे के फल में जितना विटामिन-सी होता है उससे दोगुना उसके छिलकों में पाया जाता है। संतरे के छिलके में राइबोफ्लेविन, विटामिन-बी 6, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटैशियम की भी मात्रा होती है।

लिवर की ये बीमारियां हो सकती हैं काफी गंभीर, समय पर पहचान और इलाज जरूरी

लिवर हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। रक्त में मौजूद अधिकांश रसायनों की मात्रा को नियंत्रित करने के साथ अपशिष्ट उत्पादों को शरीर से बाहर निकालने में इस अंग की विशेष भूमिका होती है। पेट और आंतों से निकलने वाला सारा खून लिवर से होकर ही गुजरता है। लिवर पित्त का भी उत्पाद करता है जो भोजन के पाचन के लिए अति-महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि सभी लोगों को इस अंग के खास देखभाल की जरूरत होती है। लिवर की बढ़ती की बीमारियों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल 19 अप्रैल को वर्ल्ड लिवर डे मनाया जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी के कारण शरीर के इस महत्वपूर्ण अंग को बहुत क्षति पहुंची है। पिछले एक-दो दशकों में लिवर से संबंधित कई गंभीर रोगों के मामले तेजी से बढ़ते हुए देखे गए हैं। आश्चर्यजनक रूप से कम उम्र के लोग भी इसके शिकार देखे जा रहे हैं।

आंकड़ों के मुताबिक लिवर से संबंधित तमाम बीमारियों के कारण वैश्विक स्तर पर हर साल 13 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। आइए लिवर की ऐसी ही कुछ गंभीर बीमारियों के बारे में जानते हैं। फैटी लिवर डिजीज, इस अंग में अतिरिक्त फैट्स के जमा होने के कारण होने वाली एक सामान्य स्थिति है। अधिकांश लोगों में इसके कोई लक्षण नहीं होते हैं और यह उनके लिए गंभीर समस्याएं भी पैदा नहीं करता है। हालांकि कुछ मामलों में, यह लिवर को नुकसान पहुंचा सकता है। नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज इसी का एक प्रकार है जिसके मामले काफी तेजी से बढ़े हैं, यह समस्या उन लोगों को भी हो सकती है जो शराब का सेवन नहीं करते हैं।अच्छी खबर यह है कि, आप जीवनशैली में बदलाव के साथ फैटी लिवर की बीमारी की रोकथाम और इसे ठीक भी कर सकते हैं।

दिल्ली के सीके बिरला अस्पताल के एडवांस सर्जिकल साइंस और ओंको-सर्जरी विभाग के डायरेक्टर डॉ. अमित जावेद बताते हैं कि नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज जीवनशैली से संबंधित समस्या है, जो दुनियाभर में लगभग 30 फीसदी आबादी को प्रभावित करती है। भारत की सामान्य आबादी में इसका प्रसार 40 प्रतिशत तक है। साथ ही दिल्ली जैसे शहरों में मामले बढ़ सकते हैं।

भारत में नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज का मुख्य कारण निष्क्रिय जीवन शैली और उच्च कैलोरी भोजन का सेवन है। मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और डिस्लिपिडेमिया NAFLD के लिए मुख्य जोखिम कारक हैं।

लिवर में संक्रमण की समस्या

लिवर में संक्रमण की समस्या भी काफी सामान्य है। हेपेटाइटिस वायरस के कारण लिवर में संक्रमण के मामले सबसे अधिक देखे जाते रहे हैं। हेपेटाइटिस ए, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, जैसे संक्रमण लिवर के लिए गंभीर समस्याओं का कारण बनते हैं। इसके अलावा दूषित भोजन या पानी के कारण भी लिवर में संक्रमण होने का जोखिम रहता है।

क्या कैंसर का आयुर्वेद में उपचार है?

प्रश्न : मेरी उम्र 35 वर्ष है। पिछले दो साल से मैं सर दर्द से परेशान हूं। किसी भी तरह किसी की चिकित्सा से आराम नहीं मिल रहा है। इसका कोई आयुर्वेदिक उपचार है तो बताइए।

- अनिरुद्ध शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : लगता है आपको 'माइग्रेन' नमक शिरशूल हो गया है। शुरू में सर का दर्द हल्का होता है, पर धीरे-धीरे तेज हो जाता है । दर्द के कारण नींद नहीं आती। सिर फटा सा मालूम पड़ता है। कई बार मिचली तथा उल्टी भी हो जाती है। यह दर्द स्त्री - पुरुष को अशक्त बना देता है। इसका आयुर्वेद में उपचार है।

* षड बिंदु तेल दोनों नथनों में सुबह-शाम डालें । इस से आराम मिलेगा ।

*भोजन के पहले ऊंझा चौंसठ प्रहरी पिपर का चूर्ण एक चुटकी मात्रा में शहद में मिलाकर दिन में तीन बार चाटने से सर दर्द में आराम मिलता है।

* ऊंझा शिरशूल वज्र रस, सूत शेखर रस एवं पथ्यादि क्वाथ घन , इन सभी की दो-दो गोली सवेरे सवेरे मीठे बादाम के दूध के साथ लेवें, इसी को संध्या 5:00 बजे दोबारा लेवें। यह चिकित्सा 40 दिन तक चालू रखें।

* कोट्टक्कल का मिग्रकोट टैबलेट दिन में दो बार लेने और साथ ही पथ्यादि क्वाथ 20-20 मि लीटर की मात्रा में आधे कप गर्म पानी में लेने से सर दर्द कम होने लगता है।

किसी भी तरह के तनाव, क्रोध, ईर्षा आदि से बचें। बासी भोजन न करें हमेशा ताजा और संतुलित भोजन करें बेहद ठंडी या बेहद गर्म स्थान पर शयन न करें। अवश्य आराम मिलेगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है पहले अम्लपित्त की शिकायत थी। अब मल के साथ सफेद चिकना पदार्थ जाता है । कृपया इसका इलाज बताए ।

- सदाशिव शर्मा, महबूबनगर

उत्तर : आमाशय में पाचन क्रिया हाइड्रोक्लोरिक एसिड के माध्यम में होती है । प्रकृति ने जीवाणु संक्रमण को रोकने और पाचन क्रिया में सहयोग देने के लिए ही अम्ल बनाया । लेकिन जब यह अम्ल खाद्य पदार्थों द्वारा बढ़ जाता है तो आमाशय की सुरक्षा झिल्ली नष्ट होकर एवं कोशिकाओं के द्वारा जब बड़ा वहां छाला (अल्सर) बन जाता है। मानसिक तनाव और आहार संबंधी अनियमिताएं धूम्रपान, कुछ तेज अंग्रेजी दवाओं का सेवन व संक्रमण इत्यादि इसके प्रमुख कारण है। इसको रोकने के लिए पथ्य आवश्यक है। धूम्रपान , मद्य सेवन, मिर्च - मसाले, तीखे-खट्टे पदार्थ, तले खाद्य पदार्थ का सेवन बंद कर देने देना चाहिए। मल के साथ जो चिकना पदार्थ आता है - वह म्यूकस या आँव है। यह अधिकतर एक परजीवी प्रोटोजोन ' अमीबा ' के संक्रमण के कारण होता है। औरा ट्रायोगोन टिकिया या ऊंझा डायरेंड टिकिया ऊंझा कुटजघन वटी, पंचामृत पर्पटी का प्रयोग तुरंत लाभ करता है। भोजन के बाद ऊंझा बिल्वासव या ऊंझा कुटजारिष्ट का १५ से २० मिलीलीटर को दुगुने पानी में मिलाकर लेना आंव दूर कर देता है। बेल का मुरब्बा या बेल घनवटी, गंगाधर रस से भी इसमें आराम मिलता है।

भोजन सुपाच्य, ताजा और संतुलित हो। दही और छांछ विशेष रूप से हितकारी है। किसी भी प्रकार गरिष्ठ भोजन से बचना चाहिए।

प्रश्न : क्या कैंसर लाइलाज है? इसके लक्षण क्या है? क्या आयुर्वेद में उसका उपचार है? कृपा कर बताएं।

- ए. अप्पा राव, महबूबनगर

उत्तर : कैंसर लाइलाज नहीं है। इससे बहुत ज्यादा डरने की जरुरत नहीं है। नब्बे प्रतिशत से ज्यादा मरीजों में फर्स्ट स्टेज में इलाज हो सकता है। सेकेंड स्टेज में लगभग सत्तर फीसदी एवं तीसरे स्टेज में चालीस फीसदी मरीजों का इलाज संभव है। एक तिहाई से ज्यादा कैंसर तंबाकू या उससे बने उत्पादों की देन है, जबकि एक तिहाई खानपान और रहन-सहन या दूसरे सामाजिक कारको से जुड़े हैं।

भारत में प्रथम और द्वितीय स्टेज वे इसका निदान नहीं होने के कारण ही समाज में यह भ्रांति फैली है कि यह लाइलाज है। कैंसर याने कर्कटार्बुद संक्रामक रोग नहीं है।

कैंसर कोशिकाओं की बेलगाम, अनियमित और असामान्य वृद्धि है, जो शरीर के किसी भी हिस्से,ऊतक या अंग से ज्ञात या अज्ञात कारणों से शुरु हो सकती है। इसकी प्रवृत्ति आसपास के सामान्य उतकों में घुसपैठ करने और रक्तवाहिनीयों में घुस जाने की है, जिससे यह रोग फेफड़ों, यकृत, मस्तिष्क और हड्डियों जैसे कुछ अंगों या पूरे शरीर के हिस्सों में फैल जाता है । इसे मेटास्टेसिस कहते हैं। कैंसर की यह अवस्था खतरनाक होती है।

कैंसर का आयुर्वेद इलाज है। रोग यदि समस्त लक्षणों के साथ प्रकट होता हो तब चिकित्सा मुश्किल हो जाती है। ऊंझा कैंकोनिल जंतुघ्न, पूयप्रतिरोधी-

सडन व दुष्ट व्रण को सुधारनेवाला होने के कारण यह कैंसर की प्रथम अवस्था और द्वितियावस्था में देने से काफी राहत देता है। इससे सडनयुक्त कैंसर के घाव, गांठे व कैंसर के अन्य उपद्रव खत्म होने लगते हैं। इसके संग ऊंझा कांचनार गुग्गुलु व ऊंझा महामंजिष्ठादि घनवटी देने से जल्दी ही राहत मिलती है। औरा एनाकार्सिन टैबलेट भी कैंसर की एक श्रेष्ठ औषधि है। अपने आयुर्वेद चिकित्सा की राय पर ही दवा ले।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

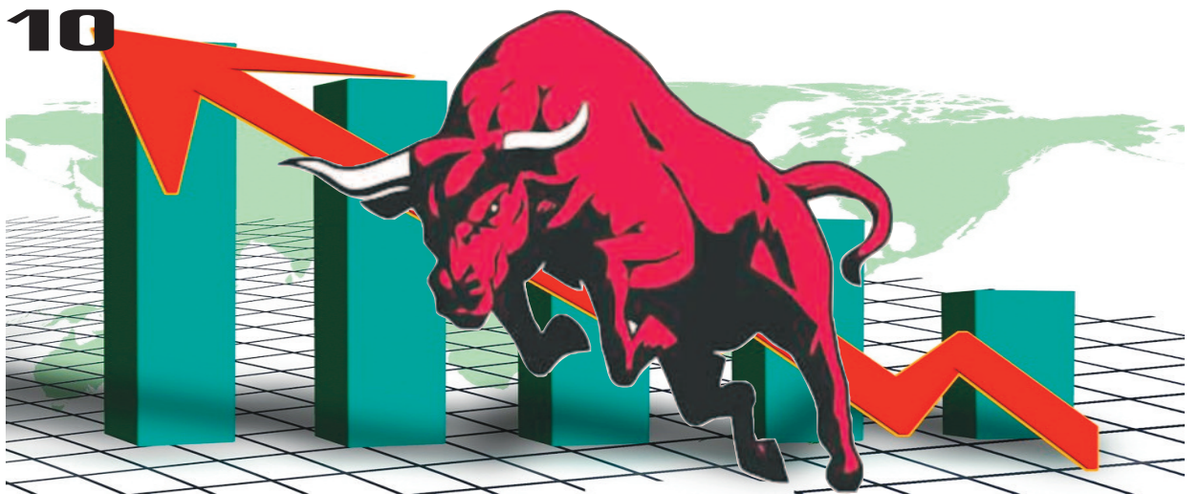

करवाचौथ से 2 दिन पहले 3700 रुपए महंगा हुआ सोना, जानिए कितने हुए दाम

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। जहां एक ओर एक नवंबर को भारत में करवाचौथ है वहीं दूसरी ओर अमेरिका का सेंट्रल बैंक ब्याज दरों का ऐलान करेगा। जिसमें बैंक पॉलिसी रेट को एक बार फिर से होल्ड रख सकता है। गोल्ड को लेकर माहौल पूरी तरह से पॉजिटिव बनना शुरू हो गया है। डॉलर इंडेक्स में फ्लेक्सिबिलिटी की वजह से गोल्ड के दाम में तेजी देखने को मिल रही है। जहां अमेरिका के कॉमेक्स मार्केट में गोल्ड फ्यूचर 2000 डॉलर प्रति ओंस के लेवल को पार कर गया है। वहीं दूसरी ओर भारत में गोल्ड के दाम में तेजी देखने को मिल रही है। आइए आपको भी बताते हैं भारत में करवाचौथ से भारत के वायदा बाजार में कितने हो गए हैं।

गोल्ड के दाम में देखने को मिला इजाफा

सोमवार को एमसीएक्स पर गोल्ड फ्यूचर कारोबारी सत्र के दौरान 240 रुपए की तेजी के साथ 61,396 रुपए प्रति दस ग्राम तक पहुंचा। ये पांच महीने का पीक लेवल है। वैसे मौजूदा समय यानी दोपहर 1 बजकर 40 मिनट में गोल्ड के दाम मामूली गिरावट के साथ 61,134 रुपए प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वैसे आज सोना 61,396 रुपए पर ओपन हुआ था। इस बीच, चांदी फ्यूचर आज कारोबारी सत्र के दौरान 751 रुपए की तेजी के साथ 72,468 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंचा। वैसे मौजूदा समय यानी एक

बजकर 40 मिनट पर चांदी की कीमत 493 रुपए की तेजी के साथ 72,210 रुपए पर कारोबार कर रहा है।

विदेशी बाजारों में सोना और चांदी

कॉमेक्स पर, सोना वायदा सोमवार को 12.60 डॉलर या 0.63 फीसदी की बढ़त के साथ 2,011.10 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस पर कारोबार कर रहा था। अगर बात कॉमेक्स मार्केट में गोल्ड स्पॉट की कीमत की बात करें तो 1992 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहा है। चांदी वायदा 0.388 डॉलर या 1.70 फीसदी की बढ़त के साथ 23.275 डॉलर पर थी। सिल्वर स्पॉट के दाम 23.07 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहा है। आने वाले दिनों में गोल्ड और सिल्वर की कीमत में और भी तेजी देखने को मिल सकती है।

62 हजार के पार जाएगा गोल्ड

पिछले तीन हफ्तों में सोने की कीमतों में तेजी आई है। इसका कारण इजराइल-हमास वॉर के कारण पैदा हुआ भू-राजनीतिक तनाव है। जिसके बाद निवेशकों गोल्ड जैसे सेफ हैवन की ओर जाने को मजबूर हुए। जानकारों की मानें तो फ्लेक्सीबल डॉलर इंडेक्स के बावजूद कीमतें अपने निचले स्तर से लगभग 8 फीसदी गई हैं।

एमसीएक्स पर अगर गोल्ड 61,000 रुपये का स्तर बरकरार रखता है तो जल्द ही सोना 62,000 रुपये तक पहुंच सकता है।

अक्टूबर में 3700 रुपए से ज्यादा का इजाफा

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी एंड करेंसी प्रमुख अनुज गुप्ता के अनुसार, एमसीएक्स पर सोना वायदा महीने-दर-महीने आधार पर 6.48 फीसदी या 3,731 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़ा है, जबकि 2023 में गोल्ड की कीमत में 11.48 फीसदी या 6,314 रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है। जहां तक चांदी वायदा की बात है, अक्टूबर में तेजी लगभग 3.58 फीसदी या 2,500 रुपये देखने को मिली है। जबकि मौजूदा साल में यह इजाफा 4.25 फीसदी या 2,947 रुपये प्रति किलोग्राम है। दिल्ली, अहमदाबाद और अन्य शहरों में फिजीकल गोल्ड की कीमत 62,500 रुपये प्रति 10 ग्राम है जबकि 1 किलोग्राम चांदी की कीमत 74,500 रुपये है।

'तस्करी नेटवर्क चलाने वाले लोगों को पकड़ने के लिए अंतर-सरकारी सहयोग जरूरी': वित्त मंत्री

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तस्करी नेटवर्क चलाने वाले लोगों (मास्टरमाइंड) पर नकेल कसने और अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए अंतर-सरकारी सहयोग का आह्वान किया है। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) की ओर से आयोजित प्रवर्तन मामलों में सहयोग पर वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सीमा शुल्क अधिकारियों को अवैध व्यापार के नेटवर्क पर अंकुश लगाने के लिए आपस में जानकारी साझा करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करनी चाहिए कि

उनके द्वारा साझा की गई जानकारी 'कार्रवाई योग्य' हो। वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले 50-60 साल में तस्करी या अवैध तरीके से वस्तुओं के व्यापार की प्रकृति में बदलाव नहीं आया है। अब भी बहुमूल्य धातु, नशीले पदार्थ, जंगल या समुद्री से निकले कीमती भंडार की ही तस्करी होती है। उन्होंने कहा, ''ऐसे में मोटे तौर पर तस्करी वाली वस्तुएं कमोबेश पहले की तरह ही हैं। कोई ऐसा नया क्षेत्र नहीं है जिनपर सीमा शुल्क अधिकारियों को हैरानी हो। यदि यह काफी पहले से चल रहा है, तो अब हमें इस बारे में काफी जानकारी हो जानी चाहिए इसके पीछे कौन ताकतें हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं विश्व सीमा शुल्क संगठन (डब्ल्यूसीओ) के साथ अंतर-सरकारी सहयोग पर काफी जोर देती हूं। इससे हम स्थानीय अधिकारियों तथा सरकारों की मदद से तस्करी के पीछे मुख्य साजिशकर्ता या मास्टरमाइंड तक पहुंच सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि वस्तुओं के अवैध व्यापार पर अंकुश के प्रयासों की पुष्टि इस तथ्य से होती है कि सीमा शुल्क अधिकारी सतर्क हैं। आपने तस्करी का कुछ सामान रोका है। और जो सामान आपने पकड़ा है, चाहे वह वैध ही क्यों नहीं है, उसे आप पूरी तरह नष्ट कर देते हैं। यह आपके समर्पण को दर्शाता है। सीतारमण ने कहा, ''सभी सरकारों के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि तस्करी की उन गतिविधियों को कैसे रोका जाए, जो हमारी जंगली वनस्पतियों और जीवों को खतरे में डाल रही हैं। तस्करी करने वाले लोगों की सोच है कि हम सिर्फ छोटी मछलियों को पकड़ रहे हैं। पुलिस या सीमा शुल्क अधिकारी बड़ी मछलियों को पकड़ नहीं पा रहे हैं।

दुनियाभर में सबसे सस्ती दूरसंचार सेवाएं भारत में, सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में दूरसंचार क्षेत्र किफायती

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार चाहती है कि भारत में दूरसंचार सेवाएं दुनिया में सबसे सस्ती बनी रहें। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) में उन्होंने कहा, सरकार की ओर से हम पूरी तरह स्पष्ट हैं। आज सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत का दूरसंचार क्षेत्र सबसे किफायती है।

विश्लेषकों के अनुसार, दूरसंचार कंपनियों को 5जी नेटवर्क के निर्माण में किए जा रहे निवेश को निकालने के लिए तीन साल में प्रति ग्राहक औसत कमाई 270-300 रुपये करने की जरूरत होगी। अभी यह 140-200 रुपये है। वैश्विक स्तर पर यह कीमत औसतन 600-850 रुपये है और चीन में यह करीब 580 रुपये है। प्रमुख चार सेवाप्रदाताओं में भारती एयरटेल व रिलायंस जियो ने अभी 5जी सेवाएं शुरू की हैं। 5जी नेटवर्क में उनका निवेश स्पेक्ट्रम की लागत सहित तीन लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

जियो की वैश्विक स्तर पर पहुंचने की योजना

भारत में सफलता के बाद रिलायंस जियो वैश्विक स्तर पर प्रवेश को एक विकल्प के रूप में देख रही है। कंपनी इसका लगातार मूल्यांकन कर रही है। रिलायंस जियो के अध्यक्ष मैथ्यू ओमन ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस में कहा, हमारा मानना है कि भारत के लिए वैश्विक बनने का अवसर बड़ा है। डिजिटल इंडिया विजन को बढ़ाने के लिए रिलायंस को न सिर्फ मोबाइल टावर तैनाती बल्कि उपकरणों व सेवाओं को किफायती बनाना चाहिए।

एनसीएलएटी के न्यायिक सदस्य राकेश कुमार का इस्तीफा

अवमानना की कार्यवाही बंद की गई

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एनसीएलएटी के न्यायिक सदस्य राकेश कुमार ने इस्तीफा दे दिया है और उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही भी बंद कर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीएलएटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ को मामले में नए सिरे से निर्णय लेने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीएलएटी के तकनीकी सदस्य की बिना शर्त माफी स्वीकार कर ली है। फिनोलेक्स केबल्स मामले में उनके खिलाफ अवमानना का मामला बंद कर दिया गया है।

जानें पूरा मामला

उच्चतम न्यायालय ने फिनोलेक्स केबलों से संबंधित एक मामले में उसके आदेशों की अवहेलना करने के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) की

पीठ के सदस्यों को 30 अक्टूबर को माफी दे दी। शीर्ष अदालत ने हालांकि फिनोलेक्स केबल्स के पूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक दीपक छाबड़िया पर अदालत के आदेश के खिलाफ किए गए उनके कार्यों के लिए, एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की जांच करने वाले पर भी 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। शीर्ष अदालत ने एनसीएलएटी के आदेश को निरस्त करते हुए 18 अक्टूबर को एनसीएलएटी की पीठ को तलब किया था और मामले की नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश दिया था। उसने एनसीएलएटी की नई पीठ को मामले की सुनवाई करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि वह केवल पीठ पर लगाए गए आक्षेपों के कारण आदेश को रद्द कर रही है, न कि मामले के गुण-दोष के आधार पर। एनसीएलएटी का आदेश फिनोलेक्स समूह के नियंत्रण को लेकर चचेरे भाई दीपक छाबड़िया और प्रकाश छाबड़िया के बीच विवाद से संबंधित है। एनसीएलएटी के समक्ष दायर मामले में 2019 में हुई असाधारण आम बैठक (ईजीएम) के दौरान पारित कुछ प्रस्तावों की वैधता को चुनौती दी गई थी।

फिन्फ्लुएंसर पर सेबी सख्त

जानें बाप ऑफ चार्ट की पूरी कहानी जिसे 17 करोड़ लौटाने को कहा गया

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोशल मीडिया पर 'बाप ऑफ चार्ट' हैंडल चलाने वाले फाइनेंशियल इन्फ्लुएंसर या फिन्फ्लुएंसर मोहम्मद नसीरुद्दीन अंसारी पर बुधवार को पाबंदी लगा दी। बाजार नियामक ने उनसे गैर-पंजीकृत निवेश परामर्श के बदले में लिए गए 17.2 करोड़ रुपये भी ग्राहकों को लौटाने को कहा है। 'बाप ऑफ चार्ट' का संचालन मोहम्मद नासिर अंसारी करते हैं। उनके यूट्यूब पर 4,43,000 से अधिक ग्राहक हैं और एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर उनके 83,000 फॉलोअर हैं और उनपर व्यापारिक सिफारिश करने और कोर्स बेचने के आरोप हैं।

मोहम्मद नसीरुद्दीन अंसारी।

अंसारी फर्म बाप ऑफ चार्ट (बीओसी) के संचालक हैं। वह खुद को सोशल मीडिया पर एक शेयर बाजार विशेषज्ञ बताते हैं और ग्राहकों को अपने शैक्षिक

पाठ्यक्रमों में नामांकन करने के लिए कहते हैं। सेबी के अनुसार, अंसारी ने यूट्यूब, एक्स, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर स्टॉक सिफारिशें प्रदान कीं। उन्होंने मोबाइल ऐप शेयर बाजार से जुड़े कोर्सेस भी बेचे। वे अपने ऐप के माध्यम से लगभग 19 कोर्स बेच रहे थे।

'बाप ऑफ चार्ट' पर सेबी की ओर से क्यों कार्रवाई की गई?

सेबी ने आरोप लगाया है कि नासिर 'शैक्षिक पाठ्यक्रमों की आड़ में' कारोबारी सिफारिशें दे रहे थे और उसके बदले में उन्होंने ग्राहकों से पैसे वसूले। यह भी आरोप लगाया गया है कि वह अपने पाठ्यक्रमों/कार्यशालाओं को खरीदने के लिए भ्रामक या झूठी जानकारी के माध्यम से ग्राहकों/निवेशकों को लुभा रहा थे। सेबी की जांच से पता चला है कि नासिर को जनवरी 2021 से जुलाई 2023 तक शेयर बाजार में 2.89 करोड़ रुपये का शुद्ध व्यापारिक घाटा हुआ। यह सच्चाई 200-300 प्रतिशत लाभ कमाने और अपने सौदों में 95 प्रतिशत सटीक होने के उसके दावों के विपरीत है।

नासिर पर अपने निवेशकों से क्या छिपाने का आरोप है?

सेबी ने कहा, "नासिर, ट्रेडिंग के लिए सटीक रणनीति बताने का दावा करते हैं और ग्राहकों से कहते हैं कि उसकी रणनीति से वे 200-300 प्रतिशत मुनाफा कमा सकते हैं पर सच्चाई यह है कि खुद उन्हें जनवरी 2021 से जुलाई 2023 के बीच प्रतिभूतियों में व्यापार से 2.89 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ है। नासिर पर आरोप है कि उन्होंने इस तथ्य को अपने वीडियो, कार्यशालाओं और समूहों में निवेशकों से छिपाया है। सेबी ने कहा, 'निवेशकों और क्लाइंट्स को भरोसा दिलाया गया था कि सब्सक्रिप्शन अमाउंट का भुगतान करने पर नासिर की ओर से उन्हें एक-एक करके समर्पित सपोर्ट या पर्सनल गाइडेंस मुहैया कराया जाएगा।

'बाप ऑफ चार्ट' पर क्या जुर्माना लगाया गया है?

बाजार नियामक ने नासिर और दो अन्य को जुर्माने की राशि को 15 दिन के भीतर एक एस्क्रो खाते में जमा कराने का निर्देश दिया है। सेबी ने उन्हें पाठ्यक्रमों के लिए सभी विज्ञापनों और प्रचारों को हटाने का भी निर्देश दिया है। सेबी ने उन्हें अगली सूचना तक प्रतिभूति बाजार में लेनदेन करने से भी प्रतिबंधित कर दिया है।

क्या घोटाले में किसी अन्य व्यक्ति का नाम आया है?

सेबी के अनुसार, निवेशकों से एकत्र किए गए धन को अंसारी, बीओसी और गोल्डन सिंडिकेट वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खाते में जमा किया गया था।

बैंकिंग और रिलायंस के शेयर में खरीदारी की बदौलत शानदार तेजी के साथ बाजार बंद, सेंसेक्स 330 तो निफ्टी 94 अंक ऊपर हुआ क्लोज

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद शानदार रहा है। बैंकिंग और एनर्जी स्टॉक्स में खरीदारी के चलते खरीदारी के चलते बाजार में तेजी रही। दिन में मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स का इंडेक्स गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। लेकिन बाजार बंद होने पर पहले इन स्टॉक्स में भी खरीदारी लौटी। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 330 अंकों के उछाल के साथ 64,112 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 194 अंकों की तेजी के साथ 19,140 अंकों पर बंद हुआ है।

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में बैंकिंग, आईटी, फार्मा, पीएसयू बैंक इंडेक्स, मेटल्स, रियल एस्टेट, एनर्जी, इंफ्रा, कमोडिटी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस के स्टॉक्स में खरीदारी रही। जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मीडिया, एफएमसीजी, ऑटो सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। आज के ट्रेड में मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में भी खरीदारी देखने को मिली है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 19 तेजी के साथ और 11 गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 27 तेजी के साथ और 23 गिरावट के साथ बंद हुए।

निवेशकों की संपत्ति में उछाल

आज के ट्रेड में बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 311.56 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले कारोबार सत्र में 310.54 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 1.02 लाख करोड़ रुपये का उछाल आया है।

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

आज के कारोबार में रिलायंस के शानदार नतीजों पर स्टॉक 2.30 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ। अल्ट्राटेक सीमेंट 2.06 फीसदी, भारती एयरटेल 1.36 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.13 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.79 फीसदी, लार्सन 0.79 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.71 फीसदी, नेस्ले 0.56 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। जबकि टाटा मोटर्स 1.70 फीसदी मारुति सुजुकी 1.45 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.18 फीसदी, एनटीपीसी 1.08 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

एपल ने भारत से हर दिन की 135 करोड़ रुपए की कमाई

50 हजार करोड़ के करीब पहुंची इनकम

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। जब भारत में एपल का स्टोर खोला गया था तब कयास लगाए जा रहे थे कि एपल भारत के बड़े मार्केट को समझ चुका है। अब ये बात सही मायनों में साबित होती भी दिख रही है। दरअसल एपल का क्रेज भारत से काफी तेजी से फैल रहा है। इसे भुनाने के लिए कंपनी ने भारतीय मार्केट में विस्तार योजनाओं के तहत अपने पैर फैला रही है। इसी योजना के तहत एपल ने दिल्ली और मुंबई में अपना स्टोर खोला है और आने वाले समय में कई और शहरों में स्टोर खोलने की योजना है। ये तो हुई एपल की योजनाओं की बात। अब आपको बताते है कि कैसे एपल भारत के मार्केट में अपने पैर फैला रहा है।

दरअसल एप्पल इंडिया की आय मार्च, 2023 में खत्म हुए वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 48 प्रतिशत बढ़कर 49,322 करोड़ रुपए हो गया है।

यानी एपल इंडिया ने एक साल के दौरान हर दिन करीब 135 करोड़ रुपए की इनकम दर्ज की है। ये आंकड़े टॉफलर ने नोटिफिकेशन जारी कर दिए है।

ऐसे भारत में बढ़ रहा है एपल का कारोबार

भारत में एपल की कमाई और मार्केट लगातार बढ़ता जा रहा है। एप्पल इंडिया की आमदनी इससे पिछले वित्त वर्ष में 33,381 करोड़ रुपए रही थी। जबकि 2022-23 में कंपनी का मुनाफा 77 प्रतिशत बढ़कर 2,230 करोड़ रुपए पर पहुंच गया था। वहीं उसके पहले साल 2021-22 के दौरान यह 1,263 करोड़ रुपए था। यानी 3 साल में एपल की इनकम 4 गुना से ज्यादा बढ़ चुकी है।

भारत में लाखों रोजगार भी देगी एपल

एपल का भारत के बाजार में अपनी पैठ बढ़ाना देश के लिए भी फायदे का सौदा है। माना जा रहा है कि कंपनी आने वाले पांच साल में एपल आईफोन का प्रोडक्शन 5 गुना बढ़ाएगी। कंपनी इस प्रोजेक्ट के लिए करीब 40 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 3.32 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी। कंपनी के इस फैसले से भारत में बेरोजगारी दूर होगी। देश के युवाओं के लिए नौकरियां मिलेंगी। एपल फोन का निर्माण कंपनी ने भारत में पहले ही शुरु कर दिया है। अब माना जा रहा है कि कंपनी एयरपॉड्स का भी प्रोडक्शन शुरु करने जा रही है। हालांकि लैपटॉप बनाने को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला....	05-21 बजे
चंद्र-	वृष में	वृश्चिक.	07-30 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	09-44 बजे
बुध-	तुला पें	मकर..	11-51 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	13-41 बजे
शुक्र-	सिंह में	मीन --	15-19 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	16-55 बजे
राहु-	मेष में	वृष--	18-40 बजे
केतु-	तुला में	मिथुन..	20-40 बजे
		कर्क...	22-52 बजे
		सिंह...	01-05 बजे
		कन्या..	03-11 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने, ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
सूर्योदय - 06-17
सूर्यअस्त - 17-41
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया - **21 -30-** तक उपरान्त चतुर्थी
मास - कार्तिक कृष्ण पक्ष, मंगलवार **31 October**
नक्षत्र - रोहिणी - **03- 57-** तक उपरान्त मृगशिरा
योग - वरियान - **15 - 33** - तक उपरान्त परिघ
करण- वणिज - **09 -51** - तक उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्रा काल **- 09-12 से**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
14:52 से
16:18 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:17 - 07:41	अशुभ	काल	17:41 - 19:18	अशुभ
उत्पात	07:41 - 09:07	अशुभ	लाभ	19:18 - 20:52	शुभ
चंचल	09:07 - 10:33	शुभ	उत्पात	20:52 - 22:26	अशुभ
लाभ	10:33 - 11:59	शुभ	शुभ	22:26 - 23:59	शुभ
अमृत	11:59 - 13:26	शुभ	अमृत	23:59 - 01:34	शुभ
काल	13:26 - 14:52	अशुभ	चंचल	01:34 - 03:08	शुभ
शुभ	14:52 - 16:18	शुभ	रोग	03:08 - 04:42	अशुभ
रोग	16:18 - 17:41	अशुभ	काल	04:42 - 06:17	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है। आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे, सब कुछ अच्छा ही होगा। अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है। सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें, खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे। आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता। आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें, सफलता आपके कदम चूमेगी।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे। उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा। इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें। इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी। परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं। लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है। अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें, स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी। लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगे।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आज आप थोड़े से अभिमान में रहेंगे और उसी के प्रभाव में रहकर सोचेंगे और काम करेंगे। इसी के कारण आप किसी बड़े अधिकारी से बात करते हुए आँखें नही मिला पायेंगे। यह अच्छा होगा या बुरा, यह आज आपको सोचना है, हमारी सलाह यह है की आज अपने दिमाग की सुनें। व्यवहार कुशलता का परिचय दें।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो,
घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी। इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें। आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा, जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है। आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी |दिन कोई नया स्वस्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रम शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा। कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी। आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं। जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा।

वृश्चिक तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं ।आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं, फिर भी आप चिंता करते रहते हैं। इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके। इससे पहले कि आप विकर्षित अनुभव करें, आपको किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सलाह लेनी चाहिए।

धनु ये, यो, भा, भी, भू धा, फा, ढा, भे
आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है। परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है। आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा। पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज कर्म में आपका विश्वास और पक्का हो जाएगा। आप यह मान लेंगे कि कर्म का फल अवश्य मिलता है। आप दूसरों की तकलीफ समझते हैं ।आप सबसे आगे चलते हुए अपने व्यक्तित्व की उदारता की भी नोट करेंगे। कोई आपसे मदद मांगेगा। रियजनों के साथ छोटी-मोटी यात्रा कर सकते हैं।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं, उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है। आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं, इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा, या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं। इसी समय आप अपने घर का नवीकरण, नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं। हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे, फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

प्याज की किल्लत के लिए कौन जिम्मेदार?

किसानों ने 1 रुपये किलो बेचा, अब कीमत 70 पार, कब तक मिलेगी राहत

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 2 मार्च 2023 की बात है। गुजरात की राजकोट मंडी में धुतरपुर गांव के किसान जमनभाई कुर्जीभाई अपने प्याज बेचने के लिए पहुंचे। मंडी में उनके प्याज की कीमत 1.04 रुपए प्रति किलो लगी। 472 किलो प्याज बेचने के बाद उन्हें मंडी से 495 रुपए मिले। जबकि 590 रुपए तो उन्हें गाड़ी का भाड़ा ही देना पड़ गया। इतना प्याज बेचने के बावजूद जमनभाई को सिर्फ किराए के 95 रुपए अपनी जेब से भरने पड़ गए। अब 6 महीने बाद की विडंबना देखिए। उसी प्याज की कीमत देश के कई हिस्सों में 70 रुपए पार कर गई है। शनिवार को देश की राजधानी दिल्ली में तो एक किलो प्याज की कीमत 75 रुपए तक पहुंच गई। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक नवंबर में प्याज की कीमत 150 रुपए तक पहुंचने की संभावना है। ऐसे में सवाल है कि देश में प्याज की किल्लत के पीछे कौन जिम्मेदार है और आखिर कब तक प्याज की कीमत कम होने की संभावना है? इसी की पडताल करती रिपोर्ट।

दिन-प्रतिदिन दिल्ली की मंडियों में प्याज की कीमत बढ़ रही है। शनिवार को 5 किलोग्राम प्याज की कीमत गाजीपुर मंडी में 350 रुपए हो गई। शुक्रवार को यहां 5 किलो प्याज की कीमत 300 रुपए थी। जबकि शुक्रवार से पहले 5 किलोग्राम प्याज की कीमत 200 रुपए थी। जबकि दो सप्ताह पहले इतने ही प्याज की कीमत 160 रुपए तक थी। वहीं, देश के सबसे बड़े लासलगांव प्याज मंडी में बीते सप्ताह मंगलवार तक एक किलोग्राम प्याज की औसत कीमत 24 थी, जो शनिवार को 58% बढ़कर 38 प्रति किलोग्राम हो गया।

प्याज की किल्लत की मुख्य वजह क्या है?

प्याज की कीमतों में उछाल की वजह जानने के लिए प्याज की पैदावार को समझना जरूरी है। भारत, चीन के बाद प्याज उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। भारत में प्याज की फसल दो बार उगाई जाती है। एक रबी (दिसंबर से जनवरी बुआई) के सीजन में और दूसरी खरीफ (अप्रैल से मई में बुआई) के सीजन में।

भारत सरकार का कहना है कि खरीफ फसल के बाजार में देरी से पहुंचने की वजह से प्याज की किल्लत हो गई है। इसी वजह से राजधानी दिल्ली समेत देश के दूसरे हिस्से में प्याज की कीमत तेजी से बढ़ रही है। हालांकि इस वक्त प्याज की कीमत बढ़ने के पीछे मुख्य तौर पर 3 वजह बताई जा रही हैं।

1. प्याज की आवक घटी: आमतौर पर महाराष्ट्र के अहमदनगर मंडी में हर रोज 400 गाड़ी प्याज की आवक बाजार में होती है। बीते 15 दिनों में यह घटकर 250 तक रह गया है। इस तरह प्याज के आवक में पिछले दो सप्ताह में 40% की कमी हो गई है।

2. खरीफ फसल की बुआई में देरी: इस साल अलनीनो की वजह से बारिश चक्र पर असर पड़ा। बारिश कहीं कम हुई तो कहीं लेट हुई। इसी वजह से प्याज उत्पादक मुख्य राज्य महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में फसल की बुआई देरी से हुई। यही वजह है कि बाजार में प्याज के पहुंचने में देरी हो रही है।

3. किसानों ने प्याज उगाना कम किया: पिछले दो साल से मंडी में किसानों को प्याज का सही दाम नहीं मिल पा रहा है। यही वजह है कि इस साल प्याज उत्पादक दो मुख्य दक्षिणी राज्यों कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में खरीफ प्याज की बुआई कम हुई है। ऐसे में अब प्याज की कीमत पर इसका असर दिखना तय है।

प्याज की कीमत और बढ़ेगी या घटेगी

प्याज की कीमतें सस्ती होने के लिए जरूरी है कि मार्केट में डिमांड के मुकाबले सप्लाई बढ़ जाए। हालांकि, हाल-फिलहाल में सप्लाई बढ़ने की उम्मीद नहीं है। इसकी बड़ी वजह पैदावार में कमी और सप्लाई सही समय पर नहीं होना है। इस बात को एक उदाहरण से समझ सकते हैं। सामान्य दिनों में रोजाना 400 गाड़ी प्याज की आवक बाजार में होती है। यह आंकड़ा पिछले 15 दिनों में 150 कम होकर 250 रह गया है। एक गाड़ी में करीब 10 टन प्याज लोड होता है। इस हिसाब से रोजाना करीब 1500 टन कम प्याज मार्केट में आ रही है। रबी फसल की अब दिसंबर से जनवरी में बुआई होगी। रबी प्याज की पैदावार अप्रैल-जून के दौरान की जाती है, जो भारत में कुल प्याज उत्पादन का 65% हिस्सा है। अप्रैल से मई तक ही इस फसल की बाजार में सप्लाई हो पाएगी। तब तक बाजार में आवक कम ही रहने की संभावना है। ऐसे में एक्सपर्ट्स अनुमान लगा रहे हैं कि नवंबर महीने में कीमत 150 रुपए प्रति किलो तक जा सकती है। इसके बाद प्याज के खरीफ फसल के बाजार में पहुंचने से कीमत एक बार फिर से कम हो सकती है। ये सब कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि कितने प्याज की आवक बाजार में नवंबर अंत तक हो रही है।

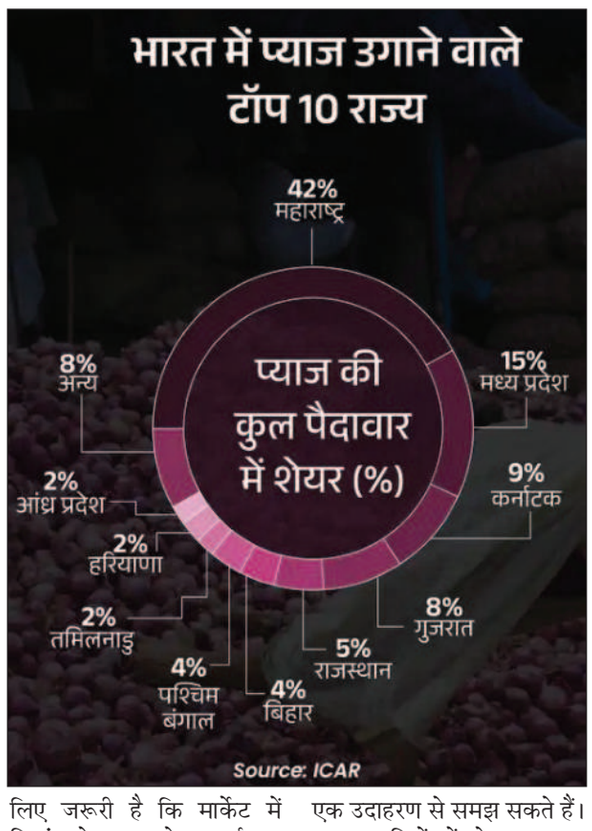

राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में केंद्र सरकार किसी भी तरह से प्याज की कीमत को बढ़ने से रोकना चाहेगी। इसके लिए केंद्र सरकार ने प्रयास शुरू भी कर दिए हैं। केंद्र प्याज की कीमत को कंट्रोल करने के लिए दो स्तर पर कोशिश कर रही है।

केंद्र को पहले ही बाजार में प्याज की किल्लत की वजह से कीमत बढ़ने की आशंका थी। इसी वजह से केंद्र सरकार ने प्याज के एक्सपोर्ट को रोकने के लिए 40% तक टैक्स लगा दिए, ताकि देशी प्याज की विदेश में सप्लाई कम हो जाए। इससे पहले प्याज के एक्सपोर्ट पर सरकार टैक्स नहीं लेती थी। अब शनिवार यानी 28 अक्टूबर को सरकार ने प्याज के एक्सपोर्ट पर 66,730 रुपए/टन के रेट से मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस यानी एमईपी लगा दिया है। प्याज के एक्सपोर्ट पर ड्यूटी का यह नया नियम 31 दिसंबर 2023 तक लागू रहेगा।

आमतौर पर अक्टूबर-नवंबर से प्याज के खरीफ फसल की कटाई होती है। तब तक प्याज की मांग रबी प्याज के उत्पादन से ही पूरी होती है। इस बार खरीफ फसल अब तक बाजार नहीं पहुंच सकी है। केंद्र को इसका पहले से अनुमान था। इसी वजह से सरकार ने साल की शुरुआत में नेफेड के जरिए 2.50 लाख टन प्याज खरीदकर स्टॉक कर लिया। यह वित्तीय वर्ष 2021-22 में स्टॉक किए गए 2.0 लाख टन प्याज से 0.50 लाख टन ज्यादा है। अब सरकार इसी बफर स्टॉक को नेफेड के जरिए खुदरा बाजार तक पहुंचा रही है। केंद्र सरकार के स्टॉक से ये प्याज 25 से 30 रुपए प्रति किलो के भाव में लोकल बाजार में बिक रहा है।

पिछले साल मौसम चक्र में बदलाव की वजह से प्याज के पैदावार में भारी कमी हुई थी। क्रॉप एंड वेदर वॉच ग्रुप के मुताबिक 2021-22 में पूरे देश में 3.76 लाख हेक्टेयर जमीन में प्याज की पैदावार का लक्ष्य था। इसके मुकाबले 3.29 लाख हेक्टेयर में ही प्याज की बुआई हुई। महाराष्ट्र के नासिक समेत कई जिलों में जिन किसानों ने प्याज लगाई, बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने उनकी फसल को बर्बाद कर दिया। इससे प्याज की लगभग 40% फसल खराब हो गई। जबकि 20% फसल की क्वालिटी खराब हो गई। बाजार में प्याज की कमी की एक वजह इसे भी बताया जा रहा है।

इन सबके बावजूद वित्त वर्ष 2022-23 में भारत ने 25.25 लाख टन प्याज का एक्सपोर्ट किया, जबकि 2021-22 में 15.37 लाख टन और 2020-21 में 15.78 लाख टन प्याज एक्सपोर्ट किया।

भारत ने बीते साल सबसे ज्यादा प्याज बांग्लादेश और पश्चिम एशिया में एक्सपोर्ट किया है। प्याज और ज्यादा विदेश नहीं जा पाए, इसके लिए सरकार ने 40% तक एक्सपोर्ट ड्यूटी लगा दी थी। अब इसे और ज्यादा बढ़ा दिया गया है।

खाद्य मंत्री अमरजीत भगत को नोटिस

गोदाम में मिली थी साड़ियां और खेल सामग्री रिटर्निंग ऑफिसर ने 24 घंटे में मांगा जवाब

सरगुजा, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरगुजा जिले के सीतापुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी और खाद्यमंत्री अमरजीत भगत को रिटर्निंग ऑफिसर ने नोटिस जारी कर 24 घंटे में जवाब मांगा है। एफएसटी की टीम ने सीतापुर के आदर्शनगर स्थित भगत के गोदाम पर छापा मारकर साड़ियां और खेल सामग्री जब्त की थी।

प्रतापगढ़ स्थित दो गोदाम पर मुखबिर की सूचना पर निगरानी दल ने छापेमारी की और बोरों में भरकर रखे गए सामान को बरामद किया था। इसके साथ ही एक संदिग्ध टाटा मैजिक वाहन को पीछा कर पकड़ा गया, जिससे खेल सामग्री और अन्य सामान मिले थे।

गोदाम की जांच में बोरों में भरकर रखे गए 1640 नग साड़ी, 555 नग स्पोर्ट्स जूते, 384 नग कांग्रेस प्रत्याशी अमरजीत भगत का नाम लिखा छाता सहित टी शर्ट, खेल सामग्री बरामद हुए हैं। जब्त सामग्री का पंचनामा बनाने के बाद जानकारी जिला निर्वाचन

कार्यालय को भेज दी गई।

नायब तहसीलदार तुषार मानिक ने बताया कि आशंका है कि इन सामानों को चुनाव में वोटरों को बांटा जाना था। सभी सामानों को जब्त कर लिया गया है।

पकड़े गए छातों में खाद्य मंत्री अमरजीत भगत का नाम और चुनाव चिन्ह है। इसके कारण यह सामान कांग्रेस प्रत्याशी अमरजीत भगत का होना बताया जा रहा है। इसके पूर्व नर्मदापुर में साड़ियां भी बरामद हुई थी, जिन्हें कांग्रेस प्रत्याशी का बताया गया था। हालांकि इसके सबूत नहीं मिले थे। छातों पर नाम और चुनाव चिन्ह मिलने के कारण इसे कांग्रेस प्रत्याशी का होना बताया जा रहा है।

लंबे समय से सामानों का वितरण

खाद्य मंत्री सीतापुर क्षेत्र से लगातार चौथी बार के विधायक हैं। उनकी ओर से आचार संहिता लगने के पहले से सामान बांटे जाते रहे हैं। बरसात में लोगों को उनकी ओर से छाते भी बांटे गए थे। पूर्व विधायक प्रोफेसर गोपाल राम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर उन पर घटिया साड़ी बांटने का आरोप लगाया था। आचार संहिता में इन सामानों को बांटने पर रोक है।

बढ़ी अमरजीत की मुश्किलें

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11, सीतापुर के रिटर्निंग ऑफिसर ने अमरजीत भगत को नोटिस जारी कर दिया है। इन सामग्रियों में इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी अमरजीत भगत का नाम लिखा होना पाया गया। रिटर्निंग ऑफिसर ने प्रत्याशी को नोटिस जारी कर अपना जवाब 24 घंटे के भीतर पेश करने कहा है।

संजय निरुपम बोले- हिमंत बिस्वा हजार करोड़ के मालिक

बिलासपुर में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा– सरमा को पैसा कमाने की ताकत कांग्रेस से मिली

बिलासपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रवक्ता संजय निरुपम ने बयान दिया है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को पैसा कमाने की ताकत कांग्रेस से मिली है। सीएम बिस्वा कितने हजार करोड़ रुपए के मालिक हैं, आप को पता नहीं है। जिस पार्टी का कार्यालय दिल्ली में डेढ़ हजार करोड़ रुपए से बना हो, उनके नेता कैसे गरीब कैसे हो गए मुझे समझ नहीं आता।

दरअसल संजय निरुपम भाजपाई नेताओं के गरीब होने वाले बयान पर कटाक्ष कर रहे थे। रविवार को बिलासपुर के कांग्रेस भवन में उन्होंने ये बातें कही।

राष्ट्रीय प्रवक्ता निरुपम ने कहा कि मोदी के गुजरात मॉडल से 100 गुना बेहतर है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अगुवाई में राज्य सरकार का कामकाज। कांग्रेस सरकार ने प्रदेश के अन्नदाता किसानों के साथ ही युवा, महिला, श्रमिक सभी वर्ग संतुष्ट हैं। देशभर में छत्तीसगढ़ मॉडल

की चर्चा हो रही है। कांग्रेस सरकार जो वादा करती है उसे गंभीरता के साथ निभाती है।

छत्तीसगढ़ में नहीं है एंटी इन्कमबेसी

संजय निरुपम ने कहा कि आम तौर पर सत्ताधारी दल के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर जरूर होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि, पांच साल सरकार अच्छा काम करती है। फिर भी कोई ऐसा वर्ग रहता है, जो छूट जाता है और उस वर्ग के लोग विरोध में रहते हैं। लेकिन, पहली बार ऐसा हो रहा है कि सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ जीरो परसेंट एंटी इन्कमबेसी है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता का दावा- पांच राज्यों में बनेगी कांग्रेस की सरकार

राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय निरुपम ने दावा किया है कि पांच राज्यों में होने वाले चुनाव में भाजपा की हालत बहुत खराब है। राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में वापसी कर रही है। छत्तीसगढ़ में सीएम बघेल की सरकार 70 से 75 सीट पार कर फिर सरकार बना रह है। ऐसे ही मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। तेलंगाना और मिजोरम में भी भाजपा और उनके सहयोगियों की स्थिति ठीक नहीं है।

असम के सीएम ने कहा था भाजपा नेता सच में गरीब हैं

बीते दिनों बिलासपुर प्रवास पर आए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अपने बयान में कहा था कि कांग्रेस नेताओं ने भ्रष्टाचार कर अवैध कमाई कर पैसे कमाए हैं, जिसके कारण उनके यहां ईडी और आईटी के छापे पड़ रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने कहा था कि भाजपा के नेता सच में बहुत गरीब है। उन्होंने दावा किया था कि चुनाव में हलफनामा देने वाले कांग्रेस और भाजपा नेताओं की संपत्ति का आकंलन करने से इसका पता चल जाएगा कि देश के कांग्रेसी नेता कितने अमीर हैं।

देवघर और गोड्डा में छापेमारी

जमीन और शराब घोटाला से जुड़े हैं छापेमारी के तार, कई कारोबारियों के यहां पड़ी है रेड

रांची, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। आज सुबह देवघर और गोड्डा के कई कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी की है। शराब कारोबारियों पर भी ईडी नकेल कस रही है। गोड्डा जिले में शराब कारोबारी मुकेश बजाज के कई ठिकाने पर छापा पड़ने की खबर आ रही है।

कहां कहां छापेमारी

देवघर के उमाशंकर सिंह, संजय मालवीय, महेश समेत कई कारोबारी आयकर विभाग निशाने पर है।संभावना जताई जा रही है कि इन सब का संबंध झारखंड में हुए बड़े शराब घोटाले से भी है। कारोबारी योगेंद्र तिवारी से पूछताछ में ईडी के हाथ कई अहम जानकारियां लगी है जिसका असर यह छापेमारी।

देवघर में पूर्व मेयर बबलू खवाड़े, संजयानंद झा, ब्रजेश राय और संजय मालवीय के घर पर भी रेड हुई है। ब्रजेश ठेकेदार और संजय मालवीय बिल्डर, बबलू खवाड़े का खास आदमी उमा शंकर सिंह के घर भी कार्रवाई चल रही। छापेमारी चारुशीला ट्रस्ट की जमीन और शराब कारोबार को लेकर देवघर और गोड्डा के कई ठिकानों पर छापेमारी चल रही है।

कई जगहों पर आईटी के रेड

ईडी ने योगेंद्र तिवारी से पूछताछ के क्रम में इस घोटाले से संबंधित कई अहम जानकारियां हासिल करने की कोशिश की थी। आज सुबह से ही विभिन्न ठिकानों पर ईडी छापेमारी चल रही है।

इनकम टैक्स पटना और धनबाद की टीम लीड कर रही है छापेमारी

अबतक मिली जानाकरी के अनुसार। कार्रवाई को इनकम टैक्स पटना और धनबाद की टीम लीड कर रही है।

कोलकाता के सीए माखन सतनालीवाला के महेश मिश्रा के आवास बंपास टाउन में भी छापेमारी जारी है। गोड्डा के कॉन्ट्रेक्टर मुकेश बजाज के आवास पर छापेमारी चल रही है।

कांग्रेस का मिशन 'सरकार रिटर्न्स'

प्रियंका ने खोला घोषणाओं का भंडार

राजनांदगांव, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने खैरागढ़ के जालबांधा में चुनावी सभा को संबोधित किया और कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में वोट मांगा। इस दौरान प्रियंका गांधी ने मंच से घोषणाओं की झड़ी लगा दी। उन्होंने कई बड़ी घोषणाएं की जिसमें सिलेंडर में सब्सिडी, बिजली बिल माफ, स्व-सहायता समूहों का कर्ज माफ करने का एलान किया। खैरागढ़ के जालबांधा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि आज बुखार है लेकिन आप लोगों को देखकर खुशी होती है, खैरागढ़ में पद्मावती और इंदिरा गांधी जी का अपना रिश्ता था, यह

पुराना रिश्ता है खैरागढ़ का हमारे परिवार के साथ। प्रियंका गांधी ने कहा कि हमने जो भी वादे किए थे जैसे ही सरकार आई सभी वादे पूरे किए गये हैं।प्रियंका गांधी ने कहा कि दोबारा कांग्रेस की सरकार बनने पर प्रदेश के बिजली बिल माफ होगा, 200 यूनिट बिजली मुक्ति मिलेगी, महिला समूह के ऋणों को माफ किया जाएगा, 100 नये ग्रामीण औद्योगिक पार्क बनेंगे, सड़क दुर्घटना और आकस्मिक दुर्घटनाओं में छत्तीसगढ़ निवासियों को निशुल्क स्वास्थ्य की सुविधा मिलेगी,परिवहन व्यवसाय से जुड़े 6000 से अधिक वाहन मालिकों के 2018 तक के बकाया कर्ज की माफी की जाएगी। प्रियंका गांधी ने कहा छत्तीसगढ़ का मॉडल गुजरात मॉडल से भी अच्छा है, वह तो दिखावे का मॉडल था। लाखों किसानों को करोड़ों रुपये की सब्सिडी दी गई है, लाखों किसानों का कर्ज माफ किया गया है,बिजली बिल आधा किया है,वन उपज के जरिए आय बढ़ाई गई मिलेट के बड़े-बड़े प्रोडक्शन के प्लांट लगाए गए, बस्तर जो हिंसा के लिए जाना जाता था आज अपने मिलेट के लिए जाना जा रहा है।

जनसभा से प्रियंका गांधी ने की ये घोषणाएं

सिलेंडर रिफिल करने पर 500 रुपये की सब्सिडी घर की महिला के बैंक खाते में दिया जाएगा। 200 यूनिट तक बिजली फ्री, अधिक खपत पर 200 यूनिट प्रति माह तक निःशुल्क बिजली। महिला स्व-सहायता समूहों तथा सक्षम योजनांतर्गत लिए गए ऋण माफ। आगामी वर्षों में 700 नवीन ग्रामीण औद्योगिक पार्कों की स्थापना। राज्य के सभी सरकारी स्कूल को स्वामी आत्मानंद इंग्लिश एवं हिन्दी मीडियम स्कूलों में अपग्रेड करेंगे। छत्तीसगढ़ के निवासियों के सड़क दुर्घटनाओं में तथा अन्य आकस्मिक दुर्घटनाओं में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत निःशुल्क इलाज।

बाप के सिर पर सवार हुआ खून

दो साल के बेटे को तालाब में डुबोकर मारा, जमशेदपुर से गिरफ्तार

जमशेदपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के जमशेदपुर में अपनी पत्नी और बच्चे से तंग आकर 30 वर्षीय एक व्यक्ति ने दो साल के बेटे को मौत की नींद सुला दिया। घटना परसुडीह थाना क्षेत्र के खखरीपाड़ा इलाके की है। रविवार को सिहरन पैदा करने वाली इस वारदात के बारे में परसुडीह थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा ने कहा कि अजय नामता ने अपने बेटे को तालाब में डुबाकर मार डाला। वर्मा ने बताया कि पूछताछ के दौरान घाटशिला थाना अंतर्गत गोपालपुर कटिन पाड़ा निवासी नमता ने अपना अपराध कबूल कर लिया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी का किसी महिला के साथ संबंध था और वह अपनी पत्नी और बेटे के साथ नहीं रहना चाहता था।

रंगदारी के लिए व्यवसायी पर फायरिंग

विधायक राज सिन्हा ने सरकार पर उठाए सवाल, बोले - अपराधियों को दे रही संरक्षण

धनबाद, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। शनिवार को धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के मटकुरिया रोड स्थित कार पार्टर्स की दुकान (कार सेंटर) के मालिक दीपक अग्रवाल पर गोलीबारी की गयी। इस घटना के विरोध में आज जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स के व्यापारियों ने रणधीर वर्मा चौक पर जिला प्रशासन के खिलाफ महाधरना दिया। इस धरना के माध्यम से व्यापारी वर्ग ने जिला प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त है। व्यापारी वर्ग में पुलिस और गुंडा भाई-भाई का नारा का हौसला बुलंद किया। मौके पर धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि आए दिन धनबाद में गैंगस्टर की वारदात और रंगदारी देखने और सुनने को मिल रहा है। मानो पूरे झारखंड में अपराधियों का मनोबल सातवें आसमान पर है। उन्होंने कहा कि रांची हो या धनबाद सभी जगह व्यापारियों को हत्या और रंगदारी का मामला लगातार देखने को मिल रहा है। यहां की सरकार और जिला प्रशासन पूरी तरह से अपराधियों को संरक्षण देने का कार्य कर रहे हैं जबकि कुछ दिन पहले व्यापारियों और पुलिस प्रशासन के बीच एक समन्वय बैठक हुई थी जिसमें पुलिस प्रशासन की ओर से व्यापारी को आश्वासन दिया गया था बहुत जल्द अपराधी सलाखों के पीछे होंगे। धनबाद में व्यापारी वर्ग बेफिक्र होकर अपना व्यवसाय निश्चित रूप से करेंगे। लेकिन यहां की पुलिस एक अपराधी को पकड़ते हैं और अपराधी व्यापारियों का लिस्ट जारी करते हैं। अगर व्यापारी पर की मांग किसी भी स्तर पर ले जाने के लिए होंगे तो मैं सदैव व्यापारी पर के साथ हूं। इसके बावजूद भी पुलिस प्रशासन कार्रवाई नहीं करती है तो दीपावली के बाद इसी रणधीर वर्मा चौक पर जिला प्रशासन और राज्य सरकार के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना करेंगे।

अब बढ़ने लगी है ठंड गिरने लगा है पारा

रांची, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में ठंड बढ़ रही है राज्य के कई हिस्सों में तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ रहा है। ठंड का अहसास होने लगा है। सर्द हवाओं का असर सुबह और शाम को ज्यादा महसूस होने लगा है। मौसम सर्द है तो सर्दी और खांसी के मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। बदलने मौसम के साथ तबीयत भी बिगड़ रही है है। ऐसे मौसम में ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। मौसम विभाग ने पांच दिनो तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान लगाया है साथ ही राज्य के कई हिस्सों में कोहरा और धुंध का असर देखा जा सकता है। इस महीने राज्य के कई हिस्सों में तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है। कुछ दिनों में ही राज्य के कई हिस्सों में तापमान 7 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा गिरा है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले महीने की शुरुआत में पारा और गिर सकता है। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिन मौसम में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। 4 नवंबर तक आसमान मुख्यतः साफ और मौसम शुष्क रहेगा। राज्य के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान 15 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

युगांडा में अपने लिए देश बनाना चाहते थे यहूदी

फिर कैसे फिलिस्तीन में बना इजराइल, पूरे यूरोप की नफरत से पड़ी अलग मुल्क की नींव

यरुशलम, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। साल 1948 की बात है। यहूदी नेता डेविड बेनगुरियन ने भूमध्य सागर के पार अरब मुस्लिमों के बीच फिलिस्तीन में यहूदियों के लिए एक नए देश इजराइल की घोषणा कर दी। इसके बाद से अब तक अपना अस्तित्व बचाने के लिए इजराइल ने 75 साल में 7 जंग लड़ीं हैं। हालांकि, जिस फिलिस्तीन की जमीन पर इजराइल बनाया गया, वो जगह देश बनाने के लिए यहूदी नेताओं की पहली पसंद नहीं थी।

इस स्टोरी में जानते हैं कि यहूदी नेता फिलिस्तीन की बजाय कहां और क्यों अपना देश बनाना चाहते थे और यहूदियों को नया देश बनाने की जरूरत क्यों पड़ी? 1894 की बात है, फ्रांस में एक यहूदी सैनिक पर देश से गद्दारी करने का आरोप लगाया गया। इस सैनिक का नाम अल्फ्रेड ड्रेफस था। अक्टूबर 1894 में फ्रांस की खुफिया एजेंसी ड्यूक्सिएम ब्यूरो को पेरिस में जर्मन दूतावास के बाहर डस्टबिन से एक लेटर मिला। ये लेटर मिलते ही ड्रेफस को गिरफ्तार कर लिया गया।

दरअसल , दूतावास के बाहर से जो लेटर मिला था उसमें कई

सीक्रेट दस्तावेजों की जानकारी का जिक्र किया गया था। ऐसा माना गया कि इसके जरिए जर्मनी को फ्रांस की गुप्त जानकारी दी जा रही थी। जांच करने वालों का शक सबसे पहले तोपखाने में काम करने वाले यहूदी सैनिक अल्फ्रेड ड्रेफस पर गया। उस पर शक की वजह सिर्फ इतनी थी कि कूड़ेदान से मिले लेटर की लिखावट ड्रेफस की लिखावट से मेल खाती थी। इसके अलावा फ्रांसीसी सेना के पास कोई दूसरा सबूत नहीं था। उसके गिरफ्तार होने की वजह सिर्फ ये थी कि ड्रेफस यहूदी था। उस समय फ्रांसीसी अखबारों के पन्ने यहूदियों के खिलाफ नफरत से भरे रहते थे। उन्हें शक की निगाह से देखा जाता था। यूरोप में संपन्न समुदाय होने के बावजूद उनसे नफरत की जाती थी। ड्रेफस की गिरफ्तारी के बाद उनका कोर्ट मार्शल हुआ। उन्हें उम्र कैद की सजा दी गई। हालांकि, 2 साल बाद ही फ्रांसीसी सेना के कर्नल जॉर्ज पिकार्ट के हाथ कुछ सबूत लगे, जिससे पता चला कि असली गुनाहगार ड्रेफस नहीं बल्कि फ्रांसीसी सेना का मेजर फर्डिनांड वाल्सिन था। सच्चाई जानने के बावजूद सेना में बड़े पदों पर बैठे अधिकारियों ने मामला दबाने की कोशिश की। फर्डिनांड वाल्सिन को दो ही दिन में बरी कर दिया गया। हालांकि, एमिल जोला नाम के एक पत्रकार ने ड्रेफस के लिए आवाज उठाई । सरकार पर दबाव बना और 1899 में ड्रेफस का ट्रायल फिर शुरू हुआ और उसे बेगुनाह मान लिया गया।

इस दौरान यहूदियों के विरोध में फ्रांस में कई जगहों पर दंगे हुए। सोसयटी दो गुटों में बंट गई। एक वो था जो ड्रेफस का समर्थन करता था और दूसरा वो जो यहूदियों से नफरत करते थे।

यूरोप में यहूदियों से नफरत के बीच अलग देश की खोज

1896 में ड्रेफस केस के बाद जायोनिस्ट नेताओं ने ये मान लिया था कि अब यूरोप में यहूदियों का रहना मुश्किल होने वाला है। जायोनिस्ट वो नेता थे जो यहूदियों के लिए एक अलग देश बसाने की मांग करते थे। जायोनिस्ट मूवमेंट का जनक थियोडोर हर्जेल को माना जाता है। वे जर्मनी के एक रईस परिवार से ताल्लुक रखते थे। हालांकि, अमीरी भी उन्हें उस नफरत से नहीं बचा पाई जो उन्हें यहूदी होने के वजह से मिलती थी।

ड्रेफस के मामले के बाद 1903 में एक बार फिर यूरोप में यहूदियों पर संकट आया। ईस्टर के दिन मोलदोव के किशिनेव में 49 यहूदियों का कत्ल हुआ। महिलाओं से रेप किया गया। इस घटना ने पूरे यूरोप में यहूदियों को ये सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या उन्हें वहां रहना चाहिए। मोलदोव की दिल दहला देने वाली घटना के बाद जायोनिस्ट नेता ने अपनी छठी बैठक की। इस दौरान उन्होंने दूसरे यहूदी नेताओं से कहा- क्यों न हम ईस्ट अफ्रीका में अपने लिए एक देश बसाएं। दरअसल, इस बैठक से पहले ही हर्जेल ने ब्रिटिश एम्पायर के साथ एक डील की थी। इसके तहत यहूदियों के लिए युगांडा में एक देश बनाने की बात को मंजूरी मिली। हर्जेल का कहना था कि जब तक यहूदियों के लिए फिलिस्तीन में अपना देश बसाने के लिए सही हालात नहीं बन जाते, तब तक वे युगांडा में बस जाएंगे, ताकि फिलिस्तीन के इंतजार में यूरोप में उनके और लोग न मारे जाएं।

सिखों पर हमलों के बीच न्यूयॉर्क मेयर का बड़ा बयान

बोले- पगड़ी को आतंकवाद से जोड़ना गलत

न्यूयॉर्क, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने कहा कि सिखों की पगड़ी का मतलब आतंकवाद नहीं है। पगड़ी आस्था का प्रतीक है, इसे आतंक से जोड़ना दुखद है। एरिक का ये बयान हाल के दिनों में अमेरिका में सिख समुदाय के खिलाफ हुए हमलों और हेट क्राइम की घटनाओं के बीच आया है। उन्होंने कहा कि सिखों के खिलाफ हुई घटनाएं हमारे देश पर एक धब्बे की तरह हैं। सिखों के बारे में हमारे कुछ लोगों को बीच गलत समझ बनी हुई है। हमें आज लोगों को सिख धर्म के बारे में शिक्षित करने की जरूरत है।

एरिक एडम्स ने साउथ रिचमंड हिल के पास बाबा माखन शाह लुबाना सिख केंद्र में सिखों के कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां सिख समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आप आतंक से नहीं जुड़े नहीं हैं। आप तो रक्षक हैं। पूरे शहर में यही सिखाया जाना चाहिए। हमारे युवाओं को यह जानने की जरूरत है कि आपका धर्म क्या है और किस तरह की बातें सिखाता है।

एरिक ने कहा कि सिख समुदाय से कहा कि आपकी

पगड़ी का मतलब रक्षा और सबको एक साथ लाने से है। हमको मिलकर लोगों को ये बताना है और जो गलत धारणा बनी है, उसको बदलना है। हम एक साथ मिलकर गलत धारणा को बदल देंगे।

एरिक ने कहा कि सिख समुदाय का शहर के विकास में अहम योगदान है और उनको चिंतित होने की जरूरत नहीं है।

हाल के दिनों में सिखों पर हुए हैं हमले

न्यूयॉर्क में 15 अक्टूबर को 19 साल के सिख युवक पर गुरुद्वारे जाते हुए हमला किया गया था। उसके साथ मारपीट करते हुए उसकी पगड़ी उतारने की कोशिश की गई थी। इस दौरान सिख युवक के धर्म को निशाना बनाते हुए कमेंट किए गए थे। इसके बाद न्यूयॉर्क में 66 साल के जसमेर सिंह पर बीच सड़क पर हमला किया गया था। सिख बुजुर्ग के चेहरे पर वार किए गए थे। इलाज के दौरान जसमेर सिंह की मौत हो गई थी। इन घटनाओं के बाद रविवार को मेयर एरिक एडम्स और न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली मेंबर जेनिफर राजकुमार ने सिख समुदाय से मुलाकात की और उनको सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

सऊदी प्रिंस बोले- जमीनी हमलों से सिर्फ हिंसा बढ़ेगी

अमेरिका और इजराइल को चेतावनी, कहा- इससे पूरे मिडिल ईस्ट में तबाही होगी

गाजा, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा- गाजा में जमीनी हमले सिर्फ हिंसा को बढ़ाएंगे। इससे संकट और गहराएगा। पूरे मिडिल ईस्ट में तबाही होगी।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, पिछले हफ्ते क्राउन प्रिंस सलमान ने रियाद में 10 अमेरिकी सांसदों से मुलाकात की थी। इस दौरान फिलिस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा पर चर्चा हुई। 26 अक्टूबर को सांसद रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा था- सऊदी अरब को लगता है कि स्थिरता लाने और लोगों की जान बचाने के लिए गाजा में जमीनी हमला नहीं होना चाहिए।

गाजा पर इजराइली हमला नहीं चाहते सऊदी क्राउन प्रिंस

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान नहीं चाहते कि गाजा पर इजराइल हमला करे। वो स्पष्ट कर चुके हैं कि सऊदी अरब फिलिस्तीनियों के साथ खड़ा है।

सऊदी प्रेस एजेंसी के मुताबिक, क्राउन प्रिंस ने फिलिस्तीनी क्षेत्र के राष्ट्रपति महमूद अब्बासी, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी और जॉर्डन के किंग अब्दुल्लाह द्वितीय से भी बातचीत की थी। तीनों नेताओं के बीच इस बात पर सहमति बनी कि गाजा और उसके आसपास के इलाकों में इजराइल को आगे बढ़ने से रोकने के लिए कदम उठाना चाहिए। 7 अक्टूबर को शुरू हुई इजराइल-हमास जंग को लेकर मोहम्मद बिन सलमान एक्टिव जरूर हुए हैं लेकिन आक्रामक नहीं हैं। सऊदी अरब ने कहा है कि वो इजराइली सेना और अलग-अलग फिलिस्तीनी गुटों के बीच संघर्ष पर नजदीकी निगाह रखे हुए है। सऊदी अरब दोनों पक्षों से हिंसा छोड़ने की अपील करता है। साथ ही दोनों ओर के नागरिकों की सुरक्षा बहाल करने और संयम बरतने की अपील करता है।

हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सऊदी भी इजराइल को देश के तौर पर मान्यता दे सकता है। सऊदी और इजराइल के बीच ये करार अमेरिका की मध्यस्थता से

होना था।

दरअसल, अमेरिका मिडिल ईस्ट में चीन के बढ़ते असर को काउंटर करना चाहता था। इसके लिए उसने सऊदी और इजराइल को फोकस में रखा। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक प्लान सऊदी और इजराइल की नजदीकियां बढ़ाना था। जिससे मिडिल ईस्ट का कायाकल्प किया जा सके।

इसके बाद वॉशिंगटन में अमेरिकी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (एनएसए) जैक सुलिवन और मोसाद चीफ डेविन बार्निया के बीच लंबी बातचीत हुई। इस बातचीत में सिर्फ यह डिस्कस किया गया कि सऊदी अरब और इजराइल के डिप्लोमैटिक रिलेशन कैसे और कितने जल्द शुरू कराए जा सकते हैं।

27 जुलाई को वॉशिंगटन पोस्ट ने एक रिपोर्ट में बताया था कि अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवन अचानक सऊदी अरब पहुंचे हैं। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट एक्सिओस के मुताबिक इस मीटिंग का सिर्फ एक एजेंडा था कि सऊदी अरब को अब्राहम अकॉर्ड में शामिल किया जाए। इसी अकॉर्ड के तहत यूएई और बहरीन समेत चार गल्फ कंट्रीज ने इजराइल को मान्यता दी थी।

बाद में व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा- हम चाहते हैं कि सऊदी अरब इजराइल को मान्यता दे। इसके लिए हर मुमकिन कोशिश जारी है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि हमास ने अमेरिका के इस प्लान को फेल करने के लिए इजराइल पर हमला किया।

हालांकि, अभी जो हालात हैं उन्हें देखते हुए अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों को लगता है कि सऊदी अब भी इजराइल को देश के तौर पर मान्यता दे सकता है।

वेस्ट बैंक में घुसे इजराइली टैंकों पर पत्थरबाजी

जेनिन ब्रिगेड का हेड मारा गया, गाजा में सुरंगों से निकले हमास लड़ाकों से भिड़ंत

यरुशलम, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग का आज 24वां दिन है। इस बीच इजराइली सेना के टैंक वेस्ट बैंक के जेनिन इलाके में भी घुसे। यहां फिलिस्तीनियों ने टैंकों पर पत्थरबाजी की। वहीं, टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक जंग के इजराइली एयर स्ट्राइक में जेनिन ब्रिगेड का हेड वायम अल हानून मारा गया।

दूसरी तरफ इजराइली सेना ने गाजा में अपनी जमीनी घुसपैठ बढ़ा दी है। इजराइल डिफेंस फोर्सेस के सैनिकों ने रविवार को गाजा में घुसकर की गई रेड के बाद वहां अपना झंडा फहरा दिया। वहीं, गाजा में लोग टॉर्च लेकर मलबे में अपनों के शवों और लापता परिजनों को तलाश रहे हैं।

डॉक्टर्स भी अंधेरे में इलाज कर रहे हैं। दरअसल, जंग शुरू होने के बाद 10 अक्टूबर को इजराइल ने गाजा को होने वाली बिजली की सप्लाई रोक दी थी। तब से लोग अंधेरे में जीवन गुजार रहे हैं। अस्पतालों में भी बिजली नहीं है। इलाज करने में परेशानी हो रही है। इस बीच अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा है

कि हम जंग लड़ने के लिए अपने सैनिकों को इजराइल या गाजा नहीं भेज रहे हैं। इधर, टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक इजराइल बॉर्डर के पास नॉर्थ गाजा के इरेज शहर में हमास के लड़ाके इजराइली सेना से भिड़ गए। ये लड़ाके सुरंगों से निकले और सैनिकों पर हमला करने लगे। सेना का कहना है उन्होंने यहां कई लड़ाकों को मार गिराया है। उदय अबू मोहसिन इजराइली बमबारी का शिकार हो गया। उसका जन्म 28 अक्टूबर को हुआ था। 29 अक्टूबर को वो मारा गया। एक फिलिस्तीनी फोटो जर्नलिस्ट ने कफन में लिपटे शव की तस्वीर शेयर की। पत्रकार ने कहा- उसका बर्थ सर्टिफिकेट तक नहीं बना था, लेकिन डेथ सर्टिफिकेट बन गया है। इजराइली सेना का कहना है कि हमास के मुख्य और अन्य बड़े ठिकाने अस्पतालों, स्कूलों, मस्जिदों के नीचे हैं। हमास सुरंगों से ऑपरेट करता है। इस संगठन को जड़ से खत्म करने के लिए गाजा का टनल नेटवर्क तबाह करना होगा। वहीं, हमास का कहना है कि उसने बंधकों को इन्हीं सुरंगों में रखा है।

इजराइल ने नॉर्थ गाजा के अल कुद्स अस्पताल को खाली करने के लिए कहा है। इस पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन का कहना है कि अस्पताल में मरीजों की संख्या काफी ज्यादा है। सैकड़ों घायल रोज यहां इलाज और फर्स्ट एड के लिए आ रहे हैं। ऐसे में अस्पतालों को खाली करना नामुमकिन है।

वहीं, हमास ने इजराइली सेना पर अल कुद्स अस्पताल के पास हमला करने का आरोप लगाया है। वीडियो में लोग परेशान होकर इधर-उधर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इजराइल ने बंद की गई एक पाइपलाइन शुरू कर दी है। इनसे गाजा तक पानी पहुंचता है। जंग शुरू होने के बाद 10 अक्टूबर को इजराइल ने पानी सप्लाई रोक दी थी।

इसके शुरू होने के बाद अब गाजा में हर दिन 2 करोड़ 85 लाख लीटर पानी पहुंचेगा।

ब्राजील के अमेजन फॉरेस्ट में प्लेन क्रैश

12 लोगों की मौत, 17 सितंबर को ऐसे ही हादसे में गई थी 14 लोगों की जान

रियो डि जेनेरियो, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्राजील के अमेजन फॉरेस्ट एरिया में रविवार को एक प्लेन क्रैश में 12 लोगों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक- हादसा यहां के मुख्य एयरपोर्ट रियो ब्रांको के नजदीक हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक- यह एक छोटा प्लेन था। सोशल मीडिया पर घटना के कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं। इनमें लपटें उठती नजर आ रही हैं। बताया जाता है कि एयरक्राफ्ट में कुछ टूरिस्ट और बाकी प्रशासन के लोग थे।

17 सितंबर को एक प्लेन क्रैश में पायलट और को-पायलट समेत 14 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में ब्राजील और अमेरिका के पैसेंजर्स शामिल थे। सभी पैसेंजर्स बार्सिलोस में फिशिंग के लिए जा रहे थे।

यह हादसा देश की अमेजोनास की राजधानी मनॉस से करीब 400 किमी दूर बार्सिलोस प्रांत में हुआ था। ब्राजीलियन मीडिया के मुताबिक, खराब मौसम के चलते पायलट प्लेन को लैंड कराने के लिए लैंडिंग स्ट्रिप का अनुमान नहीं लगा पाया था।

पेरू की प्रसिद्ध नाजका लाइन के पास एक पर्यटक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। sहादसे में विमान के 2 क्रू मेंबर्स समेत समेत 7 लोगों की मौत हो गई। इस घटना की जानकारी पेरू की ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री ने दी। यह विमान नाजका लाइन्स के दौरे के लिए पर्यटकों को ले जा रहा था।

अमेरिका के कैलिफोर्नियो में 8 जुलाई को प्लेन क्रैश हुआ था। इसमें सवार सभी 6 लोगों की मौत हो गई थी। ये इलाके में पिछले एक हफ्ते में हुआ दूसरा बड़ा विमान हादसा है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक हादसा अमेरिकी समय के मुताबिक सुबह 4:15 बजे फ्रेंच वैली एयरपोर्ट के पास मुरिएटा कस्बे में हुआ।

पोर्ट सूडान एयरपोर्ट पर करीब दो महीने पहले एक सिविल एयरक्राफ्ट क्रैश हुआ था। इस हादसे में चार सैन्यकर्मियों सहित 9 लोगों की मौत हुई थी। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, सेना ने बताया कि हादसा विमान में तकनीकी खराबी की वजह से हुआ था। दुर्घटना में एक बच्ची की जान बच गई थी।

फ्रांस में मिली सफेद हाइड्रोजन क्या बला है

जिसे वैज्ञानिक बता रहे खजाना, क्या बनेगी दुनिया की रक्षक?

पेरिस, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांस में दो वैज्ञानिकों को जमीन के अंदर एक ऐसा खजाना मिला है, जिसकी दुनियाभर में चर्चा है। माना जा रहा है कि जलवायु संकट से दुनिया को बचाने में ये बहुत मददगार हो सकती है। उत्तर पूर्वी फ्रांस की जमीन के नीचे मिले इस खजाने का नाम सफेद हाइड्रोजन है। जिसे गोल्डन हाइड्रोजन के नाम से भी जाना जाता है। यह प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला आणविक हाइड्रोजन है। फ्रांस के नेशनल सेंटर ऑफ साइंटिफिक रिसर्च में डायरेक्टर दो वैज्ञानिक जैक्स पिरोनोन और फिलिप डी डोनाटो ने ये खोज की है।

जैक्स पिरोनोन और फिलिप डी डोनाटो जमीन के नीचे जीवाश्म ईंधन की तलाश में जुटे थे तो शायद उन्हें ऐसी किसी की खोज की उम्मीद नहीं थी जो जलवायु संकट से निपटने में मददगार बन सकती है। दोनों उत्तर पूर्वी फ्रांस में लोरेन खनन बेसिन में मीथेन की मात्रा का आकलन कर रहे थे, जो पानी में घुली गैसों का

विश्लेषण करने में सक्षम थी। तभी उनको यहां व्हाइट हाइड्रोजन होने का अहसास हुआ।

जमीन के नीचे मिला व्हाइट हाइड्रोजन का बड़ा भंडार

जमीन के कुछ सौ मीटर नीचे हाइड्रोजन की लॉ कंसन्ट्रेशन पाई गई। ये दोनों वैज्ञानिकों के लिए यह बहुत आश्चर्य नहीं था लेकिन जैसे-जैसे जांच गहरी होती गई, एकाग्रता बढ़ती गई। 1,100 मीटर नीचे यह 14% और 1,250 मीटर नीचे यह 20% तक पहुंच गया। पिरोनोन ने कहा, यह आश्चर्यजनक था। इसने नीचे हाइड्रोजन के एक बड़े भंडार की उपस्थिति का संकेत दिया। हमारा अनुमान है कि यहां 6 मिलियन से 250 मिलियन मीट्रिक टन हाइड्रोजन हो सकता है। पिरोनोन का कहना है कि ये अब तक खोजे गए सफेद हाइड्रोजन के सबसे बड़े भंडारों में से एक हो सकता है। व्हाइट हाइड्रोजन को नेचुरल प्राकृतिक, गोल्ड और जियोलेजिक हाइड्रोजन भी कहा जाता है। यह प्राकृतिक रूप से पैदा होता है और जलवायु के लिए बहुत अच्छा है।

सफेद हाइड्रोजन प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला आणविक हाइड्रोजन है। ये लैब या उद्योग में तैयार होने वाले हाइड्रोजन से बहुत अलग है। व्हाइट हाइड्रोजन के उलट ग्रे, भूरा और काला हाइड्रोजन जीवाश्म स्रोतों से उत्पन्न होता है। इस सभी हाइड्रोजन का उत्पादन करते समय कार्बन डाइऑक्साइड निकलता है और दूसरी हानिकारक ग्रीनहाउस गैसें उत्सर्जित होती हैं। जो पर्यावरण के लिए नुकसानदेह हैं। व्हाइट हाइड्रोजन रिसायकेबल है। इस हाइड्रोजन से प्रदूषण नहीं होता है। इसीलिए इस हाइड्रोजन को सफेद कहा जाता है। व्हाइट हाइड्रोजन को बहुत ही कम लागत में एकत्रित करके उपयोग में लाया जा सकता है। सफेद हाइड्रोजन में एक महत्वपूर्ण ऊर्जा स्रोत बनने की क्षमता है। लेकिन अभी तक सफेद हाइड्रोजन प्रकृति में बहुत कम मात्रा में पाया जाता है।

भारतीय जवानों के सम्मान में बनाया जा रहा स्मारक

ढाका, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान 1971 युद्ध में प्राण न्यौछावर करने वाले भारतीय सैनिकों के सम्मान में बांग्लादेश स्मारक बना रहा है। जिसको लेकर सोशल मीडिया और विशेषज्ञों की तमाम प्रतिक्रियाएं सामने आई है। स्मारक का डिजाइन दोनों देशों के बीच स्थायी मित्रता का प्रतीक है। बता दें स्मारक के डिजाइन में कई मूल विषयों को समाहित किया गया है। आईये समझते है कि बांग्लादेश में बनाए जा रहे स्मारक में क्या है खास? बांग्लादेश भारतीय सैनिकों को समर्पित अपने पहले युद्ध स्मारक की तैयारी में जुट चुका है। यह स्मारकीय भाव भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति गहरा आभार व्यक्त करता है, जिनके अटूट प्रयासों ने 1971 में बांग्लादेश की मुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस युद्ध स्मारक की आधारशिला मार्च 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना द्वारा रखी गई थी।

पीएम सुनक ने की घरेलू सुरक्षा को लेकर बैठक

लंदन, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। लंदन स्थित 10 डाउनिंग स्ट्रीट में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक बुलाई। इस्राइल-हमास युद्ध, सड़कों पर प्रदर्शन, ब्रिटेन के घरेलू सुरक्षा मुद्दों पर बैठक में चर्चा की गई। यह ब्रीफिंग ऐसे वक्त में हुई जब इस्राइल और हमास के बीच युद्ध चल रहा है। ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन भी इस बैठक में मौजूद रहे। हमास-इस्राइल युद्ध के बाद से ब्रिटेन की सड़कों में भी प्रदर्शन किए गए, जिसमें नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। बैठक में मौजूद शिक्षा मंत्री रॉबर्ट हाफटन ने कहा, ब्रिटिश नागरिक आतंकवाद के खतरे से सुरक्षित रहे। हमारी सरकार हमेशा से इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं इस बैठक से पहले मेट्रोपोलिटन पुलिस आयुक्त सर मार्क रॉवले ने ब्रिटेन की सड़कों पर चरमपंथ से निपटने के लिए सख्त कानून बनाने का आह्वान किया था।

मेट्रोपोलिटन पुलिस के मुताबिक, तीन सप्ताह पहले पश्चिम एशिया में संकट गहराने के बाद से देश में यहूदी विरोधी घटनाओं में 14 गुना बढ़ोतरी हुई है। सूत्रों की माने तो ब्रिटेन सरकार देश में हो रहे कुछ फलस्तीनी समर्थकों से निपटने की तैयारी में है। जिसके लिए आतंकवाद संबंधी कानूनों को कड़ा करने पर विचार किया जा रहा है। बैठक में गृह मंत्री ब्रेवरमैन ने ऐसी घटनाओं के खिलाफ कड़ी पुलिस कार्रवाई न करने को लेकर सवाल किया। पुलिस ने आगाह किया कि ऐसे मामलों के खिलाफ कानून को पूरी तरह परिभाषित नहीं किया गया है। जिसको लेकर अब सुनक सरकार कानूनों में बदलाव को लेकर कड़े कदम उठाने वाली है।

पाकिस्तान के चर्चित मौलाना तारिक जमील के बेटे की गोली लगने से मौत

लाहौर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के चर्चित मौलाना और तब्लीगी जमात के नेता तारिक जमील के बेटे आसिम जमील की गोली लगने से मौत हो गई है। पंजाब के तलम्बा में तारिक जमील के घर पर ही आसिम को गोली लगी, जिसके बाद उनको अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। रविवार रात करीब साढ़े 10 बजे तारिक जमील ने ट्वीट करते हुए बेटे की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने लिखा कि तलम्बा में मेरे बेटे आसिम जमील की मौत हो गई है। इस हादसे ने पूरे माहौल को गमगीन कर दिया है। सभी से गुजारिश है कि हमें अपनी दुआओं में याद रखें। पुलिस की शुरुआती जांच में 30 साल के आसिम जमील की मौत की वजह आत्महत्या बताई गई है। मियां छन्नू के डीएसपी मोहम्मद सलीम ने पाकिस्तान के अखबार डॉन से बताया कि शनिवार रात आसिम को गोaली लगने की जानकारी मिली। परिवार और पुलिस के लोग आसिम को घायल हालत में तलम्बा हेल्थ सेंटर ले गए। जहां डॉक्टरों ने आसिम को मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद शव को परिवार को सौंप दिया। स्थानीय मीडियो रिपोर्ट के मुताबिक आसिम लंबे समय से मानसिक बीमारी से जूझ रहे थे। उनका कुछ समय पहले तलाक भी हो गया था, जिसके बाद वो काफी परेशान थे।

मुल्तान क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी सोहेल चौधरी ने कहा कि आसिम ने अपने घर के जिम में खुद को गोली मारी है। चौधरी के मुताबिक, आसिम अपने घर पर ही बने जिम में एक्सरसाइज के लिए गए थे।

आरएलपी-आजाद समाज पार्टी का गठबंधन, मिलकर लड़ेंगे चुनाव

हनुमान बेनीवाल बोले- लाल डायरी के अगले पन्ने पर बीजेपी नेताओं के नाम, इसलिए दफन किया मुद्दा

जयपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों को लेकर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने चंद्रशेखर आजाद रावण की पार्टी आजाद समाज पार्टी के साथ गठबंधन किया हैं। आरएलपी और आजाद समाज पार्टी अब मिलकर प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। आज जयपुर में आरएलपी के 5वें स्थापना दिवस समारोह व सत्ता संकल्प महारैली के समापन के मौके पर आरएलपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल और आज़ाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आज़ाद रावण ने इसकी घोषणा की।

इस मौके पर दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हनुमान बेनीवाल ने कहा कि केतली (आसपा का चुनाव चिन्ह) और बोतल (आरएलपी का चुनाव चिन्ह) मिलकर राजस्थान को नई दिशा देगी। हमारे गठबंधन से बीजेपी-कांग्रेस के नेताओं की तबीयत बिगड़ गई हैं। कुछ लोग अपनी सीट बदलना चाहते हैं। कुछ लोग पंडित से पूछकर नोमिनेशन का मुहूर्त निकलवा रहे है।

लाल डायरी के अगले पन्नों में बीजेपी नेताओं के नाम

हनुमान बेनीवाल ने कहा कि वसुंधरा राजे और बीजेपी नेताओं ने उस समय सीएम अशोक गहलोत की मदद की। जब उनकी सरकार गिर रही थी। आपको पता है प्रदेश में लाल डायरी का मुद्दा बंद क्यों हो गया। क्योंकि लाल डायरी के पहले पन्ने पर कांग्रेस के नेताओं का लेखा जोखा था। वहीं अगले पन्नों पर बीजेपी के उन नेताओं के नाम थे। जो सीएम के टच में थे। जो उनसे लेन देन कर रहे थे। इसलिए बीजेपी ने लाल डायरी के मुद्दे को दफन कर दिया। प्रदेश में यह मिलाजुली का खेल लंबे समय से चल रहा हैं।

हमारे विधायक बिकाऊ नहीं, टिकाऊ

उन्होंने कहा कि जब अमित शाह, बीजेपी और गहलोत विधायकों की खरीद-फरोख्त कर रहे थे। उस समय केवल हमारी पार्टी के विधायक थे। जो बिके नहीं। क्योंकि आरएलपी के विधायक बिकाऊ नहीं, टिकाऊ है। हमारे तीनों विधायक विधानसभा में जनता के मुद्दे उठाते रहे। जबकि बसपा से जीतकर आए 6 विधायक कांग्रेस में शामिल हो गए। पिछले 5 सालों में आरएलपी ने प्रदेश में विपक्ष की भूमिका निभाई हैं।

प्रधानमंत्री ने भगवान के साथ ही धोखा कर दिया

हनुमान बेनीवाल ने सभा में कहा कि पीएम मोदी देवनारायण भगवान के मंदिर गए। जो गुर्जर समाज ही नहीं बल्कि सर्व समाज की आस्था का प्रतीक हैं। वो मंदिर को राष्ट्रीय स्तर की पहचान देते। लेकिन उन्होंने तो लिफाफे में 21 रूपए डालकर भगवान के साथ ही मजाक कर डाला।

हम छोटे मोटे एमपी-एमएलए है। हम जहां भी जाते है 5 हज़ार रुपए देते हैं। भगवान की मजाक तो मत उड़ाओ। ये आपको उसी जगह भेज देंगे। जहां से आप आए हो।

आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आज़ाद ने कहा कि यह गठबंधन राजस्थान के भविष्य का फैसला करेगा। यह गठबंधन दलित और जाट के बीच का गठनबंधन नहीं है।

वैभव गहलोत से दिल्ली में ईडी की पूछताछ

सीएम के बेटे ने कहा- कोई विदेशी ट्रांजेक्शन नहीं किया, फेमा का मामला ही नहीं बनता

जयपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत के बेटे और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष वैभव गहलोत सोमवार सुबह दिल्ली स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में पेश हुए। ईडी उनसे पूछताछ कर रही है। 4 घंटे की पूछताछ के बाद उन्हें लंच ब्रेक दिया गया। इसके बाद दूसरे राउंड की पूछताछ शुरू हुई। पहले राउंड के पूछताछ के बाद वैभव ने कहा- कोई विदेशी ट्रांजेक्शन नहीं किया, फेमा का मामला ही नहीं बनता।

ईडी ने 25 अक्टूबर को वैभव गहलोत को समन भेजकर फॉरेन एक्सचेंज रेगुलेटरी एक्ट (फेमा) के उल्लंघन के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। वैभव ने पेश होने के लिए 30 अक्टूबर तक का समय मांगा था। वैभव वकीलों की राय लेने के बाद खुद की कंपनियों से जुड़े दस्तावेज के साथ ईडी के सामने पेश हुए हैं।

वैभव गहलोत से ईडी ने पहले राउंड में करीब चार घंटे (सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक) पूछताछ की। पहले राउंड की पूछताछ के बाद एक घंटे लंच के लिए समय दिया गया। लंच ब्रेक के बाद फिर से पूछताछ शुरू की है। वैभव बोले- मैंने और मेरे परिवार ने कोई विदेशी ट्रांजेक्शन नहीं किया, फेमा का मामला नहीं बनता। मुझे फेमा के मामले में ईडी ने समन दिया था। फेमा से जुड़े मामले में ही पूछताछ की है। मेरे और मेरे परिवार ने कोई विदेशी लेनदेन नहीं किया। फेमा में यह समन ही गलत है। मुझे केवल पूछताछ के लिए पेश होने के लिए डेढ़ दिन का समय दिया गया। मुझे और टाइम मिलना चाहिए था।

वैभव गहलोत से ईडी की पूछताछ का मुख्य फोकस शैल कंपनियों में पैसा लगाने, मॉरीशस रूट के जरिए पैसा विदेश पहुंचाने और मनी लॉन्ड्रिंग पर है। वैभव की कंपनी पर शैल कंपनी के जरिए 100 करोड़ रुपए मॉरीशस भेजने के आरोप है। जून में राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने ईडी में इसकी शिकायत की थी। सांसद मीणा ने वैभव पर होटल फेयरमोंट में मॉरीशस की शैल कंपनी की ओर से करीब 100 करोड़ के निवेश के आरोप लगाए थे। शिकायत में आरोप था कि गहलोत और उनके परिवार के सदस्यों के पैसे को पहले हवाला के जरिए मॉरीशस पहुंचाया गया। मामले में फेमा के उल्लंघन की जांच करने की मांग की गई थी।

वैभव ने कहा- ट्राइटन से मेरा संबंध केवल टैक्सी सर्विस का है

ईडी से समन जारी होने के बाद वैभव गहलोत ने कहा था कि जिस मामले में 12 साल पहले जांच हो चुकी है। हम सब दस्तावेज दे चुके हैं। उस वक्त कुछ नहीं मिला। अब चुनाव के समय उस मामले को फिर उठाया गया है। ट्राइटन से संबंध पर वैभव ने कहा था- ट्राइटन होटल्स से मेरी कंपनी का व्यवसायिक संबंध केवल टैक्सी दिलाने तक का है, जो आज भी है। उनसे जुड़ी किसी भी कंपनी में हिस्सेदार नहीं हूं। उन्होंने कहा कि मैं ट्राइटन इंडिया में डायरेक्टर या पार्टनर कभी नहीं रहा। उनकी कंपनी ने विदेश में क्या ट्रांजैक्शन किया है, इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। विदेश से कोई व्यापार या वहां मेरी कोई संपत्ति नहीं है।

ट्राइटन के डायरेक्टर रतन शर्मा और वैभव गहलोत के कारोबारी रिश्ते हैं। रतन की कंपनी ट्राइटन होटल्स एंड रिजॉर्ट्स में वैभव गहलोत लीगल एडवाइजर रहे हैं। बीजेपी ने आज से 10 साल पहले भी वैभव की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाए थे।

वैभव गहलोत ने रतन शर्मा को लेकर कहा था कि रतन शर्मा मेरी कंपनी सनलाइट कार रेंटल में कुछ समय शेयर होल्डर रहे थे। बाकी जिन लोगों के नाम लिए जा रहे हैं, उनसे कोई व्यवसायिक संबंध नहीं रहा है। ईडी में की गई शिकायत के अनुसार वैभव की कंपनी सनलाइट कार रेंटल सर्विसेज के दस्तावेज में रतन शर्मा निदेशक रहे हैं।

वैभव गहलोत से ईडी उनकी कंपनी के लेनदेन, पार्टनरशिप और मॉरीशस लिंक के बारे में पूछताछ कर रही है। ईडी ने समन के साथ उन डॉक्युमेंट्स की भी लिस्ट दी थी, जिन्हें साथ लेकर जाना था। वैभव और उनके परिवार के मेंबर जिन कंपनियों में डायरेक्टर हैं, उनका पूरा ब्योरा मांगा है।

वैभव की कंपनियों और उनके लेनदेन के ब्योरे, ट्राइटन होटल्स एंड रिजॉर्ट्स कंपनी के साथ लेनदेन का शुरू से लेकर अब तक साल दर साल पूरा ब्योरा मांगा है। सनलाइट कार रेंटल कंपनी के लेनदेन और विदेशों से हुए लेनदेन की भी जानकारी मांगी है।

भाजपा प्रत्याशी संतोष मेघवाल का विरोध

नाराज पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं की हुई बैठक हाईकमान से की प्रत्याशी बदलने की मांग

सुजानगढ़, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुजानगढ़ सीट से संतोष मेघवाल को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने के बाद विरोध कम होने का नाम नहीं ले रहा है। टिकट की घोषणा होते ही दो प्रदेश उपाध्यक्षों ने इस्तीफे सौंप बगावत कर दी थी। एक तरफ शहर की स्टेशन रोड़ पर सेन मंदिर में नामांकन को लेकर भाजपा का कार्यकर्ता सम्मेलन चल रहा था।

वहीं दूसरी ओर सालासर रोड़ पर पार्टी के नाराज पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक चल रही थी। बैठक में संतोष मेघवाल को टिकट दिए जाने से नाराज लोगों ने उनके कांग्रेसी बैकग्राउंड का होने और कार्यकर्ताओं की अनदेखी करने के आरोप लगाते हुए हाईकमान से टिकट बदलने तक की मांग रख दी।

बैठक को पूर्व मंडल अध्यक्ष वैद्य भंवरलाल शर्मा, नगर परिषद उपनेता प्रतिपक्ष रिछपाल बिजारनिया, मनीष दाधीच, महावीर सिंह परावा, नौरंग सीलू, बुद्धिप्रकाश सोनी ने संबोधित किया। असंतुष्टों की बैठक में अंजनी कुमार रांकावत, विजयपाल चाहर, प्रह्लाद जाखड़, सांवरमल पुजारी, कुंदनमल पूनिया, मनोज ढाका, मदन भारी, इमरान खान, मदन गुलेरिया, जगदीश सेवदा, हीरालाल पुजारी, अमित मौसूण, नवरत्न पुरोहित, रामनिवास बुगालिया, भंवर सिंह, बजरंग सिंह, नारायण प्रजापत सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

55.9 किलो डोडा चूरा सहित 2 तस्कर गिरफ्तार

नाकाबंदी के दौरान दबोचा, मादक पदार्थ की बाजार कीमत 8 लाख 38 हजार रुपए

झालावाड़, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले की बकानी थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा सहित बड़बड़-कमलपुर रोड से 2 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 55 किलो 900 ग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 8 लाख 38 हजार 500 रुपए बताई जा रही है।

एसपी रिचा तोमर ने सोमवार को बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव 2023 की आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर असामाजिक तत्वों और अवैध हथियारों की रोकथाम, हवाला का पैसा, अवैध नकदी और बुलियन आदि की जब्ती, अवैध मादक पदार्थ, अवैध शराब और अवैध गतिविधियों के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के लिए जिला पुलिस द्वारा जिले में सघन नाकाबंदी और निरन्तर प्रभावी गश्त, पेट्रोलिंग और चैकिंग की कार्रवाई की जा रही है।

इसी के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा के निर्देशन और वृत्ताधिकारी झालावाड मुकुल शर्मा के सुपरविजन में बकानी थानाधिकारी भूपेश शर्मा मय जाब्ता द्वारा थाना क्षेत्र के पोलिंग बूथों की चैकिंग और अवैध कार्यों की रोकथाम की गश्त के दौरान बडबड-कमलपुरा रोड पर दो संदिग्ध व्यक्ति रत्तीराम (32) पुत्र शिवलाल लोधा और भैरूलाल लोधा (35) निवासी कमलपुरा को राउण्ड अप किया।

आरोपियों के कब्जे से 5 कट्टों में भरा कुल 55 किलो 900 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा बरामद किया है। बकानी थानाधिकारी भूपेश शर्मा ने बताया कि दोनों को एनडीपीएस एक्ट के अपराध में गिरफ्तार किया है, जिन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा।

भारत लौटेगी अंजू, पाकिस्तान सरकार से मांगी एनओसी

भारतीय पति अरविंद ने कहा- लौटेगी तो सरकार पूछेगी कि क्यों गई थी, अब क्यों आ रही

भिवाड़ी, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर बने दोस्त नसरुल्लाह से निकाह करने पाकिस्तान गई अंजू (34) अब भारत लौटने की तैयारी कर रही है। अंजू ने पाकिस्तान सरकार से भारत लौटने के लिए एनओसी मांगी है। मंजूरी मिलते ही अंजू अपनी 15 साल की बेटी और 6 साल बेटे से मिलने भारत आ सकती है।

अंजू के पाकिस्तानी पति ने मीडिया को बताया- 'हम इस्लामाबाद में आंतरिक मंत्रालय से एनओसी का इंतजार कर रहे हैं। इसके लिए हमने पहले ही आवेदन कर दिया है। एनओसी प्रक्रिया थोड़ी लंबी है। इसे पूरा होने में समय लगता है। जैसे ही मंजूरी मिलेगी, अंजू भारत जाएगी और अपने बच्चों से मिलेगी। वो अपने बच्चों से मिलने के लिए मानसिक रूप से परेशान है।'

वहीं, इस बारे में भारत में अंजू के पति अरविंद का कहना है- 'अंजू से इस बारे में मेरी कोई बातचीत नहीं हुई है। मैं भी मीडिया पर ही ये सब देख और सुन रहा हूं। अगर वो भारत आती है तो वो कहां रहेगी, इस बारे में मुझे जानकारी नहीं है।' अरविंद ने कहा- 'अंजू के बारे में सरकार ही उससे पूछेगी कि उसके पाकिस्तान जाने की असली वजह क्या थी। अब वो भारत किसलिए आ रही है। मैं अपने बच्चों के साथ खुश हूं। मुझे उससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं अपने बच्चों के भविष्य के विषय में सोचता हूं। किसी से कोई मतलब नहीं है।'

भिवाड़ी एसपी योगेश दाधीच ने कहा- अंजू के पाकिस्तान से भारत आने की कोई सूचना नहीं मिली है। अभी हमने अंजू के मामले को देखा भी नहीं है। इस विषय में स्टडी करेंगे। अगर अंजू भिवाड़ी आती है तो कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।

अंजू के पाकिस्तान में शादी करने के बाद अरविंद ने 5 अगस्त को फूलबाग थाने में केस दर्ज करवाया था। पुलिस ने अंजू के खिलाफ आईपीसी की धारा 494 (पहली शादी के होते हुए दूसरी शादी करना), 500 (मानहानि), 506 (जान से मारने की धमकी देना), आईटी 43/66 (किसी डिवाइस से आपत्तिजनक सामग्री भेजना/गोपनीय डाटा का ट्रांजेक्शन) का मामला दर्ज किया था।

2 ट्रोलों की भिड़ंत में ड्राइवर-हेल्पर जिंदा जले

कोयले से भरे ट्रोले ने पकड़ी आग, मदद के लिए चिल्लाते रहे; 2:30 घंटे में पाया आग पर काबू

सिरोही, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। दो ट्रोलों में आपसी भिड़ंत के बाद आग लगने से ड्राइवर और हेल्पर जिंदा जलकर खाक हो गए। हादसे की सूचना पर सिरोही सदर पुलिस घटनास्थल पहुंची और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया। हादसा सोमवार तड़के सुबह करीब 2 बजे कांडला राजमार्ग स्थित मीरपुर गेट गांव के पास हुआ।

जानकारी के अनुसार कांडला राजमार्ग स्थित सिरोही सदर थाना क्षेत्र के मीरपुर गेट के पास दो ट्रोलों के बीच हुई जोरदार भिड़ंत के बाद कोयले से भरे हुए ट्रोला में आग लग गई। घटना की सूचना वहां मौजूद कुछ लोगों ने सदर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही एएसआई शैतान सिंह देवड़ा दल सहित घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने हादसे सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को देने के साथ फायर बिग्रेड को दी। सूचना पर तुरंत पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक कोयले से भरे ट्रोले के ड्राइवर और हेल्पर उसमे जिंदा जलकर खाक हो चुके थे। पुलिस ने ड्राइवर और हेल्पर के शव सिरोही अस्पताल की मॉर्च्युरी में भेजकर ट्रोला मालिक को सूचना दी। पुलिस दोनों शवों की शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

ASI शैतान सिंह देवड़ा ने बताया कि कांडला से कोयला भरकर ट्रोला सिरोही की तरफ आ रहा था, जबकि ब्यावर की तरफ से पत्थर का पाउडर भरकर कांडला की तरफ दूसरा ट्रोला जा रहा था। दोनों वाहनों की जोरदार टक्कर के बाद कोयला से भरे ट्रोला में आग लग गई। जिससे वाहन का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, ड्राइवर और हेल्पर उसी में फंस गए। आग में जिंदा जलने से दोनों की मौत हो गई। फायर बिग्रेड की मदद से आग लगने के करीब 2:30 घंटे की मशक्कत के बाद पूरी तरह से आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझाने के बाद क्रेन की मदद से दोनों जले हुए वाहनों को सड़क से हटवा कर यातायात दोबारा सुचारू करवाया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट का होना सामने आया है। लेकिन जांच के बाद ही पता चल सकेगा कि आग किस कारण से लगी।

घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के बाद पाउडर से भरे ट्रोले का ड्राइवर मौके से भाग गया, जबकि दूसरे ट्रोले में आग लगने से ड्राइवर और हेल्पर उसमें फंस गए और जोर-जोर से मदद मांगने लगे। लेकिन मदद करने वाला कोई नहीं था, इसके चलते दोनों की उसमें जलने से मौत हो गई।

रोहतक में जयपुर के परिवार की कार ट्रक से टकराई

दंपती की मौत, बेटा और 2 बेटियां गंभीर घायल;वैष्णो देवी के दर्शन कर लौट रहे थे

जयपुर, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। वैष्णो देवी के दर्शन कर लौट रहे जयपुर के परिवार की कार हरियाणा के रोहतक में आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई, जबकि बेटा और 2 बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका ऑपरेशन होना है। परिवार 25 अक्टूबर की सुबह माता के दर्शन के लिए गया था और जयपुर लौट रहा था।

परिजन उमाशंकर अग्रवाल ने बताया कि उनका छोटा भाई गोविंद अग्रवाल (57) मूलतः त्रिपोलिया हाल श्री रतना अपार्टमेंट पीतल फैक्ट्री, बनीपार्क में रहता था। गोविंद को कैंसर था और करीब 1 साल पहले उसका ऑपरेशन हुआ था। गोविंद की बेटियों ने पिता के सफल ऑपरेशन और कैंसर से ठीक होने पर वैष्णो देवी के दर्शन करने की मन्नत मांगी थी। 5 दिन पहले पूरा परिवार माता के दर्शन के लिए निकला था और घर लौटने वाला था।

उमाशंकर ने बताया- हरियाणा पुलिस से जानकारी मिली कि रोहतक जिले के निंदाना गांव के पास गोविंद अग्रवाल की कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में गोविंद और उनकी पत्नी रेणू अग्रवाल (54) की मौत हो गई, जबकि बेटी शिप्रा अग्रवाल (25), हर्षा (23) और बेटे दिव्यम (20) का अस्पताल में इलाज चल रहा है। ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

उमाशंकर अग्रवाल ने बताया- गोविंद गोपाल जी का रास्ता में जवाहरात का काम करता था। दोनों बेटियां बेंगलुरु में प्राइवेट कंपनी में जॉब (वर्क फ्रॉम होम) करती हैं। बेटा दिव्यम कॉलेज में पढ़ रहा है। हादसे की सूचना पर परिवार के लोग रोहतक पहुंचे। देर रात एंबुलेंस से गोविंद और रेणू के शव लेकर जयपुर आए।

जानकारी के अनुसार गोविंद अग्रवाल किराए पर इनोवा कार लेकर वैष्णो देवी के दर्शन के लिए गए थे। लौटते समय उनकी गाड़ी ट्रक से टकरा गई। हादसे के समय ड्राइवर के बगल की सीट पर शिप्रा बैठी थी। बीच की सीट पर गोविंद अग्रवाल और रेणू अग्रवाल के साथ बेटा दिव्यम बैठा था। सबसे पीछे की सीट पर छोटी बेटी हर्षा बैठी थी। हादसे में ड्राइवर को खरोंच तक नहीं आई।

हनीट्रैप में फंसाकर पाकिस्तानी युवतियों ने खुफिया जानकारियां लीं

राजस्थान का युवक सेना से जुड़े वीडियो-फोटो भेजता था, पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए

बीकाने

पाकिस्तानी इंटेलिजेंस एजेंसी की 2 महिला हैंडलर्स ने बीकानेर के युवक को हनीट्रैप में फंसा लिया। दोनों ने उसे सीमावर्ती इलाकों की जासूसी कराना शुरू किया। 2 साल पहले फेसबुक के जरिए हुई बातचीत में PIA एजेंट युवतियां उससे सेना की जानकारी भेजने को कहती थीं। एक युवती खुद को स्थानीय जर्नलिस्ट बताती थी तो दूसरी बीएसएफ की कर्मचारी बनकर उससे बात करती थी।

युवक इनके जाल में ऐसा फंसा था कि उसने यहां बॉर्डर एरिया से जुड़ी तमाम सूचनाएं पाकिस्तान को भेज दीं। इसके लिए बाकायदा उसने एक वॉट्सऐप ग्रुप भी बनाया था। राजस्थान पुलिस की इंटेलिजेंस टीम ने इसे तीन दिन पहले गुरुवार को बीकानेर के बज्जू से हिरासत में लिया था। इसके बाद इसे शनिवार

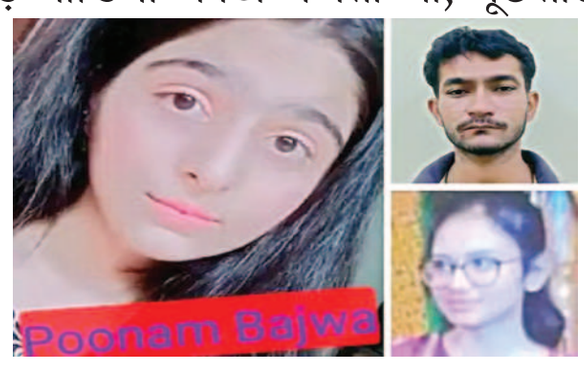

को जयपुर में जॉइंट इंटेरोगेशन कमेटी की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (इंटेलिजेंस) एस सेंगाथिर ने बताया- भारतीय सीमा से पाकिस्तान को खुफिया रिपोर्ट्स देने के मामले में पुलिस ने नरेंद्र को गिरफ्तार किया है। अब तक हुई पूछताछ में ये सामने आया है कि वो PIA की दो महिला हैंडलर्स को सूचनाएं दे रहा था।

नरेंद्र भारत-पाकिस्तान सीमा पर खाजूवाला (बीकानेर) के आनन्दगढ़ का रहने वाला है। वह बज्जू में एक बाइक कंपनी में काम करता था। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान की सुनीता और पूनम बाजवा नाम की युवतियों के संपर्क था। युवतियां इससे फर्जी नाम से चैट और वॉट्सऐप कॉल के जरिए बातचीत करती थीं।

खौलते तेल की कड़ाही में गिरी 4 साल की मासूम, इलाज के बाद तोड़ा दम

भीलवाड़ा, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। अपनी मां के साथ एक रसोई के कार्यक्रम में गई चार साल की मासूम खेलते समय खौलते तेल की कड़ाही में गिर गई। तेल इतना गर्म था कि कुछ ही सेकेंड में मासूम का शरीर 80 फीसदी तक झुलस गया। मासूम को तुरंत उदयपुर के महाराणा भूपाल हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना भीलवाड़ा के धनवाड़ा गांव की है। जानकारी के अनुसार पारोली थाना क्षेत्र के धनवाड़ा गांव में शनिवार को शरद पूर्णिमा पर ढाबा संचालक भागचंद धाकड़ के यहां पर सामाजिक कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में रसोई का काम करने के लिए हलवाई के साथ पारोली निवासी काली देवी अपनी 4 साल की बेटी निधि को लेकर गई थी।

बीडीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) में आज सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन किया गया। इस वर्ष के सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय भ्रष्टाचार को ना कहें, राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता' है, जिसे बीडीएल द्वारा 30 अक्टूबर से 07 नवंबर तक मनाया जा रहा है। बीडीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन कमोडोर ए. माधवराव (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, बीडीएल द्वारा कंचनबाग, भानुर और विशाखापत्तनम इकाई और विभिन्न कार्यालयों में स्थित कंपनी के कर्मचारियों को दिलाई गई "अखंडता प्रतिज्ञा" के साथ शुरू हुआ। एन श्रीनिवासुलु निदेशक (वित्त), बीडीएल, पीवी राजाराम, निदेशक (उत्पादन), डॉ. उपेंदर वेन्नम, आईपीओएस मुख्य सतर्कता अधिकारी, बीडीएल, कमोडोर गिरीश रघुनाथ प्रधान (सेवानिवृत्त), कार्यकारी निदेशक (कंचनबाग और विशाखापत्तनम यूनिट) और अन्य कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सीएमडी, बीडीएल द्वारा "आरक्षण नीति पर एक पुस्तिका" जारी की गई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2023 के अवसर पर भारत के माननीय राष्ट्रपति, भारत के उपराष्ट्रपति एवं केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा दिये गये सन्देश पढ़े गये। सप्ताह भर चलने वाले समारोह के दौरान, कंपनी के कर्मचारियों, उनके जीवनसाथी और स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए सतर्कता जागरूकता फैलाने के लिए निबंध लेखन, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, नारा लेखन और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। समाज के सभी वर्गों के बीच सतर्कता जागरूकता फैलाने के लिए सप्ताह के दौरान एक वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। सीवीसी की शिकायत नीति, स्थायी आदेशों के प्रावधानों और निवारक सतर्कता उपायों, पीआईडीपीआई (सार्वजनिक हित प्रकटीकरण और मुखबिरों की सुरक्षा) समाधान आदि पर कर्मचारियों के लिए कार्यशालाओं/संवेदीकरण कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

एसपी ने किया सीएम आशीर्वाद सभा स्थल का निरीक्षण

भैंसा, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा में आयोजित प्रजा आशीर्वाद सभा में मुख्यमंत्री केसीआर के आने की पृष्ठभूमि में व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उसी के तहत जिले के एसपी चल्ला प्रवीण कुमार ने सोमवार को भैंसा का दौरा किया और हेलीपैड और विधानसभा परिसर का निरीक्षण किया। उनके साथ टाउन सीआई श्रीनु, एएमसी के वाइस चेयरमैन जेके पटेल और अन्य शामिल रहे।

भैंसा में शारदा देवी की पांच दिवसीय विशेष पूजा के पश्चात सोमवार को विसर्जन करतीं आर्य वैश्य संघ की सदस्याएं।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) की अर्द्धवार्षिक बैठक संपन्न

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-सिकंदराबाद स्थित उपक्रमों की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 58वीं अर्द्धवार्षिक बैठक और वार्षिक पुरस्कार-वितरण समारोह बीडीएल के सीएमडी एवं समिति के अध्यक्ष कमोडोर ए. माधवाराव (से.नि.) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर ईसीआईएल के सीएमडी अनुराग कुमार, मिधानि के निदेशक (वित्त) एन. गौरीशंकर राव सहित सदस्य कार्यालयों के प्रधान के रूप में कार्यपालक निदेशक, महाप्रबंधक, राजभाषा प्रधान, भारत सरकार राजभाषा विभाग दक्षिण क्षेत्र के उपनिदेशक (कार्यान्वयन) अनिर्बान कुमार विश्वास और हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद की उप निदेशक डॉ. बेला कक्कड़ में उपस्थित रहे। बैठक का उद्घाटन करते हुए समिति के अध्यक्ष ने कहा कि बैठक में इतनी बड़ी संख्या में उपस्थिति राजभाषा के प्रति सभी सदस्यों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच से हिंदी का प्रयोग कर हमें यह दिशा दी है कि इस भाषा में राजनीतिक चर्चा के साथ-साथ विदेश नीति, रक्षा नीति, आर्थिक और तकनीकी क्षेत्र के हर विषय में बातचीत और काम हो सकता है। तदुपरांत, समिति के सदस्य सचिव होमनिधि शर्मा, उप महाप्रबंधक (राजभाषा), बीडीएल ने समिति की पिछली बैठक से अब तक संपन्न गतिविधियों पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के साथ-साथ आने वाले तीन-चार महीनों में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। इन कार्यक्रमों में लघु सदस्य कार्यालयों के लिए संयुक्त हिंदी कार्यशाला, नव-नियुक्त राजभाषा अधिकारी, कर्मचारी व नोडल हिंदी अधिकारियों के लिए राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम, राजभाषा संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह आदि शामिल हैं। बैठक के अगले चरण में हिंदी शिक्षण योजना की उप निदेशक डॉ. बेला कक्कड़ ने राजभाषा विभाग की ओर से संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए उपक्रमों की ओर से प्राप्त नामांकन के प्रति सभी का आभार व्यक्त किया। राजभाषा विभाग के उप निदेशक (कार्यान्वयन) अनिर्बान कुमार विश्वास ने समिति की गतिविधियों की प्रस्तुति तथा सभी सदस्य कार्यालयों से प्राप्त छ:माही रिपोर्टों का अवलोकन कर राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति की मदवार समीक्षा की। इसके बाद मंचासीन उच्चाधिकारी मिश्र धातु निगम लिमिटेड के निदेशक (वित्त) एन गौरी शंकर राव, ईसीआई के सीएमडी अनुराग कुमार ने भी चर्चित बातों पर को रेखांकित करते हुए समिति के कार्यकलापों पर प्रसन्नता व्यक्त की। इसके बाद समिति के अध्यक्ष एवं सीएमडी, बी डी एल कमोडोर ए माधवाराव (से.नि.) ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सदस्य कार्यालयों द्वारा किये जा रहे कामकाज पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि कमियों को ध्यान देकर दूर किया जा सकता है। इस पर उन्होंने सभी संबंधित कार्यालय प्रधानों का उन्होंने ध्यानाकर्षण किया। आगे राजभाषा शील्ड/ ट्रॉफी/कप, उत्तम पत्र-पत्रिका पुरस्कार और अंतर-उपक्रम प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी।

बैठक के अंतिम चरण में राजभाषा के उत्तम कार्य निष्पादन के लिए वर्ष 2022-23 अवधि से संबंधित राजभाषा शील्ड, ट्रॉफी और कप, उत्तम पत्र-पत्रिका पुरस्कार सहित वर्ष 2023 के अंतर-उपक्रम प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में बड़े कार्यालय श्रेणी के अंतर्गत ईसीआईएल, एचएएल और बीएचईएल-रामचंद्रपुरम, मध्यम कार्यालय श्रेणी में एनएमडीसी, बीएचईएल-आर एंड डी, मिधानि, लघु कार्यालय श्रेणी में प्रतिभूति मुद्रणालय, भारत सरकार टकसाल, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, अति लघु सदस्य कार्यालय श्रेणी में एम एस टी सी, हुडको, ईसीजीसी, हैदराबाद शाखा शामिल रहे।

इसी तरह उत्तम पत्र-पत्रिका पुरस्कार के अंतर्गत प्रकाशित वर्ग में ई सी आई एल की गृह-पत्रिका "ईसीआईएल गौरव' और ई-पत्रिका वर्ग में एनएमडीसी लिमिटेड की गृह-पत्रिका "खनिज भारती' तथा मिधानि की गृह-पत्रिका "संकल्प' को संयुक्त रूप से नक़द पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

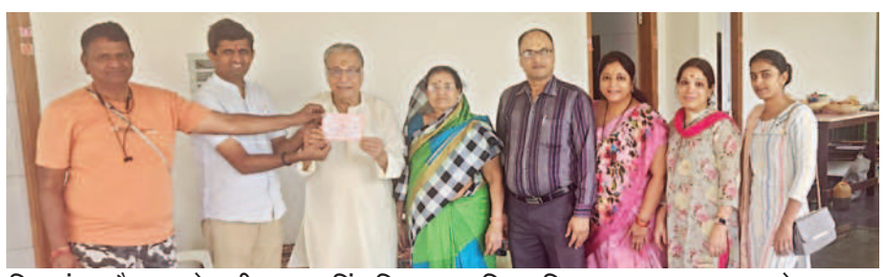

विश्व मंगल गौशाला को सुशील कुमार सिंघानिया द्वारा भूमिदान किया गया। इस अवसर पर गोपालदास बंसल, सुमित्रा बंसल, पवन, मोनिका, रेखा, दर्शन अग्रवाल, संगीता, मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार।

श्री विश्वकर्मा जांगिड सुथार ट्रस्ट, हैदराबाद-सिकंदराबाद के अध्यक्ष नेमीचंद जांगिड के नेतृत्व में विश्वकर्मा मंदिर निर्माण हेतु मीटिंग हुई, जिसमें देवकरण, पुखराज, राजेश, रामनारायण, शंकरलाल, छोगालाल, मांगीलाल, अमराराम, विश्नाराम, पूंजाराम अन्य उपस्थित रहे।

वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान की तीसरी जीत

श्रीलंका को 7 विकेट से हराया, अब तक तीन पूर्व चैंपियन को हरा चुका

पुणे, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने वर्ल्ड कप 2023 में तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने सोमवार को 1996 की वर्ल्ड चैंपियन श्रीलंका को 7 विकेट से हराया। अफगानिस्तान इस सीजन में अब तक 3 पूर्व चैंपियन टीमों को हरा चुका है। इससे पहले टीम ने पाकिस्तान और इंग्लैंड को भी मात दी थी।

अब अफगानिस्तान के 6 मैचों में 6 अंक हो चुके हैं और टीम सेमीफाइनल की रेस में बरकरार है। दूसरी ओर, श्रीलंका की टीम इस हार के बाद टॉप-4 की रेस से लगभग बाहर हो चुकी है। उनके पास 6 मैचों में 4 ही पॉइंट्स हैं।

पुणे के मैदान पर अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। श्रीलंकाई टीम 49.3 ओवर में 241 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में अफगानिस्तान ने 45.2 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

अफगानिस्तान से अजमतुल्लाह ओमरजई (73), रहमत शाह (62 रन), कप्तान हशमतुल्लाह शहीदी (58 रन) और ओपनर इब्राहिम जादरान (39 रन) ने अहम पारियां खेलीं। उनसे पहले फजलहक फारूकी ने 4 और मुजीब उर रहमान ने 2 विकेट झटके थे।

चार धाम तीर्थ यात्राकर नगर पधारने पर ईस्ट मारेड़पल्ली में सीरवी समाज अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम-भुन्डीबाई हाम्बड़, भोलाराम-मिश्रीदेवी गेहलोत का सम्मान करने के बाद उपस्थित प्रकाश-इन्द्रादेवी हाम्बड़, किशनसिंह राठौड़, जसवन्त देवड़ा, पुखराज आगलेचा, किशनलाल राठौड़, प्रकाश सोयल, सीए जस्साराम बर्फा, परबत सोलंकी, विष्णु हाम्बड़ व अन्य।

छठ पूजा को लेकर की गई बैठक

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार समाज सेवा संघ की छठ पूजा को लेकर बैठक नकलेश रोड़ छठ पूजा घाट पर अध्यक्ष मनीष तिवारी की अध्यक्षता में की गई। बैठक के दौरान बिहार समाज सेवा संघ के महामंत्री विकास सिंह ने बताया कि छठ पूजा की तैयारी जोरों पर जारी है। राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने दशहरा पर्व को लेकर सभी सदस्य दमखम से जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि 17 नवंबर को नहाए खाए, 18 नवंबर को खरना, 19 नवंबर को पहला शाम का अर्घ्य और 20 नवंबर को दुसरा सुबह का अर्घ्य है।

अगले रविवार को बैठक में छठ पूजा के तैयारी को लेकर विशेष चर्चा की जायेगी। बैठक में कोषाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति, सांस्कृतिक संयोजक दीपक तिवारी, वरिष्ठ सदस्य प्रताप गौरव सिंह, दिनेश साहू, सुनील कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

शारदोत्सव कवि सम्मेलन भव्यता के साथ संपन्न

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी की 41वीं वर्षगाँठ पर काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन के पास स्थित श्री श्याम मंदिर सेवा समिति, वीरन्ना गुट्टा के सौजन्य से शारदोत्सव कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। श्रीमती निमा रवि ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन में सभी अतिथियों और कवियों का मंदिर समिति की ओर से पवित्र अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। शारदोत्सव कवि सम्मेलन में सुप्रसिद्ध समाजसेवी व वरिष्ठ एडवोकेट प्रमोद कुमार केड़िया, नगरद्वय के विशिष्ट चिकित्सक डॉ. मोहन गुप्ता, परमानंद बंसल, गोपाल अग्रवाल, विभा भारती, चंपालाल बैद, श्रुतिकांत भारती, रामदेव अग्रवाल, शोभा दुबे, उर्मिला वर्मा, राजेश सिंह वर्मा, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, आदि बतौर मुख्य अतिथि, विशेष अतिथि, सम्माननीय अतिथि व विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित थे।

कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ एडवोकेट प्रमोद कुमार केड़िया ने की। यह कवि सम्मेलन मंदिर के पूर्व महामंत्री शिवशंकर अग्रवाल को समर्पित रहा। कवि सम्मेलन में नगरद्वय के कवि और कवयित्रियों ने अपने गीत, ग़ज़ल, नयी कविताएँ और हास्य व्यंग्य की कविताएँ प्रस्तुत कर समाँ बाँधा। विशेष रूप से कवि सम्मेलन में देश की वर्तमान समस्याओं, विसंगतियों, पर्यावरण, देश की सुरक्षा, नारी सशक्तिकरण, आतंकवाद और जीवन की अनेक सच्चाइयों पर कविताएँ प्रस्तुत की गयीं। कवि सम्मेलन में रत्नकला मिश्र, चंपालाल बैद, गोविंद अक्षय, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, सुधा ठाकुर, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, राज कुमार, रेखा देवी वर्मा, श्रीपूनम जोधपुरी, शोभा देशपांडे, डॉ. राजींदर कौर महाजन आदि ने काव्य पाठ किया।

ए.एस.राव नगर विजयपुरी कॉलनी स्थित स्व.श्री खींवारामजी सोलंकी की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए नेमाराम, तेजाराम, भुराराम सोलंकी, सीरवी समाज कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा, केराराम सिन्दड़ा, सोहनसिंह राजपुरोहित, ओकाराम सोलंकी, भेराराम आगलेचा, पुनाराम हाम्बड़, व अन्य।

भाकृअनुप-क्रीडा में सतर्कता जागरूक सप्ताह जारी

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन (31 अक्तूबर) पर पडने वाले सप्ताह के दौरान हर वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का पालन किया जाता है। इस वर्ष भाकृअनुप- केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान में 16 अगस्त से 15 नवंबर, 2023 तक 'पीआईडीपीआई संकल्प और क्षमता निर्माण विषय पर सतर्कता जागरूकता अभियान आयोजित किया जा रहा है। अभियान अवधि के दौरान 30 अक्तूबर से 5 नवंबर तक सतर्कता जागरूक सप्ताह 2023 का पालन किया जा रहा है। इस सप्ताह के दौरान संस्थान में विभिन्न गतिविधियां एवं कार्यक्रम का आयोजित किया जा रहा है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का पालन केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा उपयोग किए जाने वाले उपकरणों में से एक है, जो सभी हितधारकों को सामूहिक रूप से भ्रष्टाचार की रोकथाम की संघर्ष में भाग लेने, अस्तित्व, कारणों, गंभीरता एवं भ्रष्टाचार से उत्पन्न खतरे के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी को एक साथ लाता है।

दिनांक 30 अक्तूबर, 2023 की सुबह 11 बजे भाकृअनुप-क्रीडा के सभी कर्मचारियों द्वारा अखंडता शपथ ग्रहण द्वारा कार्यक्रम का आरंभ किया गया। वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक एवं सहायक वर्ग सहित क्रीडा के सभी कर्मचारी शपथ लिया। डॉ. वीके सिंह, निदेशक, क्रीडा द्वारा, डॉ. एम. श्रीनिवास राव, सतर्कत अधिकारी, भाकृअनुप क्रीडा की उपस्थिति में अखंडता का शपथ दिलाया गया। हयातनगर और गुगल अनुसंधान प्रक्षेत्र में स्थित कर्मचारियों को सीवीसी की वेबसाइट (www.cvc.gov.in) पर जाकर "अखंडता शपथ" लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का मुख्य उद्देश्य सभी कर्मचारियों को एक जुट करना, सतर्कता से संबंधित साधारण मुद्दों के बारे में जागरूकता प्रदान करना एवं भ्रटाचार एवं अनैतिक प्रक्रियाओं को समाप्त वाले वातावरण को तैयार करना है।

वृद्धाश्रम में चिकित्सा शिविर और जागरूकता व्याख्यान

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुपालन में, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद ने 8वें आयुर्वेद दिवस के गतिविधियों के तहत हर्ष वृद्धाश्रम, विजयश्री कॉलोनी, वनस्थलीपुरम में एक निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर और जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया। इस चिकित्सा शिविर में लगभग पचास वरिष्ठ व्यक्तियों ने चिकित्सा सहायता प्राप्त की। इसके अलावा, डॉ. वी. श्रीदेवी, अनुसंधान अधिकारी(आयु.), डॉ. श्रीवाणी, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (आयु.), डॉ. हेमराज, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता(आयु.), श्रीनिवास राव, पुस्तकालयाध्यक्ष, रवि बाबू और अन्य स्टाफ सदस्यों ने इस चिकित्सा शिविर में भाग लिया। इस चिकित्सा शिविर में डॉ. जी पी प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक ने हर्ष वृद्धाश्रम के श्रीमती मोहिनी रेड्डी वाई, शिवा रेड्डी वाई और श्री कृष्णा रेड्डी टीजी के योगदान और सहयोग के लिए उन्हे धन्यवाद ज्ञापित किया।

टीजेएस ने विधानसभा चुनाव से दूर रहने के लिए कांग्रेस को समर्थन दिया

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीजेएस पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. कोदंडराम आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के साथ काम करने के लिए सहमत हो गए हैं। सोमवार को टीपीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी के साथ बैठक के बाद, कोदंडराम ने कांग्रेस पार्टी के साथ काम करने के लिए हरी झंडी दे दी और सबसे पुरानी पार्टी को अपनी पार्टी का पूरा समर्थन देने का वादा किया। तेलंगाना जन समिति पार्टी कांग्रेस पार्टी का समर्थन करने और सत्ता विरोधी वोटों के विभाजन को रोकने के लिए चुनाव लड़ने से दूर रहेगी। रेवंत रेड्डी के साथ मुलाकात के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, कोदंडराम ने कहा कि वह सीएम केसीआर के शासन को खत्म करने के लिए कांग्रेस पार्टी के साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हम लोगों के शासन के लिए कांग्रेस पार्टी को समर्थन दे रहे हैं। कोदंडराम ने कहा कि वह चाहते हैं कि तेलंगाना के लोग उनका समर्थन करें। रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह कांग्रेस पार्टी के लिए टीजेएस पार्टी का समर्थन मांगने आए थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को जिस कीट और पीड़ा ने जकड़ लिया है, उससे छुटकारा पाने के लिए कोदंडराम के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वे सीटों और वोटों से अधिक बड़े लक्ष्य के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि टेलीफोन टैपिंग के साथ-साथ हैकर्स का उपयोग करके उनके फोन हैक किए जा रहे हैं।

सिखवाल समाज के वयोवृद्ध समाजसेवी रामदेव नागला के समाज कार्य में विशेष योगदान के लिए श्री सिखवाल समाज सिकन्दराबाद द्वारा सम्मान करते हुए अध्यक्ष विजय उपाध्याय, राजेश व्यास, तुलसीदास व्यास, राकेश व्यास, किशोर उपाध्याय, ओमप्रकाश उपाध्याय, पूर्व मंत्री गोपाल उपाध्याय व अन्य।

हिंदी साहित्य में बोलियों का योगदान पर संगोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच (पंजीकृत न्यास) आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्य शाखा की तेरहवीं ऑनलाइन संगोष्ठी आयोजित की गई। वरिष्ठ व्यंग्यकार व कथाकार रामकिशोर उपाध्याय (राष्ट्रीय अध्यक्ष,दिल्ली) ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। बतौर विशेष अतिथि सुप्रसिद्ध ग़ज़लकार प्रवीण प्रणव एवं प्रमुख वक्ता के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार अवधेश कुमार सिन्हा जी मंचासीन हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ सुश्री दीपा कृष्णदीप के द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात अध्यक्षा डॉ. रमा द्विवेदी ने सम्माननीय अतिथियों का स्वागत शब्दपुष्पों द्वारा किया एवं परिचय दिया। प्रमुख वक्ता अवधेश कुमार सिन्हा ने कहा कि 'भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न भाषाएं और उनकी बोलियाँ व उप-बोलियाँ बोली जाती हैं। हिन्दी प्रदेशों में अपभ्रंश से निकली बोलियों व उप-बोलियों ने हिन्दी साहित्य में मुख्यतः तीन रूपों में महती योगदान दिया है। अध्ययक्षीय उद्बोधन में रामकिशोर उपाध्याय ने कहा कि भाषा किसी के हृदय तक जाने का मार्ग है, चाहे वह मौखिक हो, लिखित हो या सांकेतिक हो। भाषा मूल्यों और विचारों की वाहक होती हैं और मानवीय गुणों की अभिव्यक्ति का माध्यम होती है। तत्पश्चात दूसरे सत्र में काव्य गोष्ठी आयोजित की गई।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

वर्ल्ड कप में इंडिया फिर नंबर 1 छठी जीत के बाद 12 पॉइंट्स

सेमीफाइनल का रास्ता साफ, इंग्लैंड की मुश्किल बढ़ी

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडिया ने वर्ल्ड कप में अपनी छठवीं जीत दर्ज की। इंग्लैंड को 100 रन से हराया। रोहित शर्मा की कप्तानी पारी और गेंदबाजों की जबरदस्त परफॉर्मेंस ने वर्ल्ड कप में इंडिया के जीत के सफर को रुकने नहीं दिया।

भारत की इस जीत से सेमीफाइनल की रेस के समीकरण कैसे बदलेंगे? जानते हैं कप कैसे जीतेगा इंडिया में...

भारत फिर बना टेबल टॉपर

टीम इंडिया एक बार फिर पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच गई है। 6 में से 6 मुकाबले जीतकर भारत के 12 पॉइंट्स हैं। टीम इंडिया को अभी 3 मैच खेलने हैं।

टेबल में दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका है। 6 में से 5 मैच जीतने के बाद साउथ अफ्रीका के 10 पॉइंट्स हैं। उसके अभी 3 मैच बाकी हैं। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया तीसरी और चौथी पोजिशन पर बरकरार हैं। दोनों टीमों ने 6-6 मुकाबले खेले हैं और 8-8 पॉइंट्स हासिल किए हैं। नेट रन रेट अच्छा होने की वजह से न्यूजीलैंड नंबर 3 पर है।

भारत के सेमीफाइनल खेलने का रास्ता

टीम इंडिया के अभी 12 पॉइंट्स हैं। टीम को अभी श्रीलंका, साउथ अफ्रीका और नीदरलैंड से खेलना है। भारत अगले तीनों मुकाबलों में जीत हासिल करता है तो 18 पॉइंट्स के साथ टेबल टॉपर रहेगा। अगर इंडिया 3 में से 2 मुकाबले भी जीते तो 16 पॉइंट्स के साथ सेमीफाइनल के लिए क्वॉलिफाई कर जाएगी।

भारत 3 में से 1 मैच जीते तो उसके 14 पॉइंट्स होंगे। इस कंडीशन में भी उसके सेमीफाइनल खेलने के चांस हाई रहेंगे।

इंग्लैंड का टॉप-4 में क्वॉलिफिकेशन मुश्किल

भारत से हारने के बाद इंग्लैंड की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इंग्लैंड को अभी ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है।

इंग्लैंड तीनों मैच जीत जाती है तो भी उसके टोटल 8 पॉइंट्स ही होंगे। इस कंडीशन में इंग्लैंड का टॉप-4 में क्वॉलिफाई करना बेहद मुश्किल है। पॉइंट्स टेबल में श्रीलंका 4 पॉइंट्स के साथ 5वीं पोजिशन पर है। उसे 4 मैच और खेलने हैं। चारों मैच जीतने के बाद भी उसके 12 पॉइंट्स होंगे। इस कंडीशन में श्रीलंका का सेमीफाइनल की राह मुश्किल है।

अफगानिस्तान के भी 4 पॉइंट्स हैं पर रेट रन रेट कम है। इस वजह से वो पॉइंट्स टेबल में 7वें नंबर पर है। उसे भी 4 मैच खेलने हैं। चारों जीते तो 12 पॉइंट्स होंगे।

केएल को दूसरी बार मिला बेस्ट फील्डर का मेडल

स्टेडियम में लाइट शो के जरिए हुई घोषणा

लखनऊ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल को बेस्ट फील्डर का मेडल मिला। पिछले बार के मेडलिस्ट श्रेयश अय्यर ने उन्हें मेडल पहनाया। मेडल सेरेमनी काफी शानदार तरीके से हुई। मेडलिस्ट के नाम की घोषणा स्टेडियम की लाइट बंद कर के लाइट शो के जरिए हुई।

राहुल को इससे पहले 14 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भी बेस्ट फील्डर का मेडल मिला था।वो लखनऊ में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार विकेटकीपिंग किए और लेग साइड पर कुछ चौके बचाए। राहुल ने क्रिस वोक्स को स्टंप आउट किया और मोईन अली का कैच भी लिए।

कोहली सहित कई खिलाड़ी जीत चुके हैं इस अवॉर्ड को

शुरुआती 5 मैचों में विराट कोहली, शार्दूल ठाकुर, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा और श्रेयस अय्यर ये मेडल जीत चुके हैं।

पॉजिटिव माहौल बनाने के लिए दे रहे मेडल

दरअसल, इस वर्ल्ड कप में हर मैच के बाद टीम इंडिया के बेस्ट फील्डर को एक मेडल मिल रहा है। ये मेडल फील्डिंग कोच टी दिलीप टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में देते हैं। ये ICC का कोई ऑफिशियल फील्डर का अवॉर्ड नहीं है, लेकिन टीम इंडिया में पॉजिटिव माहौल बनाने के लिए इस वर्ल्ड कप में इसे शुरू किया गया है।

टीम इंडिया की लगातार छठी जीत

वर्ल्ड कप 2023 में टीम इंडिया का विजयी अभियान जारी है। टीम ने लगातार छठी जीत हासिल की। भारतीय टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड को 100 रन के अंतर से हराया।

लखनऊ की कठिन पिच पर भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लिश बैटर्स की अग्नि परीक्षा ली और 230 रन का टारगेट चेज करने उतरी इंग्लिश टीम 34.5 ओवर में 129 रन पर ऑलआउट हो गई। भारतीय टीम ने पहली पारी में 50 ओवर में 9 विकेट पर 229 रन का स्कोर खड़ा किया, जो भारत का वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में सबसे छोटा स्कोर है। डिफेंडिंग चैंपियन इसे भी चेज करने में नाकाम रहे।

वसीम अकरम बोले-भारतीय तेज गेंदबाज वर्ल्ड में सर्वश्रेष्ठ

कुलदीप ने कहा- मैं रोहित भाई से कहता रहा कि रिव्यू लें, लिविंगस्टोन आउट है

लखनऊ, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कहा कि भारतीय तेज गेंदबाजी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी है। अकरम ने एक टीवी चैनल पर चर्चा के दौरान कहा कि भारतीय तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है। भारतीय तेज गेंदबाजी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी हैं। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की।

अकरम ने कहा कि रोहित ने शानदार बल्लेबाजी की और बाद में पुछल्ले बल्लेबाज बुमराह और कुलदीप यादव ने 21 रन की पार्टनरशिप कर टीम के स्कोर में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दरअसल वर्ल्ड कप के लखनऊ में खेले गए मैच में भारत ने इंग्लैंड को 82 रन से हराया। 229 रन की डिफेंड कर रही भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाजों ने 7 विकेट लिए। मोहम्मद शमी ने चार और जसप्रीत बुमराह ने तीन खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा।

कुलदीप ने कहा कि लियम लिवंगस्टन आउट थे

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में दो विकेट लिए।

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में दो विकेट लिए।

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में दो विकेट लिए। मैच के बाद कुलदीप यादव ने कि लियम लिवंगस्टन उनकी गेंद पर आउट थे। मैंने रोहित भाई से अनुरोध किया कि रिव्यू ले लीजिए वह आउट हैं, लेकिन उन्होंने नहीं लिया। बाद में पता चला कि लिवंगस्टन आउट थे। हमारा एक रिव्यू वेस्ट हो गया।

शतक का रिकॉर्ड बनाना था, जीरो का बना गए

कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में 34वीं बार 0 पर आउट, यहां भी सचिन की बराबरी

लखनऊ, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप मुकाबले में टीम इंडिया के फैंस विराट कोहली के वनडे करियर की 49वीं सेंचुरी की बाट जोह रहे थे। अगर विराट ऐसा करते तो वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा सेंचुरी जमाने के सचिन के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेते।

शतक बनाना तो दूर विराट 1 रन भी नहीं बना सके। वे 9 गेंद पर बिना खाता खोले यानी 0 के स्कोर पर आउट हो गए। हालांकि इसके बावजूद उन्होंने सचिन के यूनीक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

दोनों के नाम 34 बार जीरो का स्कोर

विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में 513 मैचों की 569 पारियों में 34वीं बार जीरो पर आउट हुए हैं। जबकि सचिन 664 मैचों की 782 पारी में 34 बार जीरो पर आउट हुए थे।

हालांकि ये दोनों ही सबसे ज्यादा बार जीरो पर आउट होने वाले खिलाड़ी नहीं हैं। यह रिकॉर्ड जहीर खान के नाम है। जहीर 309 मैचों की 232 पारियों में 44 बार जीरो पर आउट हुए हैं। जहीर 43 बार भारत की ओर से खेलते हुए और 1 बार एशिया-11 की ओर से खेलते हुए जीरो पर आउट हुए हैं।

ईशांत शर्मा 199 मैचों की 173 पारियों में 40 बार जीरो पर आउट हुए हैं। वहीं, हरभजन सिंह 367 मैचों की 37 पारियों में जीरो पर आउट हुए। इन तीनों के बाद विराट और सचिन का नाम आता है।

लाहिरु कुमारा वर्ल्ड कप से बाहर

साउथ अफ्रीका के खिलाफ स्लो ओवर फेंकने के लिए पाक पर 20% जुर्माना

कोलकाता, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के तेज गेंदबाज लाहिरु कुमारा वर्ल्ड कप 2023 से बाहर हो गए हैं। कुमारा की जगह दुष्मंथा चमीरा को टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। बोर्ड ने ट्वीट किया, ICC मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 की इवेंट टेक्निकल कमेटी ने बदलाव की मंजूरी दे दी है।

पाकिस्तान पर 20 प्रतिशत जुर्माना लगा

पाकिस्तान पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच में स्लो ओवर फेंकने के लिए 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। शुक्रवार को चेन्नई के एमए चिंदबरम स्टेडियम में साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच मैच खेला गया था। इस मैच में पाकिस्तान को

एक विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की ओर से जारी बयान के मुताबिक तय समय तक पाकिस्तान के 4 ओवर फेंके जाने बाकी थे। इस वजह से पाक पर प्रत्येक ओवर पर 5 प्रतिशत का जुर्माना लगाया है।

मैच के बाद ऑन फील्ड अंपायर एलेक्स वार्फ और पॉल रीफेल, थर्ड अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और चौथे अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने पाकिस्तान स्लोओवर फेंकने का आरोप लगाया। जिसे पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने स्वीकार कर लिया।

भारत के वर्ल्ड कप खिताब में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका सबसे बड़ी बाधा

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि भारत के तीसरी बार वनडे वर्ल्ड कप खिताब जीतने में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका सबसे बड़ी चुनौती है।

गांगुली ने शनिवार को बांग्लादेश और नीदरलैंड के बीच ईडन गार्डन में खेले गए मैच के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका सबसे बड़ी चुनौती होंगे। ऑस्ट्रेलिया ने वास्तव में अच्छी वापसी की है और वह शानदार क्रिकेट खेला है। उसकी न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत वास्तव में रोमांचक थी।

ग्रैंड स्विस शतरंज: प्रगनानंदा की बहन का कमाल

पूर्व विश्व चैंपियन मुजिचुक को हराया; प्रतियोगिता में शीर्ष पर

खेल डेस्क, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। यह प्रतियोगिता विश्व चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा है। अभी सात दौर बाकी हैं और वैशाली ने चीन की टैन झोंगयी, यूक्रेन की अना मुजिचुक और कजाखस्तान की आसुबायेवा के साथ संयुक्त बढ़त पर है। भारत की आर वैशाली ने फिडे महिला ग्रैंड स्विस शतरंज प्रतियोगिता के चौथे दौर में यूक्रेन की पूर्व विश्व चैंपियन मारिया मुजिचुक को हराकर अपने अंकों की संख्या 3.5 पर पहुंचा दी। यह प्रतियोगिता विश्व चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा है। अभी सात दौर बाकी हैं और वैशाली ने चीन की टैन झोंगयी, यूक्रेन की अना मुजिचुक और कजाखस्तान की आसुबायेवा के साथ संयुक्त बढ़त पर है। भारत के उदीयमान शतरंज खिलाड़ी आर प्रगनानंदा की बहन वैशाली ने हाल ही में समाप्त हुए कतर मास्टर्स में अपना तीसरा और

अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया था। उन्होंने साबित कर दिया था कि वह किसी भी चुनौती के लिए तैयार हैं।चेन्नई की रहने वाली इस खिलाड़ी ने शनिवार को अपने आक्रामक कौशल का शानदार नजारा पेश किया और मुजिचुक को केवल 23 चाल में हराया। यूक्रेन की खिलाड़ी ने शुरू में ही प्यादा गंवा दिया था जिससे वह आखिर तक नहीं उबर पाई। वैशाली ने सिसिलियन डिफेंस अपनाया था। वैशाली की यह चार बाजियों में तीसरी जीत है। डी हरिका को मंगोलिया की बुतहुईयाग के हाथों हार का सामना करना पड़ा। दिव्या देशमुख ने पोलैंड की ओलिविया से अंक बांटे। ओपन वर्ग में ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी की जीत एक समय सुनिश्चित लग रही थी लेकिन आखिर में सर्बिया के एलेक्जेंडर प्रेडके ने उन्हें ड्रॉ पर रोक दिया। इस बीच ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप के पूर्व चैलेंजर स्पेन के एलेक्सी शिरोव को हराकर अपनी लगातार तीसरी जीत हासिल की। विदित ने सफेद मोहरों से खेलते हुए अपनी बेहतर तकनीक का प्रदर्शन किया। फिडे का नेतृत्व कर रहे रूसी ग्रैंडमास्टर आंद्रे एसिपेंको ने एकल बढ़त बना ली है। उन्होंने फ्रांस के आंद्रिया मारिजी को पराजित किया। विदित गुजराती और अर्जुन सहित 17 खिलाड़ियों के एकसमान 17 अंक हैं। भारत के श्रेष्ठ रैंकिंग के डी गुकेश ने लगातार चौथा ड्रॉ खेला। उन्हें अपनी पहली जीत की तलाश है। पी हरिकृष्णा ने ब्रिटेन के श्रेयस रॉयल को पराजित कर पहली जीत हासिल की। निहाल सरीन ने आर्मेनिया के सैमवल को हराया जबकि प्रगनानंदा को तुर्किये के मुस्तफा यिलमेज ने ड्रॉ पर रोक लिया।

एशियन गेम्स ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अंतिम रोहतक पहुंची

बॉक्सर अमित पंघाल के गांव में स्वागत; बोली- इस बार ओलिंपिक में गोल्ड लाऊंगी

रोहतक, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली अंतिम पंघाल रोहतक पहुंची। यहां विश्व के नंबर वन बॉक्सर अमित पंघाल के मायना गांव में उनका जोरदार स्वागत किया गया। यहां अंतिम पंघाल ने कहा कि वह पूरी तैयारियों के साथ इस बार ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर लौटेगी।

अंतिम ने कहा कि वह पहली बार एशियन गेम्स में खेलने के लिए गई थी। जिसमें उन्होंने कांस्य पदक हासिल किया। इससे पहले उसने केवल जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप ही खेली थी। एशियन गेम्स में कुछ महिला पहलवान अच्छी थी, जिनकी तरफ और अधिक ध्यान देने की जरूरत है। वे उन महिला पहलवानों को फोकस करेंगी। उसने इस साल सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज और जूनियर वर्ल्ड

चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था।

रोजाना 7-8 घंटे करती हूं प्रैक्टिस

अंतिम पंघाल ने बताया कि उन्होंने 53 किलोग्राम भारवर्ग में ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वहां वह और अच्छा खेलने का प्रयास करेंगी। उसके पिता खेतीबाड़ी करते हैं और मां हाउस वाइफ है। वे 5बहन-भाई हैं, जिनमें से 4 बहन और एक भाई है। वह सुबह साढ़े 5 बजे प्रैक्टिस पर जाती है और करीब साढ़े 9 बजे तक अभ्यास करती है। शाम को 5 से करीब साढ़े 8 बजे तक अभ्यास करती है। दूसरी लड़कियों को संदेश देते हुए कहा कि अच्छा परिश्रम करें तो बेहतर खिलाड़ी बन सकते हैं।

पहलवान बनाने के लिए पिता ने बेची डेढ़ एकड़ जमीन

अंतिम के पिता रामनिवास ने बताया कि अंतिम पिछले करीब साढ़े 6-7 साल से कड़ा अभ्यास कर रही है।

उसकी बदौलत आज यह मेडल लेकर आई है। आगे भी और अधिक मेहनत करवाएंगे और ओलिंपिक में बेटी गोल्ड मेडल जीतकर आए। उन्होंने बताया कि बेटी के अभ्यास करवाने के लिए जब आर्थिक तंगी आई तो उन्होंने अपनी करीब डेढ़ एकड़ जमीन बेच दी थी।

बेटी को सफल बनाने के लिए उठाए कदम

उन्होंने कहा कि बेटी को कामयाब करने के संघर्ष में आर्थिक परेशानी बाधा ना बने, इसलिए उन्होंने अपनी जमीन बेचनी पड़ी। जो कुछ परेशानी हुई उसके अब सकारात्मक परिणाम आने पर खुशी है। पहले डर था, कि जमीन तो चली गई और बेटी मेडल नहीं लेकर आई। दूसरे मां-बाप भी अपने बच्चों को सफल करने में आर्थिक परेशानी को बीच में न आने दें।

दूसरी बेटियां भी लें प्रेरणा

गांव मायना के सरपंच प्रतिनिधि प्रवीण ने कहा कि गांव में पहलवान अंतिम पंघाल के स्वागत के लिए पूरे गांव में उत्साह था। जिसके चलते काफी लोग गांव के स्कूल में एकत्रित हुए। द

ूसरी बेटियों को भी अंतिम पंघाल से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। जिससे कि दूसरे बच्चे भी शिक्षा के साथ-साथ खेल अपना व गांव, प्रदेश तथा देश का नाम रोशन कर पाएं। इस दौरान अंतिम पंघाल के कोच विकास भारद्वाज, कर्मबीर मायना, राजेश मायना, किसान नेत्री गीता अहलावत, एडवोकेट रंजना, अमित पंघाल के पिता बिजेंद्र पंघाल, कैप्टन सुरेंद्र, शक्ति सिंह, महाबीर सिंह,आनंद सिंह, अरविंद, सतीश, जगदीश, प्रिंसिपल सुनीता डबास, मास्टर जगत सिंह, बलवान सिंह, बल्ले, अजीत सिंह, श्रीकृष्ण आदि उपस्थित रहे।

दक्षिण अफ्रीका ने चौथी बार जीता रग्बी विश्वकप

फाइनल में न्यूजीलैंड को 12-11 से हराया

पेरिस, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका पहली टीम बन गई है जिसने चार बार रग्बी विश्वकप खिताब जीता है। वहीं, न्यूजीलैंड के पास अपने पांचवें फाइनल में चौथी बार यह ट्रॉफी जीतने का मौका था। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान सिया कोलिसी ने कहा कि जो लोग दक्षिण अफ्रीका से नहीं है वो लोग नहीं समझ सकते कि यह ट्रॉफी हमारे देश के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। मैं अपने देश के सभी लोगों का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने हमारा समर्थन किया। स्विट्जरलैंड के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर भी अपने परिवार के साथ इस मुकाबले के दौरान मौजूद थे। फेडरर की मां दक्षिण अफ्रीका से हैं।

गत विजेता दक्षिण अफ्रीका ने अपने खिताब की रक्षा करते हुए न्यूजीलैंड को 12-11 से शिकस्त देकर चौथी बार रग्बी विश्वकप का खिताब जीत लिया। दक्षिण

आगामी चुनावों को कुशलतापूर्वक संचालित करने के लिए सभी इंतजाम : रोनाल्ड रोज़

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ) और जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने सोमवार को कहा कि आगामी चुनावों को कुशलतापूर्वक आयोजित करने के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। सोमवार को वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त नितेश कुमार व्यास, निदेशक (चुनाव व्यय) पंकज श्रीवास्तव और तेलंगाना सीईओ के साथ उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए तैयारियों की समीक्षा की। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के अधिकारियों को सूचित करते हुए कि चौबीसों घंटे निगरानी रखने के लिए 105 टीमें तैनात की गई हैं, रोज़ ने कहा कि सभी जब्ती, जो चुनाव से संबंधित नहीं हैं, की जांच की जा रही है और जिला शिकायत समिति द्वारा जारी की जा रही है।

अब तक दर्ज किए गए ऐसे 128 मामलों में से 99 मामलों को सुलझा लिया गया है, जिनमें से 12 मामलों में राशि 10 लाख से अधिक है, जिसकी सूचना आयकर विभाग को दी गई। व्यास ने उम्मीदवारों के नामांकन पर विशेष ध्यान देते हुए अधिकारियों को शपथ पत्रों की सावधानीपूर्वक जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे यह सुनिश्चित करने को कहा कि रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) के कमरे में सीसीटीवी कैमरे, वीडियोग्राफी और दीवार घड़ियां लगाई जाएं।

सीएम केसीआर ने बीआरएस सांसद पर हमले की निंदा की

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा चुनाव के लिए आगामी नामांकन के मद्देनजर शहर में आरओ (रिटर्निंग ऑफिसर) के कार्यालयों के पास 100 मीटर के दायरे में सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी गई है। इस आशय के लिए शहर पुलिस आयुक्त संदीप शांडिल्य ने आदेश जारी किए हैं, जो 3 नवंबर से 15 नवंबर के बीच सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक लागू रहेंगे। धारा 144 (उपद्रव या आशंकित खतरे के तत्काल मामलों में आदेश जारी करने की शक्ति) फाइलिंग केंद्रों के पास उक्त दायरे में पांच या अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने पर रोक लगाती है।

चुनाव अधिसूचना की तारीख 3 नवंबर है, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 10 नवंबर है और उम्मीदवारी वापस लेने की तारीख 15 नवंबर है। पुलिस अधिसूचना के अनुसार, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 15 नामांकन-दाखिल केंद्र अंबरपेट, मुशीराबाद, जुबली हिल्स, नामपल्ली, कारवां, चंद्रयानगुट्टा, याकुतपुरा और बहादुरपुरा के संबंधित तहसील कार्यालय, मलकपेट के आरओ का कार्यालय, उप कार्यालय आयुक्त, मलकपेट, जीएचएमसी, जोनल आयुक्त कार्यालय में खैरताबाद, उपायुक्त कार्यालय में सनथनगर, बेगमपेट, जीएचएमसी, जीएचएमसी परिसर में गोशामहल, आबिद रोड, जोनल आयुक्त कार्यालय, सिकंदराबाद में सिकंदराबाद, और सीईओ, सिकंदराबाद के कार्यालय में सिकंदराबाद छावनी छावनी बोर्ड हैं। पुलिस ने धारा मानदंडों के उल्लंघन के मामले में कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

केसीआर बनेंगे हैट्रिक सीएम : नोमुला

नलगोंडा, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागार्जुन सागर निर्वाचन क्षेत्र के लिए बीआरएस उम्मीदवार नोमुला भगत कुमार ने सोमवार को विश्वास जताया कि बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव, जो लोगों के कल्याण के लिए प्रयास कर रहे हैं, तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे। एमएलसी एम. कोटि रेड्डी और जनजातीय सहकारी वित्त निगम के अध्यक्ष इसलावथ रामचंदर नाइक के साथ, भगत ने मदगुलापल्ली मंडल के अंबापुरम और गजलापुरम में अपना चुनाव अभियान चलाया। अभियान के दौरान बोलते हुए, भगत ने कहा कि बीआरएस सरकार ने कल्याण और विकास क्षेत्रों को समान महत्व दिया है। राज्य सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही कई कल्याणकारी योजनाएं अन्य राज्यों के लिए भी आदर्श बन गई हैं।

नागार्जुन सागर निर्वाचन क्षेत्र में पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस विधायक के जना रेड्डी द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने के दशकों से भी अधिक विकास हुआ है। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर घर तक पहुंच रहा है और सभी वर्गों के लोग खुशी से रह रहे हैं। मुख्यमंत्री की पहल के बाद उनकी आय में वृद्धि होने से किसान भी सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

ट्रेन दुर्घटना पीड़ितों से अस्पताल में मिले सीएम जगन

विशाखापत्तनम, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी सोमवार को सीधे विजयनगरम सरकारी जनरल अस्पताल का दौरा किया, जहां ट्रेन दुर्घटना में जीवित बचे लोगों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने ट्रैक बहाली के काम में देरी से बचने के लिए दुर्घटना स्थल की अपनी योजना को स्थगित कर दिया है। मुख्यमंत्री रविवार शाम हावड़ा-चेन्नई लाइन पर हुए हादसे में बचे घायलों से मुलाकात की। जीवित बचे कई लोगों का विजयनगरम सरकारी जनरल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

विशाखापत्तनम से लगभग 40 किमी दूर कंटाकापल्ली में पलासा पैसेंजर ने रायगडा पैसेंजर ट्रेन को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 50 लोग घायल हो गए, जिससे तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। रेलवे अधिकारियों के अनुरोध पर सीएम ट्रेन दुर्घटनास्थल पर घटनास्थल का निरीक्षण करने के बजाय सीधे अस्पताल गये। रेलवे अधिकारियों ने अपील की कि अगर सीएम घटनास्थल पर आते हैं तो संभावना है कि ट्रैक बहाली का काम शुरू हो जाएगा।

जगन ने पीएम व रेल मंत्री से की एपी ट्रेन दुर्घटना की जांच की अपील

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से रविवार को एपी के विजयनगरम जिले में हुई रेल दुर्घटना की जांच कराने की मांग की। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर सीएम जगन ने कुछ सवाल उठाए और पूछा कि ब्रेकिंग सिस्टम और अलर्ट सिस्टम ने काम क्यों नहीं किया, सिग्नलिंग क्यों विफल रही और संचार प्रणाली कैसे विफल रही। इसी पोस्ट में उन्होंने पीएम मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से उनके द्वारा बताए गए सभी पहलुओं की गहन जांच के लिए एक उच्चस्तरीय ऑडिट समिति गठित करने का अनुरोध किया। यह व्यक्त करते हुए कि उनकी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने टक्कर में अपनी जान गंवा दी, जगन मोहन रेड्डी ने सुनिश्चित किया कि एपी सरकार उन घायलों को सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करना जारी रखेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री और रेल मंत्री से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि न केवल राज्य में, बल्कि देश में कहीं भी ऐसी विनाशकारी दुर्घटनाएं न हों।

ओडिशा दुर्घटना की लगभग पुनरावृत्ति में, आंध्र प्रदेश में रविवार की भीषण ट्रेन दुर्घटना में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक यात्री घायल हो गए, जब विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर और विशाखापत्तनम-रायगड़ा पैसेंजर कोठावलासा मंडल (ब्लॉक) में कंटकपल्ली जंक्शन के पास टकरा गईं। पटरी से उतरे डिब्बे बगल की पटरी पर चल रही मालगाड़ी से टकरा गए। इससे टक्कर का असर और बढ़ गया।

वरंगल में 23 कपास खरीद केंद्र स्थापित करेगी सीसीआई

वरंगल, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के अधिकारी जिले में 23 कपास खरीद केंद्र स्थापित करने की तैयारी कर रहे हैं, और संचालन नवंबर के पहले सप्ताह में शुरू होने की उम्मीद है। ये केंद्र एनुमामुला कृषि बाजार यार्ड सहित कपास जिनिंग मिलों और बाजार यार्डों के भीतर स्थित हैं।

सरकार लंबे रेशे वाले कपास के लिए 7,020 रुपये प्रति क्विंटल और मध्यम रेशे वाले कपास के लिए 6,620 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दे रही है। गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने के लिए, किसानों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि कपास की आर्द्रता 8 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। विपणन विभाग ने जिले में 23 कपास क्रय केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है. इनमें से 18 वारंगल एनुमामुला कृषि बाजार में स्थित होंगे, जबकि दो नेक्कोंडा और वर्धन्नापेट कृषि बाजारों में स्थित होंगे। इसके अतिरिक्त, नरसंपेट बाजार में एक केंद्र स्थापित किया जाएगा। सरकार ने कपास जिनिंग मिलों के परिसर में केंद्रों के संचालन को मंजूरी दे दी है। किसानों की सुविधा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए, जिनिंग मिल मालिकों को प्रत्येक कपास खरीद केंद्र पर टेंट, कुर्सियाँ और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, किसानों को समर्थन मूल्य और नमी की मात्रा के बारे में सूचित करने के लिए सूचना बोर्ड स्थापित किए जाएंगे।

इस सीज़न में एक महत्वपूर्ण बदलाव इन खरीद केंद्रों पर अपना कपास बेचने वाले किसानों के लिए एक नई भुगतान प्रणाली का कार्यान्वयन है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने बैंक खातों को अपने आधार कार्ड से लिंक करें, क्योंकि खरीदारी केवल उन्हीं से की जाएगी जिन्होंने अपने खातों को सफलतापूर्वक लिंक कर लिया है। सीसीआई आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से सीधे आधार कार्ड से जुड़े बैंक खातों में धनराशि जमा करेगा। सभी तैयारियों के साथ नवंबर के पहले सप्ताह से कपास की खरीद शुरू हो जाएगी। इसके अलावा, इन खरीद केंद्रों पर हेल्प डेस्क की शुरूआत का उद्देश्य किसानों को नई भुगतान प्रणाली में सहायता प्रदान करना है। सुचारू लेनदेन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए किसानों के लिए अपने बैंक खातों को आधार से जोड़ना और केंद्रों पर जाते समय अपने आधार कार्ड ले जाना महत्वपूर्ण है।

वारंगल में विपणन विभाग के जिला अधिकारी प्रसाद राव ने इन खरीद केंद्रों पर सरकार का समर्थन मूल्य प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता मानकों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। बताया जाता है कि कपास की खेती 1.22 लाख एकड़ में हुई थी और अनुमानित उपज 7.34 लाख क्विंटल है. इस बीच, एनुमामुला कृषि बाजार यार्ड में सोमवार को कपास की कीमत अधिकतम 7005 रुपये प्रति क्विंटल रही, जहां व्यापारियों ने कपास खरीदा। किसानों को उम्मीद है कि सीसीआई केंद्र चालू होने के बाद उन्हें कम से कम एमएसपी मिलेगा।

हवाला रैकेट का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन टीम के अधिकारियों ने विश्वसनीय सूचना पर रामगोपालपेट पीएस की सीमा में केआईएमएस अस्पताल लेन, नल्लागुट्टा के पीछे एक थार जीप की तलाशी ली। इस दौरान पुलिस टीम ने वाहन से 34,50,000 रुपए नकद बरामद किया और तीन लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में शिवांशु रॉय निवासी शिवरामपल्ली, हैदराबाद, मोहम्मद मंसूर, निवासी शिवरामपल्ली, हैदराबाद, भावेश कुमार जैन निवासी नल्लागुट्टा, हैदराबाद शामिल है। पुलिस के मुताबिक आरोपी शिवांशु रॉय शिवराम पल्ली की सीमा में रहते हैं और रियल एस्टेट व्यवसाय करते हैं और उन्होंने मोहम्मद मंसूर नाम से एक ड्राइवर रखा है। व्यवसायिक क्षेत्र में उनका भावेश कुमार जैन से संपर्क है। इस दौरान, शिवांशु रॉय और भावेश कुमार जैन ने हवाला मनी ट्रांसफर एजेंटों के साथ संपर्क स्थापित किया और अवैध रूप से आसान पैसा कमाने और आयकर विभाग को कर से बचने के लिए कमीशन के आधार पर अवैध हवाला मनी ट्रांसफर व्यवसाय का आयोजन किया। बीती रात शिवांशु रॉय ने अपने सहयोगी भावेश कुमार जैन के साथ मिलकर ग्राहकों से भारी रकम वसूल की और रकम पहुंचाने के लिए अपने थार वाहन में अपने ड्राइवर मोहम्मद मंसूर के माध्यम से परिवहन किया। केआईएमएस हॉस्पिटल लेन, नल्लागुट्टा के पास ग्राहक सामान पहुंचाने का इंतजार कर रहे थे, इसी बीच उन्होंने वाहन को रोका और उन्हें पकड़ लिया। उत्तरदाताओं ने नकद बिलों की राशि और राशि के स्रोत के बारे में खुलासा नहीं किया। उनके कब्जे से 34,50,000 रुपये की अवैध हवाला राशि, एक थार वाहन और तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए। पकड़े गए उत्तरदाताओं को जब्त सामग्री के साथ आगे की जांच के लिए रामगोपालपेट पीएस के एचएसओ को सौंप दिया गया।

न्याय के लिए एआईसीबी की टीम राष्ट्रपति से मिली

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। डेवलपमेंट एंड वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ द ब्लाइंड, तेलंगाना राज्य और ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड, दिल्ली व हैदराबाद की ओर से एक टीम ने आज राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

टीम में चोक्का राव पोनुगोटी, उपाध्यक्ष, ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड एसोसिएशन (एआईसीबी) और महासचिव, डेवलपमेंट एंड वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ द ब्लाइंड, टी.एस. के साथ एआईसीबी वर्किंग कमेटी के सदस्य आर. स्वामी नाइक, डी. रेणुका, सुश्री श्वेता और एन नागराजू शामिल थे। टीम ने भारत के राष्ट्रपति को संकेत दिया कि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए लाए गए नए कानूनों को ठीक से लागू नहीं किया जा रहा है।

उदाहरण के लिए, कानून कहता है कि राज्य स्तर पर नि:शक्तजन आयुक्त एक नि:शक्त व्यक्ति होना चाहिए, लेकिन केंद्र और राज्य सरकारें इसकी परवाह नहीं करतीं और कानूनों का ठीक से क्रियान्वयन नहीं हो रहा है. राष्ट्रपति इस बात से सहमत थे कि केवल अंधे लोग ही अंधों की समस्याओं को समझ सकते हैं।

उन्होंने आश्वासन दिया कि वह केंद्र और राज्य सरकारों से स्पष्टीकरण मांगेंगी कि दृष्टिबाधितों के लिए बने कानूनों को ठीक से लागू किया जाए। चोक्का राव पोनुगोती, महासचिव, डेवलपमेंट एंड वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ द ब्लाइंड, तेलंगाना और उपाध्यक्ष, ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड, दिल्ली/हैदराबाद ने केंद्र और राज्य सरकारों से विकलांगों के अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें प्रदान करने के लिए उपाय करने की अपील की।

सतर्कता जागरूकता अभियान के दौरान दमरे कर रहा है सराहनीय कार्य : केवी चौधरी

दमरे ने सतर्कता बुलेटिन 'अनिमिषा' का 56वां संस्करण जारी किया

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा 30 अक्टूबर से 5 नवंबर 2023 तक "सतर्कता जागरूकता सप्ताह -2023" मनाया जा रहा है। वर्तमान वर्ष के सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय ''भ्रष्टाचार का विरोध करे, राष्ट्र के प्रतिसमर्पित रहें भ्रष्टाचार को ना कहें'' है। इस अवसर पर, एक उद्घाटन समारोह सोमवार को रेल निलयम ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय सतर्कता आयुक्त केवी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह की शुरुआत दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन द्वारा सत्यनिष्ठा शपथ दिलाने के साथ हुई, जिसमें सभी विभाग प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। अरविंद मालखेड़े, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे ने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर सतर्कता बुलेटिन "अनिमिषा" का 56वां संस्करण भी जारी किया गया। बुलेटिन दक्षिण मध्य रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। इस अवसर पर बोलते हुए, पूर्व केंद्रीय सतर्कता आयुक्त केवी चौधरी ने दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने सतर्कता जागरूकता अभियान के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में रेलवे कर्मचारियों, स्कूली छात्रों और कॉलेजों के युवाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। उन्होंने अनैतिक तरीकों से तकनीकी उपकरणों के शोषण और पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने में एक सिस्टम विश्लेषक के रूप में सतर्कता भूमिका के महत्व के बारे में सचेत किया। इस अवसर पर बोलते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने मार्गदर्शन के तहत संगठन द्वारा 3 महीने के अभियान के लिए निवारक सतर्कता गतिविधियों को फोकस क्षेत्रों के रूप में पूरा करने के लिए पूरे जोन को कवर करने में सावधानीपूर्वक योजना बनाने के लिए एससीआर सतर्कता टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने जनहित प्रकटीकरण और मुखबिरों की सुरक्षा (पीआईडीपीआई) शिकायत तंत्र के महत्व पर भी प्रकाश डाला। अपने स्वागत भाषण में अरविंद मालखेड़े, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक ने बताया कि किस तरह से एससीआर की सतर्कता शाखा केंद्रीय सतर्कता आयोग, रेलवे बोर्ड के मार्गदर्शन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रही है।

एससीआर सतर्कता टीम और फील्ड यूनिट के अधिकारियों द्वारा सेमिनार, कार्यशालाएं पूरे जोन में आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, सप्ताह के लिए इस वर्ष की थीम के आधार पर, रेलवे कर्मचारियों और विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों के लिए क्विज़, भाषण, निबंध लेखन, पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। समारोह के दौरान विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गये। समारोह का समापन इन-हाउस कलाकारों द्वारा प्रस्तुत एक नाटक के साथ हुआ जिसमें भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला गया और सतर्कता जागरूकता सप्ताह का रेखांकित संदेश फैलाया गया।

राज्यपाल ने बीआरएस सांसद पर हमले पर दुख जताया

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदराजन ने सिद्दीपेट जिले के दौलताबाद मंडल के सुरमपल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान मेदक सांसद और बीआरएस दुब्बाका विधायक उम्मीदवार कोत्ता प्रभाकर रेड्डी पर हुए हमले पर दुख व्यक्त किया है। राजभवन द्वारा सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में राज्यपाल ने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है और ऐसी घटनाएं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए खतरा हैं। राज्यपाल ने बताया कि उन्होंने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को चुनाव अवधि के दौरान चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और प्रचारकों की जांच और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, "स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल बनाए रखना आवश्यक है।

सीपी ने जोनल डीसीपी और पुलिस नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, साइबराबाद स्टीफन रवीन्द्र ने साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय में सभी डीसीएसपी, एसीएसपी के साथ एक बैठक बुलाई है। 3 नवंबर से 10 नवंबर तक निर्धारित आगामी नामांकन प्रक्रिया के मद्देनजर, सीपी, साइबराबाद ने नामांकन केंद्रों के लिए एसीएसपी को नोडल अधिकारी सह प्रभारी नियुक्त किया है। उन्होंने नामांकन केंद्रों पर चार स्तरीय सुरक्षा की व्यवस्था करने का निर्देश नोडल अधिकारियों को दिया। ट्रैफिक विंग को ट्रैफिक डायवर्जन प्वाइंट की आवश्यकता पर ध्यान देने और उसके अनुसार कदम उठाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को रैलियों और बैठकों के लिए जारी अनुमतियों के संबंध में संबंधित आरओ के साथ समन्वय बनाए रखने और पहले आओ पहले पाओ के आधार पर टिप्पणियां देने का निर्देश दिया गया। सीपी साइबराबाद ने ईसीआई द्वारा नामांकन प्रक्रिया के लिए जारी दिशानिर्देशों के सख्त कार्यान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया था। उन्होंने किए जा रहे प्रवर्तन कार्यों की भी समीक्षा की और धन, शराब, ड्रग्स, मुफ्त वस्तुओं और कीमती धातुओं के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए चेक पोस्टों में व्यापक वाहन निरीक्षण करने का निर्देश दिया। साथ ही सभा को संबोधित किया और एमसीसी का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अपनाए जाने वाले कानूनी प्रावधानों को दोहराया। यह निर्देश दिया गया कि महत्वपूर्ण मतदान स्थानों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाए और आम जनता के बीच स्वतंत्र रूप से वोट डालने के लिए विश्वास पैदा करने के लिए सीएपीएफ की सेवाओं का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए। बैठक में अविनाश मोहंती, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (प्रशासन), साइबराबाद, के. नारायण नाइक, संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, साइबराबाद, डीसीपी बालानगर श्रीनिवास राव, डीसीपी शमशाबाद के. नारायण रेड्डी आईपीएस, डीसीपी मेडचल शबरीश आईपीएस, डीसीपी राजेंद्रनगर आर. जगदीश्वर रेड्डी, डीसीपी माधापुर गोन संदीप, डीसीपी चुनाव सेल, साइबराबाद अशोक कुमार और विधानसभा क्षेत्रों के लिए एसीएसपी/पुलिस नोडल अधिकारियों ने भाग लिया।

सीएम केसीआर ने बीआरएस सांसद पर हमले की निंदा की

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने सोमवार को सिद्दीपेट जिले के दौलताबाद मंडल के सुरमपल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान बीआरएस सांसद कोठा प्रभाकर रेड्डी पर हुए हमले की निंदा की। यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक समाज में इस तरह के शारीरिक हमलों का कोई स्थान नहीं है। केसीआर ने कहा कि यह शर्म की बात है कि कुछ तत्व चुनाव में जनता के फैसले का सामना किए बिना शारीरिक हमलों और हत्या की राजनीति का सहारा ले रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों, बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं से चुनाव के दौरान ऐसे असामाजिक तत्वों से सतर्क रहने का आह्वान किया। उन्होंने रेखांकित किया कि बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कोई भी हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। केसीआर ने मंत्री टी हरीश राव से भी फोन पर बात की और घटना के बारे में जानकारी ली और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि प्रभाकर रेड्डी को शीघ्र स्वस्थ होने के लिए सर्वोत्तम संभव चिकित्सा उपचार मिले।

आदिलाबाद में कपास उपज की खरीदी शुरू : राहुल राज

आदिलाबाद, 30 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर पीएस राहुल राज ने कहा कि जिले में उत्पादित कपास ने देश में विशेष पहचान अर्जित की है. उन्होंने सोमवार को यहां एक कृषि बाजार प्रांगण में कपास की खरीद का औपचारिक उद्घाटन किया। कपास की कीमत 7,020 रुपये प्रति क्विंटल है। राज ने पूजा-अर्चना की और खरीद की शुरुआत के लिए नारियल तोड़ा। उन्होंने कहा कि जिले के किसानों द्वारा उत्पादित कपास अपनी उत्तम गुणवत्ता के लिए जाना जाता है और देश में इसकी विशेष पहचान है। उन्होंने अधिकारियों से खरीद के समय उत्पादकों को असुविधा से बचने के लिए कदम उठाने को कहा। कलेक्टर ने आगे कहा कि सफेद सोने की खरीद के लिए पर्याप्त कर्मचारी नियुक्त किए गए थे। उन्होंने कहा कि व्यापारियों ने आठ से 12 प्रतिशत के बीच नमी वाली कपास के लिए 7,100 रुपये की बोली लगाई। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया कि अधिक दाम पाने के लिए उपज को सुखाकर लायें। उन्होंने कहा कि सुचारू खरीद के लिए व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर जिला विपणन अधिकारी श्रीनिवास, किसान संघों के नेता और व्यापारी उपस्थित थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.